खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 04 दिसंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-331

अब परिवर्तन काहे का!

महेश बैंक चुनाव 2025

महेश बैंक चुनाव 2025 में संस्थापक पैनल का नारा है 'कहो दिल से, संस्थापक पैनल फिर से', जबकि फाउंडर पैनल परिवर्तन और पारदर्शिता पर जोर दे रहा है। परिवारवाद और एकाधिकार को खत्म करने की बातें भी खूब हो रही हैं। महल से झोपड़ी में जाना और व्यापार में लाभ से घाटे में आना भी परिवर्तन ही है, लेकिन क्या हम इसे सहज ले सकते हैं? कौन मूर्ख परिवर्तन के नाम पर अच्छे-खासे महलनुमा घर से झोपडी में जाना पसंद करेगा और कौन बेवकूफ होगा जो अपने फलते-फूलते व्यापार को घाटे में लाकर परिवर्तन का मजा चखना चाहेगा? यह सच है कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है, लेकिन बेवजह और सिर्फ परिवर्तन के लिए ही परिवर्तन अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा भी तो हो सकता है।

अब महेश बैंक को ही ले लीजिए, यहाँ परिवर्तन के झाँसे में आकर संस्थापक पैनल के साथ 2020-2025 के लिए फाउंडर पैनल के पाँच निदेशकों को चुनकर भेजा गया था, जिन्होंने बैंक को ही गर्त में धकेल दिया। बैंक बढिया चल रही थी, 706% की ग्रोथ रेट थी और अब आँकडें बताने में भी शर्म आ रही है। परिवर्तन का चक्कर उलटा पड गया। लेने के देने पड गये। एक बात और है जो व्यक्ति रमेश कुमार बंग चुनाव लड़ ही नहीं रहा, उसे हटाने के लिए नारे लग रहे हैं कि 'बंग हटाओ-बैंक बचाओ'। उनके चुनाव न लडने से परिवर्तन तो स्वतः हो गया, अब परिवर्तन के इस नारे के मायने समझ से परे हैं।

क्या रमेश कुमार बंग के कार्यकाल में मोज्जमजाही मार्केट स्थित महेश बैंक के 'झोपडीनुमा' मामूली दिखने वाले मुख्यालय का बंजारा हिल्स जैसे शहर के सबसे पॉश क्षेत्र में शिफ्ट होना परिवर्तन नहीं था?

जिस 'महलनुमा' बिल्डिंग को देखकर हर माहेश्वरी और अंशधारकों का सीना मोदी जी की तरह 56 इंच का हो जाता है, परिवर्तन नहीं है? 500 करोड़ के व्यापार को 5000 करोड़ तक पहुँचाना परिवर्तन नहीं है? यदि फाउंडर पैनल ने अंशधारकों के साथ गद्दारी न की होती तो आज व्यापार 10 हजार करोड़ के भी पार होता। 2005 की तरह ही संस्थापक पैनल 2025 में भी वाईस चेयरमैन पद विपक्ष की अनिता सोनी को देने का मन बना चुका था, लेकिन फाउंडर के पाँचों निदेशकों ने पहली ही बैठक का बहिष्कार कर विद्रोही तेवर अपना लिए। नतीजा सबके सामने हैं। जिस व्यक्ति ने अपना पूरा जीवन लगभग समाज को समर्पित कर दिया हो, उसकी आत्मा आज कितनी दु:खी होगी, उनकी जगह स्वयं को रखकर सोचें। समाज को उन्हें ससम्मान विदाई देनी चाहिए थी। कानूनन वे अब चुनाव नहीं लड सकते, ऐसे में वे सम्मान के हकदार थे। रही बात चुनाव की तो उन्हें किसी न किसी पैनल को समर्थन देना ही था, इसमें उनकी व्यक्तिगत पसंद-

नापसंद का भी पूरा सम्मान होना चाहिए।

अब रही बात पारदर्शिता की तो सभी बैंक नियमों से बंधे होते हैं। बैंक ग्राहकों के हित में न तो उनके खातों का ब्यौरा सार्वजनिक करते हैं, न ऋण के लिए जमा दस्तावेज। ऐसे में फाउंडर वाले क्या बैंक के नियमों के विरूद्ध गोपनीय जानकारी बाहर लाएंगे?

पोता, बाकी, सिलक तो ऐसे भी सालाना रिपोर्ट में सबके सामने होती ही हैं। सच तो यह है कि श्री बंग के कार्यकाल में काफी परिवर्तन हो चुके हैं और पारदर्शिता बैंकिंग क्षेत्र में लोकलुभावन नारे के अलावा कुछ नहीं।

एकाधिकार श्री बंग का ही नहीं, किसी का भी न रहा है और न कभी भी रह सकता है। अंशधारकों को उनके खून-पसीने की कमाई बढ़ती दिखी, उन्होंने श्री बंग को एक और कार्यकाल दे दिया। परिवारवाद तो कोई मुद्दा ही नहीं है। न बंग जी चुनाव लड़ रहे हैं और न ही उनके बेटा-बहू या बेटी।

नारा सिर्फ एक है अच्छे उम्मीदवारों को जिताएं जो जीतने के बाद संस्थान की कब्र न खोदें।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव : पीएम ने सांसदों को दिया मोदी मंत्र, कहा-

जीतना है... ममता सरकार को काउंटर करें

कोलकाता , 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों को साफ संदेश देते हुए कहा है कि वे तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखें और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में जीत सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री ने सांसदों को राज्य की स्थिति पर आक्रामक रुख अपनाने और लोकतंत्र को बचाने के नाम पर जनता के बीच और मजबूती से उतरने को कहा।

नई दिल्ली में बुधवार को पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। बैठक में मालदा उत्तर से भाजपा सांसद खगन मुर्मू भी मौजूद रहे, जिन पर अक्टूबर में भीड़ ने हमला किया था। प्रधानमंत्री ने उनकी कुशलक्षेम पूछी और बाकी सांसदों से कहा कि उन्हें राज्य की तृणमूल सरकार का मजबूती से मुकाबला करना होगा ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाया जा सके। भाजपा नेताओं के अनुसार, मोदी ने साफ कहा कि चुनाव जीतना है और जीतेंगे।

बैठक के बाद पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बताया कि प्रधानमंत्री ने पार्टी नेताओं को कहा कि राज्य सरकार की नाकामियों को उजागर किया जाए और जनता के बीच लगातार पहुंच बनाकर रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पार्टी को पूरी ताकत झोंकने के निर्देश दिए हैं ताकि अगले साल टीएमसी सरकार को सत्ता से बाहर किया जा सके। मजूमदार ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई को और तेज करेगी। दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिस्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं के समर्पण और जनता के बीच उनकी सक्रियता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी ने कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा के साथ जनसंपर्क ▶10पर

भारत-रूस 2030 रणनीतिक आर्थिक रोडमैप पर होंगे हस्ताक्षर

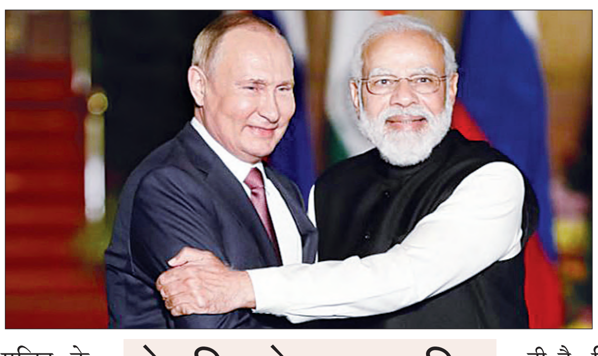

मॉस्को, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत और रूस अपने रिश्तों को अगले चरण में ले जाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। क्रेमलिन ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देश 2030 तक की रणनीतिक आर्थिक साझेदारी का रोडमैप साइन करेंगे। रूसी मीडिया ताश के अनुसार, क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि पुतिन की 4-5 दिसंबर की भारत यात्रा मबहुत अहमफहै और इससे दोनों देशों के रिश्तों पर विस्तृत बातचीत का मौका मिलेगा। यात्रा के अंत में कई क्षेत्रों में कई समझौतों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

दोनों देश रणनीतिक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030 को मंजूरी देंगे।

रूस के अनुसार, द्विपक्षीय व्यापार 12%

क्रेमलिन ने बताया पुतिन के दौरे की योजना

बढ़कर 63.6 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। ऊर्जा, रक्षा, स्पेस, हेल्थकेयर, तकनीक और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में नई साझेदारी योजनाएं होंगी।

लक्ष्य: 2030 तक व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना।

रूस और भारत कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं, उत्पादन सहयोग, इनोवेशन टेक्नोलॉजी, शांतिपूर्ण अंतरिक्ष अनुसंधान, परिवहन, श्रमिक विनिमय कार्यक्रम और हेल्थकेयर इसमें प्रमुख हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी तेजी देखी जा रही है, 2024 में 8.8 लाख रूसी नागरिकों ने भारत की यात्रा की, जबकि भारत से 40,000 लोग रूस गए।

रूस की संसद ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंजूरी दी है, जिसमें दोनों देशों के बीच सैनिकों, सैन्य जहाजों और विमानों की आवाजाही के लिए एक मानकीकृत प्रक्रिया तय की गई है। यह व्यवस्था संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण, मानवीय सहायता और आपदा राहत के समय प्रयोग की जाएगी।पुतिन के साथ उच्च स्तरीय सरकारी और कारोबारी प्रतिनिधि शामिल हैं। इसमें रूसी रक्षा मंत्री, रोसकोस्मोस (स्पेस एजेंसी), रोसनेफ्ट, स्बरबैंक, वीटीबी बैंक के प्रमुख और परमाणु, रेल, ऊर्जा और तकनीक क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। ▶10पर

बंगाल के 32,000 शिक्षकों को बड़ी राहत

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बहाल की नियुक्तियां

कोलकाता, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने 32 हजार प्राइमरी स्कूल टीचर्स को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने 2023 के शिक्षक भर्ती फैसले को पलटते हुए नियुक्तियां बहाल करने का आदेश दिया है।

कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस रीतब्रतकुमार मित्रा की डिवीजन बेंच ने तत्कालीन जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय की सिंगल बेंच के आदेश को खारिज कर दिया है. उस आदेश में 32 हजार प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने का निर्देश दिया गया था।

हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद पश्चिम बंगाल के हायर एजुकेशन मिनिस्टर ब्रात्या बासू ने प्राइमरी टीचर्स को बधाई दी है. उन्होंने कहा, हाईकोर्ट के आदेश पर प्राइमरी एजुकेशन बोर्ड को बधाई। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने 2023 का आदेश पलट दिया। अब 32 हजार प्राइमरी टीचर्स की नौकरी सुरक्षित है। शिक्षकों को भी बधाई. सत्य की जीत हुई। 12 मई 2023 को तत्कालीन जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं का हवाला देते हुए 32 हजार प्राइमरी टीचर्स की नियुक्तियां रद्द करने का आदेश दिया था। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि कम रैंक वाले कई उम्मीदवारों को पैसे लेकर नौकरी दिलाई गई ▶10पर

छत्तीसगढ़ में 12 नक्सली ढेर, 3 जवान शहीद

सभी नक्सलियों के शव बरामद, 4 दिन पहले मोदी-शाह ने स्ट्रैटजी बनाई थी

बीजापुर, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर जवानों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें डिविजनल कमेटी मेंबर वेल्ला मोडियम शामिल है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। इस एनकाउंटर में डीआरजी के 3 जवान शहीद और 2 घायल हो गए हैं। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने पुष्टि की है।

बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि एनकाउंटर में बीजापुर डीआरजी के जवान हेड कॉन्स्टेबल मोनू वडारी, रमेश सोड़ी और कॉन्स्टेबल दुकारू गोंडे शहीद हो गए। गंगालूर थाना इलाके के जंगलों में जवानों की टीम लगातार सर्चिंग कर रही है। एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफ की जॉइंट टीम बुधवार सुबह 9 बजे से बीजापुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर के वेस्ट बस्तर डिवीजन इलाके में सर्च ऑपरेशन पर थी। जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू की। जवाबी कार्रवाई में नक्सली मारे गए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। वीर जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज हमारे बहादुर जवानों की बहादुरी से इतिहास लिखा जा रहा है। नक्सलवाद आखिरी सांसें ले रहा है। उन्होंने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी। छत्तीसगढ़ में 4 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और एनएसए डोभाल समेत कई हस्तियां पुलिस महानिदेशक कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं। मीटिंग में नक्सलवाद को खत्म करने की स्ट्रैटजी पर चर्चा की गई थी। अब इसके नतीजे दिख रहे हैं। शाह ने नक्सलवाद खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय कर दी है।एसपी ने बताया कि जवानों ने एनकाउंटर वाली जगह से एसए-लआर राइफल, 303 राइफल और गोला-बारूद भी बरामद किया है। ▶10पर

संचार साथी ऐप को लेकर बड़ा फैसला

मोबाइल में अनिवार्यता का आदेश वापस

जासूसी के आरोपों पर सरकार ने दी सफाई

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने देश में बिकने वाले स्मार्टफोन्स में संचार साथी साइबर सुरक्षा ऐप को पहले से इंस्टॉल करने संबंधी अनिवार्य आदेश वापस ले लिया है। सरकार का यह कदम संसद में ऐप के गोपनीयता और निगरानी संबंधी चिंताओं को लेकर चल रही व्यापक बहस के बीच सामने आया है।

पहले जारी आदेश में मोबाइल फोन निर्माताओं को यह निर्देश दिया गया था कि वे नए स्मार्टफोन्स में इस ऐप को पहले से शामिल करें और पुराने फोनों में अपडेट के जरिए इसे जोड़ें। इस फैसले का विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध किया था।

कई विपक्षी नेताओं ने इस कदम को सरकारी जासूसी और व्यक्तिगत संचार में हस्तक्षेप की संभावना से जोड़कर इसकी आलोचना की थी। विपक्ष का कहना है कि ऐप कॉल सुनने या संदेशों की निगरानी करने में सक्षम हो सकता है, जिससे डेटा सुरक्षा और गोपनीयता पर गंभीर खतरा पैदा होगा।सरकार ने इन आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए कहा है कि संचार साथी ऐप का उद्देश्य सिर्फ उपयोगकर्ताओं को साइबर धोखाधड़ी से बचाना,दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों की रिपोर्ट करने में मदद करना और साइबर अपराध के ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

रेवंत रेड्डी ने पीएम को तेलंगाना राइजिंग समिट के लिए आमंत्रित किया

परियोजनाओं के लिए केंद्र का समर्थन मांगा

नई दिल्ली/हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, उन्हें औपचारिक रूप से तेलंगाना राइजिंग 2047 ग्लोबल समिट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और राज्य के दीर्घकालिक विकास रोडमैप के अनुरूप प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिए केंद्र का समर्थन माँगा। तेलंगाना राइजिंग 2047 ग्लोबल समिट 8-9 दिसंबर को हैदराबाद के भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाला है। इस मुलाकात के दौरान, रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री को विशेष रूप से मुद्रित शिखर सम्मेलन का निमंत्रण पत्र भेंट किया और उन्हें तेलंगाना के दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण से अवगत कराया। उन्होंने केंद्र के विकसित भारत 2047 लक्ष्यों के अनुरूप राज्य की 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने की महत्वाकांक्षा पर प्रकाश डाला। इस प्रयास के हिस्से के रूप में, राज्य ने नीति आयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के इनपुट से तेलंगाना राइजिंग 2047 ▶10पर

इंडिगो पर डीजीसीए की सख्ती

उड़ानों में बढ़ती देरी और रद्दीकरण पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

देश की विमानन नियामक संस्था नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में लगातार हो रही देरी और रद्दीकरण को लेकर सख्त रुख अपनाया है। डीजीसीए ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि वह स्थिति की बारीकी से समीक्षा कर रही है ताकि यात्रियों को हो रही असुविधा को कम करने के लिए उचित कदम उठाए जा सकें।

डीजीसीए ने बयान जारी कर बताया कि इंडिगो को मौजूदा व्यवधानों की वजहों का विस्तृत विवरण देने के लिए निर्देशित किया गया है। एयरलाइन से यह भी पूछा गया है कि वह स्थिति सुधारने के लिए क्या कदम उठा रही है। नियामक ने साफ किया कि एयरलाइन को न केवल उड़ानों के रद्दीकरण और

देरी के कारण बताने होंगे, बल्कि यह भी स्पष्ट करना होगा कि ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए वह क्या योजना बना रही है।हवाई यात्रियों की बढ़ती शिकायतें और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो तथा प्रतिक्रियाएं इस मामले की गंभीरता को बढ़ा रही हैं।भारत की प्रमुख एयरलाइन मानी जाने वाली इंडिगो राज्य में बड़ी संख्या में उड़ानों का संचालन करती है। ऐसे में लगातार हो रही गड़बड़ी से यात्रियों को काफी ▶10पर

मुमुक्षु लवेश का भव्य अभिनंदन

जैन दीक्षा एक व्यक्तिगत और स्वेच्छा से लिया गया निर्णय: डॉ. जवरीलाल लूनावत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भीखीबाई पूनमचंद लूनावत जैन स्थानक भवन में चतुर्विध संघ के साथ विराजमान दक्षिण सम्राट घोर तपस्वी प्रवासी राजस्थानी सर्व समाज गौरव पद से अलंकृत नरेशमुनिजी एवं युवामनिषी सेवाभावी शालिभद्रजी एवं महासती सत्यप्रभाजी के सानिध्य में मुमुक्षु लवेश का भव्य अभिनंदन प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ द्वारा किया गया। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डॉ. जवरीलाल लूनावत ने बताया कि नरेशमुनिजी के सानिध्य में मुमुक्षु लवेश की जैन भगवती दीक्षा 25 जनवरी को बेंगलूरु में होने जा रही है। उसी कड़ी में इस अभिनंदन कार्यक्रम में संघ के अनेक समाज उपस्थित रहे। पहली बार छत्तीस कौम के बंधुओं को दीक्षार्थी मुमुक्षु का अभिनंदन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस कार्यक्रम में संघ के सलाहकार भगतसिंह राजपुरोहित,

जाट समाज के अध्यक्ष गणपतलाल, नवरत्नमल, संघ के संरक्षक डूंगरमल पारख, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, कांतिलाल गुलेच्छा, राजेश श्रीश्रीमाल, अजीत बागमार, कलाराम पटेल, कुमावत समाज के अध्यक्ष माणकचंद, चंपालाल, संपतराज, मनोहरलाल ने अभिनंदन किया। कलाराम पटेल ने अपने उद्बोधन में पूज्य गुरुदेव के प्रति आस्था प्रकट करते हुए खुशी जाहिर की कि समय समय पर प्रवासी बंधुओं को सनातन धर्म की रक्षा एवं सेवा करने की प्रेरणा देकर हमे भी जोड़े रखने का कार्य कर रहे हैं। पटेल ने बताया कि पांच माह पहले भी नरेशमुनिजी के सानिध्य में सर्व धर्म सम्मेलन का सफल आयोजन हुआ था।

उस समय भी 36 कौम ने मिलकर नरेश मुनि को चादर भेंट कर प्रवासी राजस्थानी सर्व समाज गौरव पद से अलंकृत किया था। कुमावत समाज व जाट समाज के अध्यक्ष ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए कृतज्ञता प्रकट की। महामंत्री जवरीलाल लूनावत ने कहा कि जैन दीक्षा एक ऐसी पवित्र प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति सांसारिक सुख-सुविधाओं और पारिवारिक जीवन को त्यागकर एक तपस्वी जीवन जीने की प्रतिज्ञा लेता है। दीक्षा लेने वाला व्यक्ति जैन साधु या साध्वी बन जाता है और जीवन भर पांच महाव्रतों का पालन करता है। यह एक व्यक्तिगत और स्वेच्छा से लिया गया निर्णय होता है, जिसका अंतिम लक्ष्य मोक्ष या आत्म-कल्याण होता है। मुनि शालिभद्र ने प्रवासी बंधुओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि आम जीवन के तीन मंत्र- कम खाओ- गम खाओ- नम जाओ को अगर तीन सूत्रीय कार्यक्रम बना देंगे तो हम स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकते हैं। नरेश मुनि ने प्रवासी बंधुओं द्वारा की जा रही गुरु भक्ति की सराहना करते हुए कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में पारस्परिक प्रेम व संगठन रखना है तो गांठें देना नहीं मगर गांठों को खोलना सीखो व परिवार को तोड़ना नहीं जोड़ना सीखो।

जैन संत के आशीर्वाद सुखी नहीं समर्थ बनाते हैं: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
साध्वी भव्यगुणाजी ने कहा कि जैन संत के आशीर्वाद सुखी नहीं समर्थ बनाते हैं। दुनिया के सभी धर्मगुरुओं को देखो या आपके सांसारिक जीवन में देखो जब आप किसी के पैरो को छुते हो पैर पड़ते हो तो सभी आपको सुखी भव का आशीर्वाद देते हैं। केवल और केवल जैन संत होते हैं चाहे वह किसी भी परंपरा के हो आशीर्वाद के रूप में आपको दयापालो या धर्मलाभ ही कहेंगे। क्योंकि आपको केवल सुखी नहीं बनाना है तो आपको समर्थ बनाना है और समर्थ बनने के बाद कोई दुःखी नहीं रहेगा। यह छोटासा सिक्रेट भी हमे समझ आ जाए तो हमारे कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि परमात्मा की पवित्र वाणी वर्तमान में हमारे लिए कल्पवृक्ष और चिंतामणि रत्न से बढ़कर है। पापी भटके हुए आत्माओं का कल्याण हुआ है। भौतिकवाद के अंधेरे में यह दीप स्तंभ है। जीवन निर्माण ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है। पानी से शरीर की शुद्धि होती है वाणी से आत्मा पवित्र होती है। कलयुग में इससे बड़ा और कोई आलंबन नहीं है। संस्कारों का निर्माण होता है। संस्कृति का स्वाभिमान होता है और चरित्र का निर्माण होता है। विहार सेवा में अर्हम ग्रुप के नमन जैन, दर्शन जैन, क्रिश जैन, दानी जैन, पुलिस सुरक्षा अधीक्षक ने लाभ लिया।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ डॉक्टर विष्णुवर्धन कन्नड़ अभिमानी संघ लेगेरे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विष्णुवर्धन के चित्र पर पुष्प अर्पित करके अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पुट्टीगे मठ ने तटीय विकास के लिए पीएम मोदी को पांच मुख्य मांगें सौंपीं

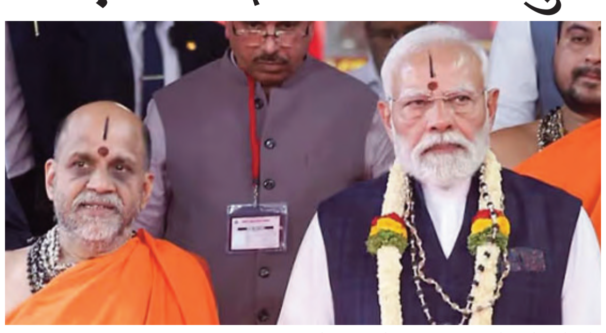

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
तटीय इलाके के पूरे विकास के लिए, पर्याय पुट्टिगे मठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पांच बड़ी मांगें सौंपी हैं, जिनमें उडुपी-मेंगलूरु मेट्रो सर्विस शुरू करना और उडुपी में एयरपोर्ट बनाना शामिल है। हाल ही में लक्ष कंठ गीता परायण कार्यक्रम के दौरान, पर्याय श्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी और जूनियर संत श्री सुश्रेंद्र तीर्थ स्वामीजी ने प्रधानमंत्री को ये मांगें बताईं। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए, मठ ने उडुपी और मेंगलूरु के जुड़वां शहरों को जोड़ने वाली मेट्रो सर्विस की मांग की। यह भी प्रस्ताव रखा गया कि पदुबिद्री के पास आरक्षित 1,000 एकड़ जमीन पर एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाया जाए, जिससे इलाके के व्यापार, शिक्षा, हेल्थकेयर और धार्मिक टूरिज्म को फायदा होगा। उडुपी जिले में लगभग 100 किमी का तटीय इलाका है और मालपे समेत कई खास पोर्ट हैं। मठ ने एक इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का पोर्ट बनाने की संभावना पर जोर दिया। इसने केंद्र से सीआरजेड नियमों की समीक्षा करने और उन्हें आसान बनाने की अपील की, जिससे सीफूड एक्सपोर्ट, टूरिज्म और फिशरीज सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। उडुपी, जो एजुकेशनल और टेक्निकल इंस्टीट्यूशन का हब है, को डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत एक आईटी पार्क और एक एआई इनोवेशन पार्क के लिए सही जगह के तौर पर प्रस्तावित किया गया था। मठ ने क्लाउड-कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए भी सपोर्ट मांगा। इस बात पर भी जोर दिया गया कि तटीय कर्नाटक की पारंपरिक भैंस दौड़, कंबाला को नेशनल स्पोर्ट के तौर पर पहचान मिलनी चाहिए। इसने इलाके के विकास को बढ़ावा देने के लिए अलग अलग सेंट्रल योजना के जरिए वित्तीय मदद और आधारभूत संरचनाओं के विकास का आग्रह किया।

बेलगावी में वहशी दरिंदों ने 7वीं कक्षा की बच्ची के साथ किया दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले से एक यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। दरअसल, इस जिले में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़की का दो लोगों ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पिछले महीने हुई इस घटना के सिलसिले में मंगलवार को आरोपी मणिकांत दिन्निमणि और इरन्ना संकम्मनवर को गिरफ्तार किया गया। पीड़िता ने सोमवार शाम को शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद यहां मुरगोड पुलिस स्टेशन में पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। अपनी शिकायत में, लड़की ने आरोप लगाया है कि दिन्निमणि ने उसका यौन उत्पीड़न किया और संकम्मनवर ने उसकी मदद की। पुलिस के अनुसार, 21 नवंबर को, जब लड़की अपने घर के पास स्थित आटा चक्की से घर लौट रही थी, तो आरोपियों ने कथित तौर पर उसे गन्ने के खेत में खींच लिया और उसके साथ बलात्कार किया। बेलगावी के पुलिस अधीक्षक भीमाशंकर गुलेड़ के अनुसार, दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। लड़की ने एक महिला अधिकारी की मौजूदगी में अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा, "हमने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमें इस बात की जांच करनी होगी कि शिकायत देर से क्यों दर्ज की गई। आमतौर पर, ऐसी घटनाओं में, बच्चे सदमे में होते हैं और तुरंत खुलकर बात नहीं कर पाते, या कुछ माता-पिता बच्चों की गरिमा की चिंता के कारण आगे आने में हिचकिचाते हैं। हमने ऐसे ही पैटर्न देखे हैं।

दत्ता पीठ मामले में सीएम को न्याय का होना चाहिए रखवाला: सी.टी. रवि

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विषान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से सरकारी दस्तावेज की जांच करने और दत्ता पीठ मामले में न्याय दिलाने का आग्रह किया। दत्ता जयंती के दूसरे दिन, बुधवार सुबह, शहर के नारायणपुर और राघवेंद्र स्वामी मठ रोड पर दत्ता मालाधारियों के साथ घरों में जाकर मांगने और धान इकट्ठा करने के बाद, उन्होंने कहा हम न्याय की मांग कर रहे हैं। हमने मौजूदा जज के नेतृत्व में न्याय की मांग की है। इसलिए हम मुख्यमंत्री से न्याय दिलाने का आग्रह करते हैं। हम कह रहे हैं कि दत्ता पीठ अलग है और बाबा बुदन दरगाह अलग है, मौजूदा जज के नेतृत्व में जांच करके और सरकारी कागजों की जांच करके इसे स्पष्ट किया जा सकता है। हम पांच दशकों से लड़ रहे हैं। न्यायीक प्रणाली में तुरंत न्याय मिलना मुश्किल है। लगातार संघर्ष से इंसाफ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, तुरंत मौजूदा जज के नेतृत्व में एक कमेटी बनाएं। यह सोचना गलत है कि दत्तात्रेय पीठ और बाबा बुदन दरगाह एक ही हैं। बाबा बुदन दरगाह नागेनाहल्ली में है, जो वेस्टर्न घाट लाइन पर है, इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री से न्याय के रखवाले होने की अपील की। इस मौके पर सी.टी. रवि के साथ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ता, भाजपा नेता कोटे रंगनाथ, सचिन गौड़ा और अन्य लोग मौजूद थे। शोभा यात्रा के रास्ते में पुलिस की कड़ी घेराबंदी की गई थी।

सीएम की कुर्सी खाली नहीं: एमबी पाटिल ने सतीश जारकीहोली के बयान पर किया पलटवार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सिद्धरामैया के करीबी गुट के सदस्य सतीश जारकीहोली के यह कहने के बावजूद कि सिद्धरामैया का सत्ता छोड़ना निश्चित है, भारी और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा है कि फिलहाल मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए शायद सतीश जारकीहोली ने ये बात कही। लेकिन ऐसा कब होगा यह सवाल खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दो बार लंच कर चुके हैं। वहां सब कुछ व्यवस्थित है। कांग्रेस विधायकों ने मंत्री पद मांगने के लिए दिल्ली का दौरा किया। मीडिया इसे नेतृत्व परिवर्तन यात्रा के तौर पर पेश कर

रहा है। उन्होंने आपत्ति जताई कि सारा राजनीतिक भ्रम मीडिया ने पैदा किया है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है कि गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर और लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने बैठक की है। उन्होंने कहा सतीश जारकीहोली और परमेश्वर और मैं कई बार मिल चुके हैं। मैं मंगलवार को मुख्यमंत्री से मिला। सिद्धरामैया द्वारा सत्ता छोड़ने की बात कहने के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि आलाकमान के नेताओं को इस बारे में बयान देना चाहिए। फिलहाल मुख्यमंत्री का पद भी खाली नहीं है। मीडिया की अटकलें हैं कि जनवरी तक नेतृत्व परिवर्तन हो जाएगा। हमने ऐसी कोई चर्चा नहीं की है। उन्होंने कहा कि हमारे पास विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सभी एक साथ हैं। उनके मुख्यमंत्री पद की चाहत रखने का सवाल ही नहीं उठता। डिनर पार्टी का खास मतलब निकालने की जरूरत नहीं है। मैं मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को अपने घर रात्रि भोज पर आमंत्रित करूंगा। इसमें गलत क्या है। यह कयासबाजी चर्चा है कि अगर सिद्धरामैया को मुख्यमंत्री पद से हटाया गया तो इससे कांग्रेस पार्टी को नुकसान होगा। सब कुछ राजनीति से प्रेरित हो रहा है। शीतकालीन संसद सत्र की पृष्ठभूमि में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी ने दिल्ली में बैठक की। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि कर्नाटक की राजनीति को इससे जोड़ा गया है। घर में छोटी-मोटी उलझनें होना आम बात है। हम इसका समाधान निकालेंगे। भाजपा के पास विजयेंद्र, आर. अशोक, वी. सोमन्ना, रमेश जारकीहोली, डॉ. सीएन अश्वथ नारायण, प्रह्लाद जोशी समेत 20 से ज्यादा दरवाजे हैं। कांग्रेस पार्टी में लिंगायत, ओक्कालिगा, अहिंदा की कोई चर्चा नहीं है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस समाज एक वर्ग है। डीके शिवकुमार के समर्थकों द्वारा मेंगलूरु हवाईअड्डे पर नारे लगाने में कुछ भी गलत नहीं है। सभी समर्थकों की आकांक्षा है कि उनके नेताओं को मौका मिले और वे इसके लिए नारे लगाते हैं। कांग्रेस आलाकमान मजबूत है। समय-समय पर उचित निर्णय लिया जाता है। सभी राजनीतिक घटनाक्रमों पर नजर रखी जा रही है। सिद्धरामैया सही कह रहे हैं कि राजनीति शाश्वत नहीं है।

मेट्रो स्टेशन के पार्किंग स्थलों में फूड कोर्ट की अनुमति के पीछे भारी अवैधता

भाजपा ने लोकायुक्त से की शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा ने लोकायुक्त से शिकायत कर आरोप लगाया है कि हमारे मेट्रो रेलवे स्टेशन के पार्किंग स्थलों में फूड स्टॉल (फूड कोर्ट) खोलने की अनुमति के पीछे काफी अवैधता की गई है। जयनगर विधायक राममूर्ति, बेंगलूरु सेंट्रल भाजपा अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, पूर्व बीबीएमपी सदस्य सोमशेखर और अन्य लोग लोकायुक्त कार्यालय गए और शिकायत की कि मेट्रो स्टेशन के पार्किंग स्थलों में होटल उद्योग

को अनुमति देने के कारण बहुत बड़ी अवैधता हुई है। शिकायत में उचित जांच का अनुरोध किया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए जयनगर विधायक राममूर्ति ने कहा कि यह अवैज्ञानिक है कि पार्किंग स्थल में फूड कोर्ट खोलने की अनुमति दी गई है। जनता और वाहन पार्क करने के लिए जगह के बिना संघर्ष कर रहे हैं। हमने बीएमआरसीएल के प्रबंध निदेशक और अन्य की जांच के लिए लोकायुक्त से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी। इस संबंध में उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार, जो बेंगलूरु के प्रभारी मंत्री हैं, से अपील की गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

बेंगलूरु में 14 वार्डों के नाम और छह वार्डों की सीमाएं फिर बदली गईं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार ने कई अधिसूचना जारी किए, जिनसे पांच सिटी निगमों के 14 वार्ड के नाम और छह की सीमाओं में बदलाव किए गए। सूत्रों ने बताया कि यह कुछ वार्ड के नामों पर विवाद के बाद हुआ है और कई लोगों ने अंतिम अधिसूचना में भी सीमाओं में गड़बड़ियों की ओर इशारा किया था। उदाहरण के लिए, येलहंका के विधायक एस.आर. विश्वनाथ ने अपने चुनाव क्षेत्र के एक वार्ड का नाम आकाश रखने पर आपत्ति जताई थी। अब इसका नाम बदलकर एयरो सिटी वार्ड कर दिया गया है। येलहंका ओल्ड टाउन का नाम बदलकर राजा केम्पेगौड़ा वार्ड कर दिया गया है और पहले बेंगलूरु के फाउंडर के नाम पर रखे गए वार्ड का नाम अब चौडेश्वरी वार्ड कर दिया गया है। जहां ईस्ट कॉर्पोरेशन के छह, नॉर्थ के चार, वेस्ट के तीन और साउथ के एक वार्ड का नाम बदला गया है, वहीं साउथ कॉर्पोरेशन के चार और सेंट्रल कॉर्पोरेशन के दो वार्ड की बाउंड्री बदली गई हैं। राज्य सरकार ने 30 सितंबर को पांच निगमों के 368 वार्ड के साथ एक ड्राफ्ट अधिसूचना जारी किया था और 19 नवंबर को 369 वार्ड के साथ एक अंतिम अधिसूचना जारी किया था।

केंद्र ने दक्षिण कन्नड़ को एक्सपोर्ट हब घोषित किया: सांसद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सांसद बृजेश चौटा ने कहा कि केंद्र सरकार ने दक्षिण कन्नड़ को एक्सपोर्ट हब घोषित किया है, जिसमें सीफूड और काजू को ऐसे प्रोडक्ट के तौर पर पहचाना गया है जिनमें एक्सपोर्ट की अच्छी संभावना है। डिस्ट्रिक्ट्स ऐज एक्सपोर्ट हब्स (डीईएच) पहल के तहत, दक्षिण कन्नड़ को ऑफिशियली एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन के तौर पर पहचान मिली है। इस पहचान ने जिले के सस्टेनेबल इकोनॉमिक डेवलपमेंट की दिशा में चल रहे प्रयासों की ओर ध्यान खींचा है। केंद्रीय कॉमर्स और इंडस्ट्री मंत्रालय ने 2 दिसंबर को संसद में चौटा के उठाए गए सवाल का जवाब दिया। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने अपने लिखित जवाब में कहा कि दक्षिण कन्नड़ को एक्सपोर्ट हब घोषित करने से लोकल इंडस्ट्री को मजबूत करने, वैल्यू-एडेड गतिविधियों को बढ़ावा देने और जिले की ग्लोबल मार्केट से कनेक्टिविटी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

वैचारिक आधार पर होने वाला कार्यक्रम आपसी राजनीतिक ताकत और प्रतिद्वंद्विता के प्रदर्शन का मंच बना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु के तटीय जिले में जो कार्यक्रम वैचारिक आधार पर होना था वह आपसी राजनीतिक ताकत और प्रतिद्वंद्विता के प्रदर्शन का मंच बन गया। शिवगिरि मठ और मेंगलूरु विश्वविद्यालय के ब्रह्मश्री नारायण गुरु अध्ययन पीठ द्वारा आयोजित गुरु-गांधी संवाद की शताब्दी के भाग के रूप में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी.के. हरिप्रसाद, मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, दिनेश गुंडुराव, सतीश जारकीहोली, लक्ष्मी हेब्बलकर और अन्य उपस्थित थे। इस समय केसी वेणुगोपाल के स्वागत के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे। वेणुगोपाल हवाईअड्डे पर पहुंचे थे। वेणु-गोपाल के पहुंचते ही डीके शिवकुमार के नारे गूंजने लगे। अन्य लोगों ने सिद्धरामैया के पक्ष में नारे लगाए। इससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कांग्रेस नेता मिथुन राय और अन्य ने मांग की कि कांग्रेस आलाकमान को बड़ा सोचना चाहिए और डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री का पद देना चाहिए। गुरु-गांधी कार्यक्रम की पृष्ठभूमि विशुद्ध वैचारिक थी। राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर असमंजस की खबरें आने से पहले ही कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र छपवाकर बांट दिए गए थे।

ब्रह्मश्री नारायण गुरु का मिशन पिछड़े समुदायों के उत्थान के लिए था। इसलिए सिद्धरामैया और अन्य पिछड़ा वर्ग के नेताओं को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। बड़ी चर्चा यह है कि शिवकुमार को आमंत्रित नहीं किया गया। तदनुसार, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मेंगलूरु हवाई अड्डे और मेंगलूरु सर्किट हाउस में केसी वेणुगोपाल के साथ अलग-अलग बातचीत की। इससे पहले कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल की पहली छमाही पूरी होने के बाद मुख्यमंत्री पद और सत्ता की साझेदारी को लेकर चल रही खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके डिप्टी डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को बेंगलूरु के सदाशिवनगर स्थित आवास पर नाश्ते पर बैठक की और एक बार फिर यह प्रदर्शित करने की कोशिश की थी कि वे एकजुट हैं और उनके बीच कोई मतभेद नहीं है।

बैठक के बाद, सिद्धरामैया ने कहा मैं और डी.के. शिवकुमार हमेशा भाई बने रहेंगे। हम एक ही पार्टी में हैं, एक विचारधारा का पालन करते हैं और 2028 के विधान सभा चुनावों में एक साथ काम करेंगे। इससे पहले शिवकुमार ने सिद्धरामैया के साथ नाश्ते की बैठक को 'भाइयों के बीच' का मामला करार दिया, और इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस सरकार के भीतर कोई गुटबाजी नहीं है। दोनों नेता चार दिन से भी कम समय में दूसरी नाश्ता बैठक के लिए मिले। बेल-गावी में 8 दिसंबर से शुरू होने वाले राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र और 1 दिसंबर से शुरू हुए संसद सत्र से पहले, पार्टी आलाकमान द्वारा दोनों नेत-ाओं को अपने मतभेदों को सुलझाने का निर्देश दिए जाने के बाद, शिवकुमार 29 नवंबर को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री के आवास पर नाश्ते की बैठक के लिए गए थे।

29 नवंबर की तरह मंगलवार की बैठक के बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और दोहराया कि वे कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन पर आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा आलाकमान और राहुल गांधी जो भी कहेंगे, हम उसे सुनेंगे। दिल्ली दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा अभी तक कोई संपर्क नहीं है। अगर वे हमें बुलाएंगे तो हम जरूर जाएंगे। शिवकुमार कब मुख्यमंत्री बनेंगे, इस सवाल के जवाब में सिद्धरामैया ने कहा, जब आलाकमान कोई निर्णय लेता है। हालांकि, माना जाता है कि मुख्यमंत्री की उपमुख्यमंत्री के आवास की यात्रा ने शिवकुमार को कर्नाटक की राजनीति के केंद्र में ला दिया है। शिवकुमार धीरे-धीरे सिद्धरामैया के उत्तराधिकारी के रूप में उभर रहे हैं, हालांकि इस पद के लिए कुछ आकांक्षी हैं। शिवकुमार और उनके भाई, पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

राज्य के निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध

कुनिगल विधायक एच.डी. रंगनाथ भी नाश्ते के लिए उनके साथ शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवकुमार ने अपने नाश्ते में नाटी कोली (देशी चिकन का एक साइड डिश) परोसा था। सिद्धरामैया ने कहा कि वह बुधवार को मेंगलूरु में एक समारोह में एआईसीसी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल से मिलेंगे। दरअसल वेणुगोपाल के फोन के बाद दोनों नेताओं ने 29 नवंबर को मुख्यमंत्री के आवास पर नाश्ते पर बैठक की। नाश्ते के बाद 45 मिनट की चर्चा के दौरान, दोनों नेताओं ने विपक्षी भाजपा और जद (एस) द्वारा पेश किए जाने वाले प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव का मुकाबला करने के लिए सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा की। सिद्धरामैया ने कहा मैं और शिवकुमार 8 दिसंबर को एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल लेकर कर्नाटक के सभी सांसदों से मुलाकात करने और उन्हें राज्य के मुद्दों के बारे में जानकारी देने के लिए दिल्ली जाएंगे। शिवकुमार ने कहा हमने सरकार, पार्टी और विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि कैबिनेट फेरबदल पर फैसला आलाकमान को लेना है। सोशल मीडिया पर शिवकुमार ने कहा अपने आवास पर नाश्ते के लिए मुख्यमंत्री की मेजबानी की क्योंकि हम कांग्रेस के दृष्टिकोण के तहत सुशासन और हमारे राज्य के निरंतर विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि आलाकमान द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र की समाप्ति के बाद दोनों नेताओं को दिल्ली बुलाने की उम्मीद है, जो 19 दिसंबर को समाप्त होने की उम्मीद है। तब तक बेलगावी में राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र भी समाप्त हो जाएगा। उम्मीद है कि कांग्रेस के शीर्ष नेता राज्य कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन सहित कई मुद्दों पर दोनों नेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

कर्नाटक हाईकोर्ट से जेडीएस से निष्कासित प्रज्वल रेवन्ना को झटका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) से निष्कासित नेता प्रज्वल रेवन्ना को कर्नाटक हाईकोर्ट से झटका लगा है। उच्च न्यायालय ने प्रज्वल को दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत से मिली आजीवन कारावास की सजा को रद्द करने से इनकार कर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल को इसी साल की शुरुआत में दुष्कर्म से जुड़े एक मामले में बेंगलूरु की अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसी फैसले को चुनौती देते हुए प्रज्वल ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका डाली थी। कर्नाटक की हासन संसदीय सीट से पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर 48 साल की एक महिला मजदूर से दुष्कर्म का आरोप है। इस मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद रेवन्ना ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सजा को रद्द करने या सुनवाई पूरी होने तक उन्हें अंतरिम जमानत देने की मांग की थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने उनकी इस याचिका को 'जुर्म की गंभीरता' देखते हुए ठुकरा दिया था। हाईकोर्ट की जस्टिस केएस मुद्गल और जस्टिस वेंकटेश नाइक की बेंच ने यह आदेश जारी करते हुए कहा कि अब तक प्रज्वल के खिलाफ जो भी बातें रिकॉर्ड पर हैं और जुर्म की गंभीरता को मापते हुए (रेवन्ना पर दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के मामलों से जुड़ी तीन एफआईआर) कोर्ट का यह मत है कि इस अपील पर सजा को रद्द करना या जमानत देना ठीक नहीं है। बेंच ने कहा कि जिन मामलों में सुनवाई जारी है, उनमें अंतरिम जमानत के लिए कानूनी मानक अलग हैं, जबकि सजा के एलान के बाद अंतरिम जमानत के मानक अलग हैं। जब एक दोषसिद्धि हो चुकी है तब बेगुनाह होने का अनुमान आरोपी के पक्ष में नहीं लगाया जा सकता।

तटीय इलाकों में सब्जियों के दाम बढ़े: सहजन 700 रुपये प्रति किलो के पार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मॉनसून के बाद भी, तमिलनाडु और कर्नाटक में बेमौसम बारिश और लगातार आए चक्रवात की वजह से फसल पर असर पड़ा है, जिससे तटीय इलाकों में सब्जियों की कीमतें तेजी से बढ़ गई हैं। सहजन 700 रुपये प्रति किलो से ज्यादा हो गया है, जबकि कई दूसरी सब्जियां 100 रुपये के लेवल पर पहुंच गई हैं। शादियों का सीजन, सबरीमाला तीर्थयात्रा का समय और सर्दी एक साथ होने की वजह से सब्जियों की मांग बढ़ गई है। चाहे वेजिटेरियन खाना हो या नॉन-वेजिटेरियन, सब्जियां तो मिलती ही हैं, खासकर टमाटर, जिसकी कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। सहजन की कीमतें और भी बढ़ गई हैं। सहजन से बनी डिशेज की वेजिटेरियन खाने में खास जगह है, लेकिन इसकी बढ़ती कीमतों की वजह से ग्राहक अब सब्जी की दुकानों पर इसे लेने से बच रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि ज्यादा मांग के बावजूद आपूर्ति कम है। जिन दिनों ज्यादा

शादियां होती हैं, उन दिनों कुछ खास सब्जियों की कीमतें अचानक बढ़ जाती हैं। टमाटर के दाम पहले ही पचास का आंकड़ा पार कर चुके हैं। कोलार में जो टमाटर की पैदावार के लिए जाना जाता है, 15 किलो के डिब्बे की कीमत 600 रुपये से 850 रुपये के बीच है। होलसेल कीमत 50 से 60 रुपये प्रति किलो है, जबकि कस्टमर 70 से 80 रुपये देते हैं। राज्य के बाहर से भी मांग बढ़ी है, लेकिन मार्केट में आपूर्ति मांग के हिसाब से नहीं है, जिससे कीमतें बढ़ी हैं। दूसरी सब्जियां भी धीरे-धीरे 100 रुपये तक पहुंच रही हैं। उडुपी और कुंडापुर में सहजन की कीमत 750 रुपये प्रति किलो है, जो कुछ दिन पहले 500 रुपये थी। जबकि मेंगलूरु में यह 700 रुपये से 720 रुपये के बीच है। तमिलनाडु सहजन का एक बड़ा उत्पादक है, और व्यापारियों का कहना है कि नया स्टॉक आने तक मौजूदा कीमतें बनी रह सकती हैं। वहां के किसानों ने खेती बढ़ा दी है, लेकिन जनवरी-फरवरी तक कीमतों में थोड़ी कमी आने की उम्मीद है। एक सब्जी व्यापारी ने कहा कि पहले, जब कीमतें कम होती थीं तो व्यापारी बड़ी मात्रा में लाते थे, लेकिन अब, कीमतों में उछाल के बावजूद, सहजन की आपूर्ति कम हो गई है। सब्जियों के रेट फंक्शन और त्योहारों की मौसमी मांग के आधार पर बढ़ते रहते हैं। व्यापारियों का कहना है कि यह पता लगाना मुश्किल है कि कीमतों पर किसका असर पड़ रहा है। एक और सब्जी व्यापारी ने कहा कि लोकल प्रोडक्शन काफी नहीं है, और दूसरे इलाकों से आने वाली सब्जियों की कीमतों में फसल की पैदावार के आधार पर अंतर दिखता है।

बेलगावी सत्र के दौरान असामाजिक ताकतें कर सकती हैं तोड़फोड़

हाई अलर्ट घोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में ऐतिहासिक लाल किले के पास एक कार बम विस्फोट की पृष्ठभूमि में 8 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र के लिए हाई अलर्ट की घोषणा की गई है, जिसमें 13 से अधिक लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने राज्य सरकार को मौखिक रूप से सूचित किया है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ असामाजिक ताकतें स्थिति का फायदा उठा सकती हैं। इससे पहले जब किसान पंजाब और हरियाणा में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तो कुछ असामाजिक ताकतों ने विरोध के बहाने तोड़फोड़ करने के लिए घात लगा लिया था। हाल ही में दिल्ली में वायु प्रदूषण की गुणवत्ता में गिरावट आने के कारण

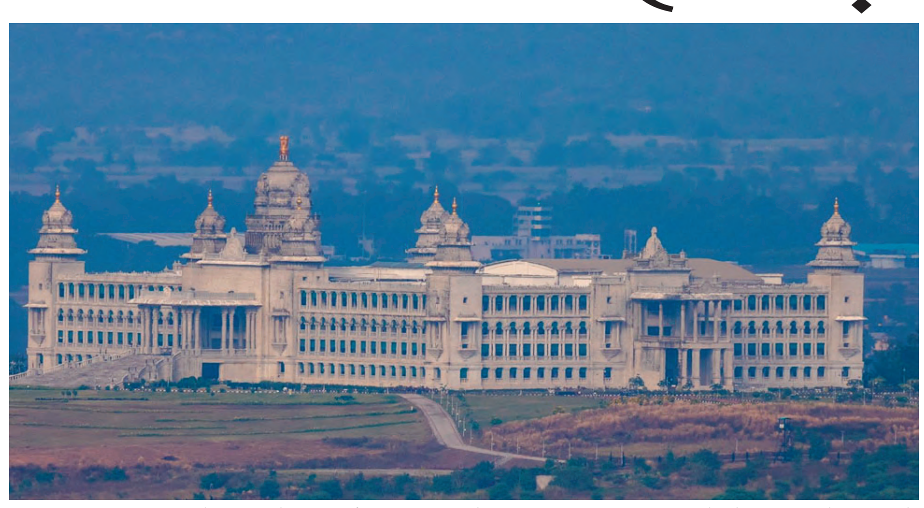

असमाजिक तत्वों ने प्रदर्शनकारियों पर काली मिर्च का स्प्रे किया था। 8 दिसंबर से बेल-गावी के शीतकालीन सत्र में कुछ किसान संगठनों समेत विभिन्न संगठन अपनी मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस मामले में खुफिया विभाग ने कुछ सूचनाओं के आधार पर सरकार को जानकारी दी है कि कुछ लोग इस स्थिति का फायदा उठा सकते हैं। इस प्रकार, बेलगावी के सुवर्णा सौधा में 8 से 19 दिसंबर तक होने वाले शीतकालीन सत्र के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा प्रदान की गई है। दिल्ली के लाल किले के पास कार बम विस्फोट के मद्देनजर बेलगावी शहर की सीमा में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। केंद्रीय खुफिया विभाग से चेतावनी संदेश मिलने के बाद जिला प्रशासन और पुलिस विभाग हाई अलर्ट पर है। सत्र के दौरान 6 से 8 हजार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। सत्र में मंत्रालय कर्मियों सहित 12,000 से अधिक कर्मी भाग लेंगे। सत्र के दौरान सुवर्ण सौधा परिसर में कतारबद्ध विरोध प्रदर्शन होते हैं। इस प्रकार प्रतिदिन 50 हजार लोगों के शामिल होने की संभावना है। ऐसे में कोई अनह-ोनी या हादसा न हो इसके लिए पुलिस ने कड़ी चौकसी बरती है। सुवर्णा विधान सौधा के आसपास 3 किमी के दायरे में कर्फ्यू लागू है। सत्र के लिए सुवर्णा मेथोडिस्ट चर्च में सभी तैयारियां कर ली गई हैं, डीसी मोहम्मद रोशन, पुलिस कमिश्नर भूषण बोरसे, एसपी डॉ. भीमा शंकर गुलेड़ और सीईओ राहुल शिंदे ने तैयारियों का निरीक्षण किया है। सुवर्ण सौधा परिसर में पार्क, ध्वजस्तंभ समेत कई विकास कार्यक्रमों का उद्घाटन भी इसी समय होगा। सीएम, डीसीएम, मंत्रियों, विधायकों और स्टाफ के ठहरने के लिए 3000 कमरे पहले ही आरक्षित कर दिए गए हैं। उधर, जिला प्रशासन ने एमईएस संस्था की ओर से आयोजित होने वाले महामेलाओ कार्यक्रम को अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

लगातार दूसरे दिन इंडिगो की कई फ्लाइट्स हुई रद्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लगातार दूसरे दिन इंडिगो की कई फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। बुधवार को कुल 42 फ्लाइट्स रद्द की गईं, जिसमें 22 आने वाली और 20 जाने वाली शामिल हैं। रद्द की गई सभी उड़ाने घरेलू थीं। दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई, चेन्नई, गोवा, कोलकाता और लखनऊ से आने वाली विमान रद्द कर दी गईं, और मुंबई, दिल्ली, गोवा, हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद जाने वाली विमान पर भी असर पड़ा। इंडिगो ने कहा कि फ्लाइट्स में देरी और कुछ कैंसिलेशन अलग-अलग वजहों से हुई। एयरलाइन ने एक बयान में कहा पिछले कुछ दिनों में टेक्नोलॉजी की दिक्कतों, एयरपोर्ट पर भीड़ और ऑपरेशनल जरूरतों जैसी कई वजहों से हमारी कई फ्लाइट में देरी हुई है और कुछ

रद्द भी हुई हैं। हमारी टीमें यह पक्का करने के लिए पूरी मेहनत से काम कर रही हैं कि ऑपरेशन जल्द से जल्द सामान्य हो जाएं। इसके अलावा, हम प्रभावित कस्टमर को दूसरी फ्लाइट के ऑप्शन या रिफंड दे रहे हैं, जैसा लागू हो। इन दिक्कतों की वजह से हमारे कीमती कस्टमर को हुई परेशानी के लिए हमें अफसोस है। हम यात्रियों से आग्रह करते हैं कि एयरपोर्ट जाने से पहले फ्लाइट का लेटेस्ट स्टेटस चेक कर लें, ताकि होने वाली परेशानी कम से कम हो सके। इससे पहले मंगलवार को इंडिगो की 20 फ्लाइट रद्द कर दी गईं थी।

सिद्धरामैया मुख्यमंत्री पद छोड़ने की कगार पर

यह 30 महीने बाद का है या उससे पहले इसकी कोई जानकारी नहीं: सतीश जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिद्धरामैया मुख्यमंत्री पद छोड़ने की कगार पर हैं। लेकिन यह 30 महीने बाद का है या उससे पहले इसकी कोई जानकारी नहीं है। ऐसा कहकर लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने विस्फोटक जानकारी जारी की है। हस्तांतरण पर असमंजस अभी भी राज्य और देश की जनता के लिए लाख टके का सवाल है। सिद्धरामैया और डी.के.शिवकुमार और कांग्रेस आलाकमान ने रहस्य नहीं छोड़ा और लड़ाई ने जिज्ञासा पैदा कर दी है। उन्होंने यह कहकर और भी गोपनीयता बरकरार रखी है कि हाईकमान जैसा कहेगा वे वैसा ही काम करेंगे। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के सहयोगी सतीश जारकीहोली ने कहा कि नेतृत्व में बदलाव तय है। उन्हें मुख्यमंत्री का पद छोड़ देना चाहिए। जाना भी तय है। लेकिन यह कब होगा यह पता नहीं है। हालांकि, अपने बयान पर सफाई देने की कोशिश कर रहे सतीश जारकीहोली ने कहा कि जहां तक सत्ता के बंटवारे का सवाल है तो सब कुछ हाईकमान के फैसले पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि सीएम और डीसीएम जैसा वरिष्ठों ने कहा है, वैसा ही काम करेंगे। सत्ता किसी के लिए स्थाई नहीं है। सिद्धरामैया का यह बयान नया नहीं है, न ही त्याग की मानसिकता है। 10 बार के मुख्यमंत्री को एक दिन पद छोड़ना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह कब होगा यह सिर्फ वरिष्ठों को ही पता है। हर चीज का सुखद अंत होना चाहिए। विधायक इंतजार कर रहे हैं कि हाईकमान इसका समाधान कैसे निकालेगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यकर्ताओं की राय है कि पार्टी में अच्छा माहौल रहना चाहिए। गृह मंत्री परमेश्वर और मेरी मंगलवार को बैठक हुई। लेकिन इस मौके पर दलित मुख्यमंत्री को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। हमारी मुलाकातें लगातार होती रहती हैं। इस अवधि के लिए दलित को मुख्यमंत्री बनने की अनुमति नहीं है। परमेश्वर वरिष्ठ नेता हैं और मैंने भी बयान दिया है कि उन्हें मौका मिलना चाहिए। नाश्ते के माध्यम से सब कुछ पहले ही तय हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस ही मुद्दे पर बार-बार चर्चा करने से कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। मेंगलूरु के कार्यक्रम में कोई राजनीतिक चर्चा करने का कोई इरादा नहीं है। नारायण गुरु और महात्मा गांधीजी के बीच की बातचीत ऐतिहासिक है और इसीलिए हम इसमें भाग ले रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति पर चर्चा करने का कोई इरादा नहीं है। सतीश जारकीहोली के इस बयान से कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सत्ता नहीं छोड़ेंगे, राजनीति में सनसनी मच गई है। सत्ता बंटवारे की उलझन को सुलझाने और सिद्धरामैया को मुख्यमंत्री बनाए रखने के लिए चल रही रणनीतियों में सिद्धरामैया के रंग में रंगे सतीश जारकीहोली सबसे आगे हैं। सतीश जारकीहोली मंत्री परमेश्वर, एचसी महादेवप्पा, पूर्व मंत्री केएन राजन्ना समेत कई नेताओं के साथ डिनर पार्टी कर सिद्धरामैया के पक्ष में बैटिंग कर रहे थे। सतीश जारकीहोली कई बार कह चुके हैं कि सिद्धरामैया पूर्णकालिक मुख्यमंत्री हैं और बीच में बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं है।

एयरपोर्ट, शॉपिंग मॉल्स को भेजे गए फर्जी ईमेल के लिए अनजान व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर की पुलिस को उनके आधिकारिक पते पर एक मेल मिला जिसमें केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और शहर के कई बड़े शॉपिंग मॉल में कई बम धमाके करने की धमकी दी गई थी, जिसे जांच के बाद एक धोखा बताया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए उस अनजान आदमी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। ईमेल में दावा किया गया था कि यह जैश-ए-मोहम्मद व्हाइट कॉलर टेरर टीम की तरफ से एक चेतावनी थी और इसमें शाम 7 बजे से केआईए, ओरियन मॉल, लुलु मॉल, फोरम साउथ मॉल और मंत्री स्क्वायर मॉल में धमाके करने की धमकी दी गई थी। ईमेल भेजने वाले आदमी ने एक मोबाइल नंबर भी दिया था और अधिकारियों से कहा था कि अगर वे पे करना चाहते हैं और ऐसा नहीं होने देना चाहते हैं तो कॉल करें। पुलिस ने बताई गई जगहों पर एसओपी ड्रिल करके यह नतीजा निकाला कि यह एक धोखा था। पुलिस को शक है कि मेल के कंटेंट को देखकर, आरोपी शरारत करने और किसी को फंसाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने आईपी एड्रेस के जरिए आरोपी को ट्रैक करने के लिए जांच तेज कर दी है।

7 महीने बाद द्रुंग वाटरफाल फिर से खुला, टंगमर्ग राइडर्स की रोजी-रोटी में मदद मिली

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रख्यात द्रुंग वाटरफाल की जमी हुई खूबसूरती ने एक बार फिर टूरिस्टों को अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया है, जिससे टंगमर्ग में एटीवी राइडर्स को छह महीने से ज्घ्यादा समय से हो रही मुश्किल से कुछ राहत मिली है।टंगमर्ग के पास सर्दियों में घूमने की एक खास जगह, मशहूर द्रुंग वाटरफाल, 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के उपरांत सुरक्षा कारणों से सात महीने तक बंद रहने के बाद पिछले सोमवार को फिर से खुल गया। इसके फिर से खुलने से लोकल एटीवी राइडर्स में उम्मीद जगी है, जिनकी रोजी-रोटी काफी हद तक इस खूबसूरत जगह पर आने वाले टूरिस्ट पर निर्भर करती है।

पत्रकारों से बात करते हुए, एटीवी राइडर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट, मोहम्मद सुभान मीर ने थोड़ी उम्मीद जताई। उन्होंने माना कि हालांकि टूरिस्ट की संख्या अभी पूरी तरह से नहीं बढ़ी है, लेकिन आने वाले हफ्तों में आने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि अभी, 87 में से लगभग 25-30 एटीवी रोजाना चल रही हैं, जो एडवेंचर पसंद करने वाले टूरिस्ट को 14 किमी की रोमांचक राइड पर ले जाती हैं, जो द्रुंग वाटरफाल के शानदार जमे हुए झरनों तक ले जाती हैं।

मीर ने बताया कि आपरेटरों को मुश्किलें झेलनी पड़ीं, और कहा कि हम सब अकेले हैं, और उधार वगैरह लेकर गुजारा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे राइडर्स ने बंद के समय में मुश्किलें झेलीं, लोन और कम मौकों के सहारे गुजारा किया। फिर से खुलने से टंगमर्ग की टूरिज्म पर निर्भर इकानमी को सपोर्ट मिला है, जहां लोकल लोगों की रोजी-रोटी ऐसी जगहों पर टिकी है।

इस बीच, द्रुंग वाटरफाल को देखने टूरिस्ट धीरे-धीरे आने लगे हैं, और साइट के जमे हुए झरनों और शांत सर्दियों के आकर्षण की तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों ने जमे हुए झरने की सुंदरता और आस-पास की शांति की तारीफ की, और अपने अनुभवों को रोमांचक और ताजा करने वाला बताया।

लोकल गाइड और राइडर्स ने यात्रियों से बिना किसी डर के कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता देखने की अपील की, और बेहतर सुरक्षा इंतज़ामों का हवाला दिया जो सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करते हैं। लोगों ने उम्मीद जताई कि द्रुंग वाटरफाल के फिर से खुलने से न सिर्फ एक जरूरी टूरिज्म हाटस्पाट फिर से शुरू होगा, बल्कि लोकल इकानमी में भी जान आएगी, जिससे एटीवी राइडर्स और टूरिज्घ्म से चलने वाली इस रोजी-रोटी पर निर्भर दूसरे लोगों को उम्मीद और स्थिरता मिलेगी।

सर्दी आते ही कश्मीर में करीब 500 मेगावाट बिजली की कमी

जम्मू,3 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में सर्दियों की शुरूआत के साथ ही कश्मीरियों को बिजली की कमी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट को कश्मीर घाटी में 'असली बिजली की मांग को पूरा करने के लिए करीब 500 मेगावाट की कमी' का सामना करना पड़ रहा है, जिससे लोगों को लंबे समय तक ब्लैकआउट का सामना करना पड़ रहा है।

एक अधिकारी ने इसक पुष्टि करते हुए कहा कि कश्मीर में असल पीक पावर डिमांड कम से कम 2400 मेगावाट है, लेकिन लोकल डिस्कॉम (कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड इस साल अब तक सिर्फ 1900 मेगावाट ही सप्लाई कर पाया है।

वे कहते थे कि इस रविवार यानि 30 नवम्बर को हम सीजन का सबसे ज्यादा लोड कम से कम 1906 मेगावाट सप्लाई कर पाए। हम ज्घ्यादा से ज्यादा 2000 मेगावाट सप्लाई कर पाएंगे।

नए पावर कट शेड्यूल के बारे में पूछने पर, विभाग का कहना था कि अभी किसी नए पावर कट शेड्यूल का कोई प्लान नहीं है। हमारा टारगेट बेहतर और बिना रुकावट पावर सप्लाई देना है।

वे कहते थे कि हमें नार्थ और साउथ कश्मीर के लिए कुछ रिसीविंग स्टेशन मिलने की उम्मीद है, हमें उम्मीद है कि वे जल्द ही चालू हो जाएंगे ताकि कुछ दिक्कतें दूर हो जाएं और हम बेहतर पावर सप्लाई दे पाएं।

बिजली कटौती के बारे में, अधिकारी ने बताया कि पावर कट मुख्य रूप से बिना इजाजत के इस्तेमाल की वजह से हो रहे हैं। बिजली की। ज्यादातर फलैट रेट वाले इलाकों में लोग बिजली का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं और यही पावर ट्रिपिंग का एक मुख्य कारण है। अभी कश्मीर के 60 परसेंट इलाके फ्लैट रेट वाले हैं।

गौरतलब है कि नवंबर के तीसरे हफ्ते में, यह बताया गया था कि कश्मीर में पीक पावर डिमांड 1900 मेगावाट के निशान को पार कर गई है, जबकि लोकल प्लांट से पावर जेनरेशन लगभग 75 परसेंट कम हो गया है।

अधिकारियों ने बताया था कि कश्मीर डिवीजन में 1925 मेगावाट का पीक पावर लोड था। हालांकि, 24 घंटे के दौरान एवरेज 1566 मेगावाट का पावर लोड था। जिसके अब यूं यूं सर्दी बढ़ रही है, बढ़ने की आशंका है।इससे पहले, विभाग ने बताया था कि सेंटर से 800 मेगावाट और दिए गए हैं। इस साल से, हमारे पास सेंट्रल पूल से 1300 मेगावाट है। हमने दूसरे राज्यों के साथ बैंकिंग शुरू कर दी है।

अधिक से अधिक जनता के बीच रहें प्रशिक्षु अफसर : संजय प्रसाद

प्रशिक्षु अधिकारी पुलिस की छवि बेहतर बनाने में कोई कसर न छोडे- प्रमुख सचिव गृह

प्रमुख सचिव गृह से मिले भारतीय पुलिस सेवा के 23 अधिकारी

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। प्रदेश सरकार जीरो टालरेंस नीति पर लगातार कार्य कर रही है जिससे आमजन में पुलिस की छवि और अधिक बेहतर हुई है। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में आम जनता के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करे। जनता की समस्याओं का निस्तारण पारदर्शिता से कराये। आईपीएस अधिकारियो को अपने तैनाती स्थल पर छोटी-छोटी घटनाओं को भी गंभीरता से लेना चाहिए।प्रमुख सचिव गृह लोकभवन स्थित कार्यालय कक्ष के सभागार मे यूपी कैडर के 77 वे आरआर के 23 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों से भेट कर रहे थे। उन्होंने कहा प्रशिक्षु अधिकारी अपनी बेहतर कार्य शैली एवं जन संवाद के माध्यम से आमजन नागरिकों में बेहतर छवि बनाने में कोई कसर न छोड़े। संजय प्रसाद ने प्रशिक्षु आईपीएस अफसरों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप सभी जन आकांक्षाओं की कसौटी पर भविष्य में खरा उतरे और पूर्ण मनोयोग से अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते हुए अधिक से अधिक जनता का विश्वास प्राप्त करे। प्रशिक्षु आईपीएस आधिकारी जनसुनवाई हेतु निर्धारित समय पर कार्यालय में बैठे और समस्याओं का निस्तारण कराये। जनसुनवाई के दौरान आगन्तुकों से विनम्र व्यवहार करे।

प्रमुख सचिव गृह से मिलने आये प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी अभय राजेन्द्र, अंजना दहिया, अंकित बंसल, बजरंग प्रसाद, दिक्शा भोरिया, दिनेश गोदारा, ईश्वर लाल गुज्जर, सुमेधा मिलिंद, जयबिन्द कुमार गुप्ता, कनिष्क आर जामकर, मानशी, मो आफताब आलम, प्रदीप कुमार, प्रेमसुख दरिया, एस दीप्ती चैहान, समयक चौधरी, संचित शर्मा, सारिका चैधरी, श्लोक गौतम, सृष्टि जैन, शुभम जैन, सिमरन सिंह व विनय कुमार यादव है। इस मौके पर एडीजी प्रशिक्षण बीडी पालसन तथा विशेष सचिव गृह राकेश कुमार मालपानी, महेन्द्र व मंजूलता सिंह के साथ अधिकारी उपस्थित रहे।

हिमाचल के भ्रष्ट ड्रग कंट्रोलर की 2.58 करोड़ की संपत्ति ईडी ने की कुर्क

शिमला, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हिमाचल प्रदेश के पूर्व सहायक औषधि नियंत्रक निशांत सरीन और उनकी सहयोगी कोमल खन्ना के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दोनों की कुल 2.58 करोड़ रुपए की दो अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया। इनमें हरियाणा के पंचकूला में एक लग्जरी फ्लैट और शिमला में एक घर शामिल है। निशांत सरीन पर आरोप है कि उन्होंने नाहन, बद्दी और सोलन में ड्रग इंस्पेक्टर व असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर के पद पर रहते हुए दवा कंपनियों से लाखों रुपए की रिश्वत ली। वे फार्मा कंपनियों को धमकाते थे और कहते थे कि अगर पैसा नहीं दिया तो उनकी फैक्ट्री सील कर देंगे या लाइसेंस रद्द कर देंगे। इसी डर से कई कंपनियों को कोमल खन्ना की दो फर्मों जेनिया फार्मास्यूटिकल्स और निया फार्मा के साथ घाटे का सौदा करने को मजबूर होना पड़ा।

ईडी की जांच में पता चला कि रिश्वत के इन पैसों को कोमल खन्ना और निशांत सरीन के परिवार वालों के नाम पर फ्लैट, घर, बैंक में एफडी और गहनों-गाड़ियों में लगाया गया।

महिलाओं का सशक्तिकरण बना राष्ट्रीय मिशन

जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो राष्ट्र का उत्थान होता है : अन्नपूर्णा

सशक्त महिलाओं को केंद्र में रखे बगैर 2047 तक विकसित भारत का विजन अधूरा

लखनऊ /नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो राष्ट्र का उत्थान होता है। समानता और न्याय के मूल्यों पर आधारित समाज में, महिला की गरिमा से कतई समझौता नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए हमारे समग्र कार्यक्रम मिशन शक्ति- के ज़रिए इसे संस्थागत ढांचे में बदलकर इस विश्वास को फिर से मजबूत किया है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही कहा है, हमारी सरकार महिलाओं के लिए 'सम्मान' और 'सुविधा' को सबसे ज़्यादा महत्व देती है।'' ये मार्गदर्शक शब्द केवल भावनाएँ मात्र नहीं, अपितु वह नींव हैं, जिस पर मोदी सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए मिशन शक्ति के तहत भारत के कोने-कोने में मज़बूत संस्थागत तंत्र स्थापित किए हैं। इस प्रयास के केंद्र में मिशन शक्ति की संबल'' उप-योजना के तहत चलने वाले वन स्टॉप सेंटर ओएससी हैं। 2015 में शुरू हुए ये केंद्र हिंसा की शिकार महिलाओं को एकीकृत सहायता तंत्र प्रदान करते हैं ताकि उन्हें खामोश रहकर पीड़ा न सहनी पड़े और न ही बिखरी हुई सहायता प्रणालियों के बीच भटकना पड़े। आज तक पूरे भारत में 862 ओएससी चल रहे हैं, जिनसे 12.20 लाख से ज़्यादा महिलाओं को एक ही छत के नीचे कानूनी मदद, चिकित्सा सहायता, पुलिस की मदद, आश्रय और मनोवैज्ञानिक परामर्श जैसी एकीकृत मदद मिली है।डर से आज़ादी तक, खामोशी से सहायता तक - ओएससी ऐसे स्थान हैं जहाँ से घाव भरने की शुरूआत होती है। ये केंद्र प्रतिक्रियात्मक शासन से आगे बढ़कर सक्रिय शासन का रुख करते हैं। चाहे किसी महिला को अपने घर, कार्यस्थल या सार्वजनिक स्थान पर हिंसा का सामना करना पड़े, ओएससी उसके पुनर्वास, गरिमा और न्याय दिलाने में मदद करने के मोदी सरकार के संकल्प का प्रमाण हैं। ये केंद्र अस्पतालों के भीतर या उनके पास स्थापित किए गए हैं ताकि तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके जो मुश्किल समय में पहला ज़रूरी कदम है। महिला हेल्पलाइन नम्बर 181 का सार्वभौमीकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जो संकट से घिरी महिलाओं के लिए चौबीसों घंटे मदद सुनिश्चित करके ओएससी का पूरक बनता है। 35 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में संचालित यह हेल्पलाइन अब तक 2.56 करोड़ से अधिक कॉल संभाल चुकी है और 93.48 लाख से अधिक महिलाओं की मदद कर चुकी है 30 सितंबर तक। आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली ईआरएसएस-112 से एकीकृत यह हेल्पलाइन संकट और राहत के बीच की दूरी को पाटती है।व्यवस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने और तेजी से न्याय पहुंचाने के लिए, हमने 745 फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय स्थापित किए हैं, जिनमें से 404 विशेष पॉक्सो न्यायालय हैं। इन न्यायालयों ने यह सुनिश्चित करते हुए कि न्याय में देरी का मतलब न्याय से इनकार नहीं है, अब तक 3.06 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है। सुनाया गया प्रत्येक फ़ैसला, बहाल किया गया प्रत्येक अधिकार न्यायपूर्ण और लैंगिक समानता वाले भारत की ओर उठाया गया एक कदम है। न्याय मिलना अब प्रक्रियात्मक देरी के कारण बाधित नहीं होता, और प्रत्येक सर्वाइवर समय पर राहत की उम्मीद कर सकता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हम पुलिस स्टेशनों पर 14,658 महिला हेल्प डेस्क डब्ल्यूएचडी के साथ ज़मीनी स्तर को मज़बूत कर रहे हैं, जिनमें से 13,700 से ज़्यादा की कमान महिलाएँ संभाल रही हैं। ये डेस्क सर्वाइवर्स में अपराधों की रिपोर्ट करने का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, जिन्हें महिलाओं से संबंधित मुद्दों के प्रति संवेदनशील प्रशिक्षित कार्मिकों की सहायता मिलती है। महिला अधिकारियों की मौजूदगी आत्मविश्वास बढ़ाती है, संस्थागत संवेदनशीलता और जवाबदेही को मज़बूत करती है।हम 807 एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स एएचटीयू के ज़रिए मानव तस्करी से भी निपट रहे हैं। निर्भया कोष के तहत रेलवे और सड़क परिवहन सेवाओं में आपातकालीन निगरानी प्रणालियों की स्थापना के जरिए सुरक्षित गतिशीलता सुनिश्चित कर रहे हैं। ये कदम कि महिलाओं का सुरक्षित रूप से यात्रा करना, निडर होकर काम करना, सार्वजनिक एवं निजी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति करना सुनिश्चित करते हैं।यह एकीकृत दृष्टिकोण सिर्फ़ प्रतिक्रिया तक ही सीमित नहीं है बल्कि रोकथाम, पुनर्वास और सशक्तिकरण तक व्याप्त है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बीबीबीपी जैसी पहलों के ज़रिए, हम सोच बदल रहे हैं और सम्मान, बराबरी और अवसर के मूल्य स्थापित कर रहे हैं। पीएमएमवीवाई और सखी निवास के ज़रिए, हम ऐसी व्यवस्थाएं बना रहे हैं, जो महिलाओं को सिर्फ़ सर्वाइवर के तौर पर ही नहीं, बल्कि देश की प्रगति में हितधारकों के तौर पर भी महत्व देती हैं। हमारे सखी निवास हॉस्टल, जिनमें से कई शहरी प्रत्येक और अर्ध-शहरी इलाकों में हैं, 26,000 से ज़्यादा कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित और किफायती रहने की जगह दे रहे हैं जिससे वे बिना किसी डर के अपने सपने पूरे कर सकती हैं।

एकीकरण, समन्वय और सामुदायिक स्वामित्व पर आधारित है। हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ़ विमेन की शुरुआत के साथ हमने स्थानीय क्रियान्वयन में रणनीतिक परत जोड़ी है, जिससे महिलाएँ एक प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से कई योजनाओं का लाभ ले सकती हैं। स्थानीय स्तर पर सशक्तिकरण और समन्वय के केंद्र के रूप में कार्य करने वाले इन केंद्रों के ज़रिए 27 लाख से ज़्यादा महिलाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। महिलाओं के खिलाफ हिंसा केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, यह एक राष्ट्रीय सरोकार है। प्रत्येक निर्मित ओएससी, प्रत्येक हेल्पलाइन कॉल जिसका उत्तर दिया गया, और निपटाया गया प्रत्येक मामला, ऐसा भारत बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहाँ प्रत्येक महिला गरिमा, सुरक्षा और गर्व के साथ जीवन जी सके।जैसे जैसे हम अमृत काल में भारत की प्रगति और बदलाव के स्वर्णिम दौर में कदम रख रहे हैं, महिलाओं का सशक्तिकरण सिर्फ़ एक लक्ष्य नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन बन चुका है। सशक्त महिलाओं को केंद्र में रखे बगैर 2047 तक विकसित भारत बनाने का विज़न अधूरा है।नारी शक्ति कोई नारा नहीं है यह हमारी रणनीति है, हमारी ताकत है, हमारा भविष्य है।

व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के छात्र बन गए हैं राजनाथ सिंह : कांग्रेस

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और बाबरी मस्जिद पर दिए बयान के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने बुधवार को राजनाथ सिंह पर तंज कसा और राजनाथ के दावे को व्हाट्सएप ज्ञान बताया। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बयान में दावा किया था कि नेहरू बाबरी मस्जिद के लिए पब्लिक फंड का इस्तेमाल करना चाहते थे। इस पर कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा, पहले राजनाथ सिंह किताबें पढ़ते थे, लेकिन अब मुझे लगता है कि वह 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' के स्टूडेंट बन गए हैं। बाबरी मस्जिद पहले से ही वहां थी, तो उसे वहां लाने की बात करके कौन बेवकूफी कर रहा है? सीजेआई सूर्यकांत के घुसपैठियों पर दिए बयान पर सुरेंद्र राजपूत ने कहा, घुसपैठियों का रेड कार्पेट वेलकम करना तो भूल ही जाइए, उन्हें या तो जेल में होना चाहिए या उनके अपने देश वापस भेज देना चाहिए। घुसपैठियों को किसी भी हालत में भारत में रहने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। इस पर कोई दो राय नहीं हो सकती। सीजेआई सूर्यकांत को भारतीय जनता पार्टी, पीएम मोदी और अमित शाह से जरूर पूछना चाहिए कि उन्होंने पिछले 10 साल में कितने घुसपैठियों को वापस भेजा है।जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रमुख मौलाना महमूद मदनी के कांग्रेस पार्टी पर दिए हालिया बयान में उन्होंने कहा, हम महमूद मदनी को यह साफ कर देना चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी पूरे देश से जुड़े मुद्दे उठाती है। यह गरीबों, युवाओं, किसानों, दलितों और दूसरों के मुद्दे उठाती है। चाहे वह दलितों, मुसलमानों या समाज के किसी दूसरे तबके के साथ हो, चाहे वह महिलाओं या किसी दूसरे ग्रुप से जुड़ा हो। कांग्रेस हमेशा अन्याय के खिलाफ खड़ी है और गरीबों, पिछड़ों, दबे-कुचले लोगों और पीड़ितों का साथ देती है। हम अपने स्टैंड से पीछे नहीं हटते। जहां तक महमूद मदनी की बात है, तो वह हमारे लिए कोई खास मायने नहीं रखता।तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा हिंदू देवताओं की अधिक संख्या पर दिए बयान को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, सनातन धर्म से साफ है कि 'हरि अनंत, हरि अनंता।' हमारे 33 करोड़ देवी-देवता हैं। सनातन धर्म समृद्ध है और किसी एक किताब पर आधारित नहीं है। कोई धर्म माने या न माने, सभी को सनातनी माना जाता है। रेवंत रेड्डी के बयान को आलोचनात्मक नजरिए से देखा जाना चाहिए।उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा में एसआईआर पर चर्चा को लेकर कहा, पार्टी मीटिंग में एक बात कहना और फिर हाउस में कुछ और कहना सही तरीका नहीं है। अगर आज यह सही तरीका नहीं है तो डेमोक्रेसी का तरीका क्या है? रूलिंग पार्टी को यह समझाना चाहिए। क्या रूलिंग पार्टी डेमोक्रेसी को डंडे से चलाना चाहती है? क्या रूलिंग पार्टी बहुमत के घमंड में पार्लियामेंट पर हावी होना चाहती है?

'केवल 1 फीसदी किसानों को होगा लाभ', भाजपा सांसद ने अपने ही सीएम को लिखा लेटर, कहा- पुरानी व्यवस्था लागू करें

रायपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नई कलेक्टर गाइडलाइंस को लेकर विरोध हो रहा है। किसानों और कारोबारियों के विरोध के बीच बीजेपी सांसद ने भी सरकार को लेटर लिखा है। बीजेपी सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लेटर लिखकर फैसले को स्थगित करने की मांग की है। उन्होंने लिखा कि नई कलेक्टर गाइडलाइंस के कारण जमीन की खीद फरोख्त पूरी तरह से ठप हो जाएगी।बृजमोहन अग्रवाल के लेटर के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने जो अपने लेटर में लिखी है वही बात आज छत्तीसगढ़ का हर आदमी कह रहा है लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि नई गाइडलाइन से भूमि अधिग्रहण में ज्यादा मुआवजा मिलने की बात भ्रामक है। इससे केवल 1 फीसदी किसानों को फायदा होगा, जबकि 99 फीसदी जनता पर आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने अपने लेटर में लिखा है कि नई गाइडलाइन को स्थगित कर तत्काल प्रभाव से पुरानी गाइडलाइन बहाल करनी चाहिए। हालांकि उनकी मांग पर बीजेपी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।बृजमोहन अग्रवाल ने कहा- छत्तीसगढ़ में जमीन खरीदी बिक्री के लिए अचानक बढ़ी कलेक्टर गाइडलाइन दरों का किसान, व्यापारी, मध्यम वर्ग और आम नागरिकों पर भारी असर पड़ रहा है। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि, इस वृद्धि को स्थगित कर पुरानी दरें बहाल की जाएं।

उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि, मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ की जनता के हितों को प्राथमिकता देते हुए इस विषय को गंभीरता से संज्ञान में लेंगे और संबंधित अधिकारियों को उचित निर्णय हेतु निर्देशित करेंगे।बता दें कि छत्तीसगढ़ में 20 नवंबर को नई कलेक्टर गाइडलाइंस को लागू किया गया है। जिसके बाद से जमीन के दामों में 5 से 9 गुना तक की वृद्धि हो गई है। बृजमोहन अग्रवाल ने अपने लेटर में लिखा है कि इसे स्थगित कर कमेटी का गठन किया जाए और आम लोगों को राहत दी जाए।

शारीरिक बनावट नहीं करती है क्षमता का निर्धारण : योगी

दिव्यांगों हम थोड़ा सा संबल दें तो आ सकते हैं बहुत अच्छे परिणाम

लखनऊ,03 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विश्व दिव्यांग दिवस 2025 के अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर बल दिया कि शारीरिक बनावट क्षमता के निर्धारण और लक्ष्यों की प्राप्ति में बाधा नहीं बनती है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दिव्यांगजन सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति वितरण, सहायक उपकरण प्रदान करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के सम्मान के लिए आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कहा कि इंडिया की ऋषि परंपरा ने हमेशा हमें इस बात के लिए प्रेरित किया है कि व्यक्ति की शारीरिक बनावट उसकी क्षमता का निर्धारण नहीं करती है।भारतीय मनीषा का मानना है कि वास्तविक शक्ति मन, संकल्प और आत्मबल में है। इंडिया ही नहीं, पूरी दुनिया ने उस संकल्प शक्ति को, आत्मबल को वास्तविक व्यावहारिक जीवन में दिव्यांगजन के सामर्थ्य से उद्घाटित होते हुए देखा है। आज देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती है। उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हमारे यहां एक ग्रंथ है अष्टावक्र गीता जिसे ऋषि अष्टावक्र ने रचा था। उनके बारे में अनेक धारणाएं हैं और कहते हैं कि विदेह जनक को भी आत्मज्ञान की प्रेरणा उन्होंने दी। मध्यकाल में संत सूरदास इसके उदाहरण हैं. दुनिया में भी अनेक ऐसे उदाहरण हैं जहां दिव्यांगजनों को थोड़ा भी संबल मिला तो उन्होंने अपने सामर्थ्य और अपनी शक्ति से समाज के लिए वह सब कुछ कर दिखाया

जिस पर सामान्य जन को सहज विश्वास भी नहीं होता है। दिव्यांगजन के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, वे एक प्लेटफॉर्म के रूप में आपके लिए अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं। अगर किसी के परिवार में जाने-अनजाने या किसी गलती के कारण कोई बच्चा दिव्यांगता का शिकार होता है तो स्वाभाविक रूप से परिवार और समाज उसे उपेक्षित कर देता हैं। परिणाम होता है कि बचपन में ध्यान न दिए जाने तथा संबल न मिलने के कारण उपेक्षा जीवन भर उसके मन को कुंठित करती है। वह स्वयं को लाचार स्थिति में देखता है, जबकि यदि हम थोड़ा सा संबल दें तो बहुत अच्छे परिणाम सामने आ सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में हमारे खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव स्वयं पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं तथा उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पैरा ओलंपिक में सर्वाधिक मेडल जीते। चित्रकूट के मंडलायुक्त दृष्टिबाधित हैं, लेकिन मंडलायुक्त के रूप में वहां अपनी पूरी क्षमता से कार्य कर रहे हैं। यह संकेत है कि हमारी संकल्प शक्ति और आत्मबल ही हमारे सामर्थ्य का वास्तविक पैमाना है। हर व्यक्ति ईश्वरीय कृति है और मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचनाओं में से एक है। यदि हम हर मनुष्य के भीतर ईश्वर का वास मानकर उसके प्रति सद्भाव और सहानुभूति रखें तथा थोड़ा सा संबल दें, तो उपेक्षा के भाव से उसे बाहर निकालकर समाज और राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। दिव्यांगजन की सामर्थ्य और उनकी प्रतिभा से समाज को लाभान्वित किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पेंशन की राशि को 300 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए कर दिया है। लाभार्थियों की संख्या भी 8 लाख से बढ़ाकर 11 लाख से अधिक कर दी गई है और तकनीक के उपयोग से पारदर्शी व सरल प्रक्रिया के जरिए उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है।दिव्यांगजन के लिए अच्छे संस्थान स्थापित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजन कल्याण को 2014 के बाद नई गति मिली है। पहले व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, ब्लाइंड स्टिक और हियरिंग एड प्राप्त करना अत्यंत कठिन था, परंतु एलिम्को, कानपुर और डीडीआरसी को सक्रिय कर स्थिति में सुधार किया गया। डीडीआरसी को पुनर्जीवित किया जा रहा है तथा प्रत्येक कमिश्नरी मुख्यालय पर नए केंद्र स्थापित किए जा रहे है।प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए शब्द दिव्यांग ने सम्मान की नई भाषा और नई सोच को देश में स्थापित किया है। सरकारी भवनों, परिवहन और सार्वजनिक स्थलों को बैरियर फ्री बनाया जा रहा है तथा विद्यालयों को सुलभ बनाने का अभियान जारी है।ब्रेल लिपि, साइन लैंग्वेज, रैम्प, छात्रवृत्ति, निःशुल्क प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार के साथ ही सरकारी सेवाओं में 4 प्रतिशत तथा शिक्षण संस्थानों में 5 प्रतिशत आरक्षण लागू है। प्रदेश में यूडीआईडी कार्ड के 16,23,000 से अधिक कार्ड निर्गत किए गए हैं और 19,74,000 से अधिक पंजीकृत हैं।कुष्ठावस्था पेंशन को 2,500 रुपए से बढ़ाकर 3,000 रुपए किया गया है तथा कृत्रिम अंगों हेतु अनुदान 10,000 रुपए से बढ़ाकर 15,000 रुपए किया गया है। स्मार्टफोन, टैबलेट और डेज़ी प्लेयर जैसी आधुनिक सहायक सामग्रियों के लिए भी धन उपलब्ध कराया गया है।अब तक 3,84,000 से अधिक कृत्रिम उपकरण वितरित किए जा चुके हैं।शल्य चिकित्सा अनुदान 8,000 रुपए से बढ़ाकर 10,000 रुपए किया गया है।

मेजर जनरल मनीष कुकरेती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात

लखनऊ,03 दिसंबर (एजेंसियां)। मेजर जनरल मनीष कुकरेती ने मध्य उत्तर प्रदेश सब एरिया (मुप्सा) की कमान संभालने के बाद बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बातचीत के दौरान, मेजर जनरल कुकरेती ने अनुभवी सैनिकों, वीर नारियों (वॉर विडोज) और उनके परिवारों की भलाई के लिए मुप्सा के कामों पर जोर दिया।

इसके साथ ही उन्होंने अच्छे प्रशासनिक और ऑपरेशनल सपोर्ट देने के मकसद से कई कोशिशों पर भी जोर दिया। मेजर जनरल ने मुख्यमंत्री को मुप्सा की प्राथमिकता के बारे में भी बताया। इसके अलावा, उन्होंने मिलिट्री और सिविल एडमिनिस्ट्रेशन के बीच साझेदारी को मजबूत करने वाली रणनीतिक कोशिशों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की, जिससे इस साझेदारी को और मजबूती मिल सके।

वहीं, इस बातचीत को उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक सेवा कार्यालय को बेहतर बनाने के लिए एक साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करने में एक अहम पल के तौर पर देखा जा रहा है, साथ ही उन लोगों के लिए भी अच्छा होगा, जिन्होंने इस देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया है। मेजर जनरल कुकरेती और मुख्यमंत्री योगी की बातचीत सेना की जरूरतों और राज्य के शासन के बीच के अंतर को कम करने के लिए एक सक्रिय नजरिए को दिखाती है, जिसका मकसद एक ऐसा कोऑपरेटिव भविष्य बनाना है।बता दें कि सोमवार को मध्य उत्तर प्रदेश सब एरिया (मुप्सा) की कमान मेजर जनरल मनीष कुकरेती ने संभाली थी। वह जनरल ऑफिसर इन कमांड (जीओसी) बने हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद ही उन्होंने छावनी स्थित स्मृतिका स्मारक में शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर उनकी जांबाजी को नमन किया था।

मेजर जनरल मनीष कुकरेती पूर्व में जाट रेजिमेंटल सेंटर, बरेली के कमांडेंट के रूप में कार्यरत थे।

उनके पास व्यापक परिचालन अनुभव, प्रशासनिक समझ और सैनिक हितों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता है, जो सब एरिया के कार्यों में नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने सभी अधिकारियों, जूनियर नेताओं और जवानों को एकजुट होकर सब एरिया को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया था।

रालोद कार्यालय में मनाई गई डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती

सत्य, सादगी, राष्ट्रनिष्ठा और समर्पण की प्रतिमूर्ति थे डॉ राजेंद्र प्रसाद-रामाशीष

लखनऊ,03 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में भारत के प्रथम राष्ट्रपति और महान स्वतंत्रता सेनानी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सत्य, सादगी, राष्ट्रनिष्ठा और समर्पण की प्रतिमूर्ति थे। देश के निर्माण में उनकी भूमिका अतुलनीय रही है। हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र के विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए कार्य करना चाहिए।राष्ट्रीय सचिव विजय श्रीवास्तव ने संबोधित करते हुए कहा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कभी पद को नहीं, कर्तव्य को प्राथमिकता दी। आज के युवाओं को चाहिए कि वे उनके आदर्शों को अपनाएँ और समाज में सेवा, ईमानदारी और एकता का संदेश फैलाएँ। प्रदेश म इस अवसर पर प्रदेश महासचिव रमावती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, अंकुर सक्सेना आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

19 साल के देवव्रत महेश ने 50 दिनों में पूरा किया दो हजार मंत्रों का दण्डकर्म पारायणम्, पीएम मोदी ने की तारीफ

वाराणसी,03 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के 19 साल के देवव्रत महेश रेखे ने वाराणसी के वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय में 50 दिनों में शुक्ल यजुर्वेद के 2000 मंत्रों का दंडकर्म पारायणम् पूरा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अनोखी उपलब्धि की प्रशंसा की। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर के निवासी वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे ने दो अक्टूबर से 30 नवंबर तक दंडकर्म पारायणम् किया। यह काम 200 साल में पहली बार काशी में हुआ। 200 साल पहले महाराष्ट्र के नासिक में दंडकर्म पारायण वेदमूर्ति नारायण शास्त्री देव ने किया था। देवव्रत महेश रेखे ने आईएएनएस से विशेष बातचीत में कहा कि पीएम मोदी ने तारीफ की है। यह सौभाग्य की बात है। यह मेरी विद्या का गौरव है। मैं महाराष्ट्र प्रांत से वाराणसी आया हूं। वेदों में लोगों की रुचि बढ़ाने के लिए हमने पूरी कोशिश की है, और अभी तो बस शुरुआत हुई है। मकसद वेदों में दिलचस्पी बढ़ाना और सीखते रहना और ज्ञान में बढ़ोतरी करना है। उम्मीद है कि लोग मुझसे भी बेहतर पाठ करेंगे। यह पूरी तरह से गुरु की कृपा से संभव हो पाया है। मेरी लोगों से अपील है कि गुरुओं की सेवा, भगवान की आराधना और वेद पर निष्ठा रखें। ऐसा करने से जो आपने कभी कल्पना नहीं की है

वह भी प्राप्त हो जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दी हैं और प्रदेश से पुरस्कार दिए जाने की बात कही।देवव्रत के पिता महेश चंद्रकांत रेखे ने आईएएनएस से कहा कि मेरे बेटे और शिष्य ने पूरी वैदिक साधना पूरी कर ली है। उसने शुक्ल यजुर्वेद, माध्यंदिन शाखा की पढ़ाई की है। आम तौर पर, इस पढ़ाई में कम से कम 12 से 15 साल लगते हैं, लेकिन उसने इसे सिर्फ 8 या 9 साल में पूरा कर लिया। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि सनातन धर्म की पताका लहराने के लिए वह जाने जाते हैं। उन्होंने काशी का विकास किया है, उसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

महेश रेखे की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशंसा की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ''19 वर्ष के देवव्रत महेश रेखे जी ने जो उपलब्धि हासिल की है, वो जानकर मन प्रफुल्लित हो गया है। उनकी ये सफलता हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्रेरणा बनने वाली है।''पीएम मोदी ने पोस्ट में आगे लिखा कि भारतीय संस्कृति में आस्था रखने वाले हर एक व्यक्ति को ये जानकर अच्छा लगेगा कि देवव्रत ने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा के 2000 मंत्रों वाले 'दंडकर्म पारायणम्' को 50 दिनों तक बिना किसी अवरोध के पूर्ण किया है। इसमें अनेक वैदिक ऋचाएं और पवित्रतम शब्द उल्लेखित हैं, जिन्हें उन्होंने पूर्ण शुद्धता के साथ उच्चारित किया। ये उपलब्धि हमारी गुरु परंपरा का सबसे उत्तम रूप है।

उन्होंने कहा कि काशी से सांसद के रूप में, मुझे इस बात का गर्व है कि उनकी यह अद्भुत साधना इसी पवित्र धरती पर संपन्न हुई। उनके परिवार, संतों, मुनियों, विद्वानों और देशभर की उन सभी संस्थाओं को मेरा प्रणाम, जिन्होंने इस तपस्या में उन्हें सहयोग दिया।

योगी सरकार निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध : सिंह

लखनऊ,03 दिसंबर (एजेंसियां)। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विगत एक सप्ताह में प्रदेश के सभी गोआश्रय स्थलों पर व्यवस्थाओं के संबंध में जनपदीय नोडल अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षण और उनके द्वारा प्रस्तुत निरीक्षण आख्या की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। अधिकारी नियमित रूप से गोशालाओं का निरीक्षण करते रहें।

गोशालाओं में प्रकाश सोलर लाइट की व्यवस्था आवश्यक रूप से की जाए। गोवंश हेतु हरे चारे, ठंड से बचाव, तिरपाल, औषधियां, पेयजल आदि की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे। प्रत्येक गोशाला पर सीसीटीवी क्रियाशील कराये जाए और वृहद गोसंरक्षण केन्द्रों पर ड्रोन के उपयोग की संभावनाओं पर विचार कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। निराश्रित गोवंश संरक्षण हेतु संचालित गोआश्रय स्थलों के संचालन, प्रबंधन तथा संरक्षित गोवंश के भरण पोषण, पराली संग्रहण के पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन तथा जनपदों में एलएसडी

बीमारी के संक्रमण की रोकथाम नियंत्रण तथा दुग्ध समितियों के संचालन की स्थिति की मण्डलवार गहन समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि जनपद अयोध्या में सभी गोआश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। अधिकांश स्थलों पर पराली संग्रहण किया जा रहा है। बाराबंकी में संरक्षित गोवंशों के सापेक्ष भरण पोषण हेतु पर्याप्त मात्रा में भूसा, साइलेज, पशु आहार एवं हरा चारा तथा शीघ्र रूप से बचाव के उचित प्रबंध पाये गये है। कासगंज में हरे चारे उपलब्ध है व साइलेज की उपलब्धता नहीं है। अस्थायी गोआश्रय स्थल मण्डी समिति में अतिरिक्त शेड की आवश्यकता है। हापुड़ में ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा गोआश्रय स्थलों का नियमित भ्रमण नहीं किया जा रहा, जिस कारण गोवंशों को प्रचुर मात्रा में हरा चारा, दाना, भूसा इत्यादि उपलब्ध नहीं हो पा रहा है एवं अवशेष निराश्रित गोवंश यत्र तत्र विचरण करते दिखे। जनपद महराजगंज में गोआश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरे संचालित नहीं पाये गये। कानपुर देहात में मैथा ब्लाक अंतर्गत गोआश्रय स्थलों में गोवंशों को हरा चारा नहीं खिलाया जा रहा है और अभिलेख पूर्ण नहीं पाये गये। जनपद प्रतापगढ़ में पशुआहार का टेण्डर नहीं हुआ है और गोआश्रय स्थलों पर साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गयी। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि जहां कमी पाई गई है वहां निराश्रित गोवंश की बेहतर देखभाल, रखरखाव को दुरूस्त किया जाए। ठंड से किसी गोवंश की मृत्यु न हो पशुचिकित्साधिकारी गौ आश्रयस्थल पर जाकर गोवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं औषधि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। दुग्ध समितियां किसी भी दशा में बंद न होने पाए और उनका संचालन सुव्यवस्थित और सुनियोजित तरीके से किया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव पशुधन एवं दुग्ध विकास श्री मुकेश मेश्राम ने मंत्री जी को आश्वस्त करते हुए कहा कि गोआश्रय स्थलों पर सभी व्यवस्थाएं उनसे प्राप्त निर्देशानुसार सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि गोशालाओं पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए और गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हरसंभव कार्य किया जाए।

समाज कल्याण विभाग की बड़ी पहल

पीसीएस की मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए मिलेगी नि:शुल्क कोचिंग

लखनऊ,03 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रतिभाशाली युवाओं को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध करवाने और उच्च सेवाओं तक पहुंचाने की दिशा में समाज कल्याण विभाग ने एक सराहनीय पहल की है। विभाग द्वारा पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा-2025 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। यह विशेष प्रशिक्षण सत्र गोमती नगर स्थित छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भागीदारी भवन में संचालित होगा।भागीदारी भवन के संयुक्त निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि यह सुविधा केवल पुरुष अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध है। इसके तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक न हो और जो पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा-2025 में उत्तीर्ण हों, उन्हें लेटरल एंट्री के माध्यम से कोचिंग में प्रवेश मिलेगा। मुख्य परीक्षा की तिथि घोषित होने तक कोचिंग सत्र नियमित रूप से संचालित रहेंगे।आवेदन के समय प्रारम्भिक परीक्षा प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और शैक्षिक प्रमाण पत्रों की प्रतियां जमा करनी होंगी। 2000 रुपये की कॉशन मनी जमा कर संस्थान में प्रवेश लिया जा सकेगा। दस्तावेजों की जांच बाद प्रवेश प्रदान किया जाएगा।संयुक्त निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि हमारी कोशिश है कि सक्षम और प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण और सही मार्गदर्शन मिल सके। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले कई युवक सिर्फ संसाधनों की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ पाते हैं। कोचिंग सत्र के दौरान अभ्यर्थियों को हॉस्टल, भोजन और लाइब्रेरी की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

यूपी के औद्योगिक रूपांतरण की रफ्तार तेज

एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

लखनऊ,03 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति प्रदान करने के उद्देश्य से औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' की अध्यक्षता में इन्वेस्ट यूपी में उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न की गई।इन्वेस्ट यूपी टीम ने वर्ष 2023 से राज्य के विनिर्माण क्षेत्र की विकास प्रगति का प्रस्तुतीकरण किया तथा आगामी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। मंत्री नंदी ने शून्य-त्रुटि यानि जीरो एरर नीति पर बल देते हुए न्यूनतम समय में अधिकतम परिणाम के लिए तीव्र एवं प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया।बैठक में फैक्ट्री पंजीकरण को सुदृढ़ करने, डेटा प्रणालियों में सुधार एवं औद्योगिक इकाइयों के संचालन को तेज करने से संबंधित विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। राज्यव्यापी औद्योगिक सर्वेक्षण की प्रगति की भी समीक्षा की गई, जिसे नामित एजेंसियों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। मंत्री ने सर्वेक्षण पद्धति, आवंटित औद्योगिक भूखंडों के उपयोग तथा औद्योगिक क्लस्टरों में प्रगति संबंधी बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए, जिस पर अधिकारियों ने अवगत कराया कि सर्वेक्षण की अंतिम समेकित रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत की जाएगी।भूमि उपलब्धता, औद्योगिक पार्कों के विकास, लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी के विस्तार पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। नोएडा, यमुना प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा एवं प्राधिकरणों के प्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्राधिकार में भूमि अधिग्रहण एवं परियोजना प्रगति की वर्तमान स्थिति से मंत्री को अवगत कराया। निवेशकों हेतु भूमि उपलब्धता एवं प्रक्रियात्मक सरलता को तीव्र गति से आगे बढ़ाने के निर्देश प्रदान किए गए।इज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार, विशेषकर रैशनलाइज्ड सिंगल विंडो एक्ट, समयबद्ध अनुमोदन तंत्र, तथा फंक्शनलिटी सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान आकृष्ट किया गया। मंत्री ने इन्वेस्ट यूपी एवं संबंधित औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को निवेशक सुगमता बढ़ाने हेतु अपने प्रयास और सुदृढ़ करने के निर्देश दिएम बैठक में औद्योगिक विकास प्राधिकरणों की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया, जो राज्य में विनिर्माण-आधारित विकास के अगले चरण को सक्षम बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। भूमि मूल्य युक्तिकरण, प्लग-एंड-प्ले अवस्थापना का विकास, तथा बड़े एवं एंकर उद्योगों को आकर्षित करने हेतु नए निर्माण क्षेत्र विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया बैठक का समापन करते हुए मंत्री नन्दी ने राज्य के औद्योगिक एवं आर्थिक रूपांतरण हेतु निर्धारित विनिर्माण लक्ष्यों की प्राप्ति में सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने पुनः उल्लेख किया कि दक्षता, पारदर्शिता एवं त्वरित निर्णय-प्रक्रिया राज्य की विकास रूपरेखा के मूल में बनी रहेंगी। बैठक में राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी इन्वेस्ट यूपी, सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग प्रांजल यादव तथा नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण एवं बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण सहित विभिन्न औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सौंदर्य

पुरुषों की सख्त त्वचा के लिए बेहतरीन घरेलू उपाय

वो जमाने गए जब मेक-अप और स्किन केयर सिर्फ महिलाओं का ही काम माना जाता था. भई, टाइम बराबरी का है. आज का पुरुष सिर्फ काम और व्यापार में खुद को झोंक देना नहीं चाहता, वह जीवन को खूबसूरती के साथ जीना भी चाहता है. खूबसूरत दिखना चाहता है और यही वजह है कि बाजार में पुरुषों की सख्त त्वचा को ध्यान में रखकर कई उत्पाद भी आ गए हैं. लेकिन ये भी सच है कि बाजार के उत्पादों में कई तरह के कैमिकल होते हैं, जो त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं. महिलाओं के लिए तो सभी घरेलू टिप्स देते हैं यहां हैं कुछ घरेलू टिप्स खास मर्दों के लिए...

» नीम की ताजा पत्तियों को पीस लें और उनमें बेसन मिला लें. फिर दो चम्मच चंदन पाउडर और कुछ बूंदें गुलाब जल डालकर इसमें चुटकी भी हल्दी भी डाल लें. इसे चेहरे और हाथ-पैरों पर लगाएं. करीब 15 मिनट तक इसे चेहरे पर रखें और उसके बाद ठंडे पानी से चेहरा साफ कर लें। चेहरे पर चमक आ जाएगी.

» रात में सोने से पहले एक-एक चम्मच मसूर की पिसी दाल और बेसन भीगो कर रख दें. सुबह उठकर इसे चेहरे पर लगाएं. त्वचा के कील-मुहांसे साफ करने के साथ ही यह त्वचा में नई जान डाल देगा.

» दो चम्मच उड़द की दाल, चार चम्मच दूध, नींबू का रस, एक चम्मच सरसों का तेल, डेढ़ चम्मच चंदन पाउडर और चुटकी भर हल्दी को मिलाकर हाथ-पैरों की त्वचा पर लगा लें. सूखने पर उतार दें. इससे त्वचा को नई जान मिलेगी.

» 200 ग्राम छिलके उतरी जौ, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम खसखस, 50 ग्राम चंदन पाउडर, 50 ग्राम नारियल का तेल और 100 ग्राम केसर लें. अब जौ के दानों को कढ़ाई में भूनकर बारीक पीस लें. अब इसमें सारी सामग्री डाल दें. इस मिश्रण को नहाने से पहले दही में मिलाकर लगाएं। इसे पूरे शरीर की त्वचा पर लगाएं.इससे त्वचा की रंगत में निखार आएगा और कील, दानें वगैरह सभी से छुटकारा मिलेगा.

अदरक की चाय ही नहीं, अदरक का पानी भी है गुणकारी

अदरक का इस्तेमाल हम सभी अपने-अपने घरों में करते हैं. कुछ लोग इसका इस्तेमाल मसाले के तौर पर करते हैं तो कुछ गार्निशिंग के लिए. इसके अरोमा और फ्लेवर से खाने का स्वाद बढ़ जाता है. साथ ही ये जलनरोधी, एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल खूबियों से भी

भरपूर होता है. इसकी वजह से ये एक हेल्थ टिश्यू को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है. अदरक को कई तरह से खाया जा सकता है लेकिन चाय में इसका इस्तेमाल करना काफी फायदेमंद होता है. लेकिन अदरक की चाय के साथ-साथ अदरक का पानी भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है.

1. पाचन में मददगार: अदरक वाला पानी शरीर में डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाता है. इसके सेवन से पाचन क्रिया में सुधार आता है और खाना आसानी से पच जाता है.

2. त्वचा संबंधी रोगों को दूर रखता है: अदरक का पानी पीने से खून साफ होता है और स्किन ग्लो करती है. ये पिंपल्स और स्किन इंफेक्शन के खतरे को भी दूर करता है.

खूबसूरत हिल मुन्नार में पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ

केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है मुन्नार। यहां पर्यटक प्रकृति की खूबसूरती का आनंद ले सकते हैं। मुन्नार को ईश्वर का देश भी कहा जाता है। खूबसूरती ऐसी कि जैसे यह धरती के स्वर्ग की तरह लगता है। समुद्रतल से 1,700 मीटर ऊपर मुन्नार का दक्षिणी-पश्चिमी मैदानी इलाका ऐसा लगता है, जैसे मैदानों पर तरंगें तैर रही हैं। मुन्नार को चाय के बागानों का शहर भी कहा जाता है। यहां चाय के कई बगीचे भी देखने को मिल जाएंगे।

देखने लायक जगह-

अगर आप रोमांचक खेल के शौकीन हैं तो मुन्नार में आपके लिए बहुत कुछ है। जैसे ट्रैकिंग, पारा ग्लाइडिंग, रोप क्लाइबिंग और हाइकिंग। मुन्नार में देखने लायक जगह हैं राजमाला, चितीरापुरम और इकोपाइंट। मुन्नार में पर्यटकों के लिए आकर्षण है- मट्टुपेटी बांध। मुन्नार की असली सुंदरता पोतैमेदु में है, जो एक महत्वपूर्ण बागान है। मन को सम्मोहित करने वाली झीलें और घने जंगल यहां की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं।

मुन्नार पहाड़ों से तीन तरफ यानी मुद्रापजा, नल्लतनी और कंडाला से घिरा है। किसी समय मुन्नार ब्रिटिश सरकार का दक्षिणी भारत का गर्मियों का रिजार्ट हुआ करता था। मुन्नार की खूबसूरती शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

मुन्नार का रोमांचक इतिहास-

यहां का इतिहास काफी रोमांचक है। यहां कभी ब्रिटिश शासकों का राज हुआ करता था। स्काटिश पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत के मानचित्र में मुन्नार को ढूंढ़ा। ब्रिटिश मुन्नार को चाय की खेती के लिए इस्तेमाल करते थे और शहर की गर्मी से बचने के लिए यहां आते थे। इतिहास में मुन्नार में लोगों का बसना और इस क्षेत्र में सिविलाइजेशन से जुड़े कई तथ्य पाए गए हैं। सबूत यही बताते हैं कि यहां जीवन दसवीं शताब्दी से शुरू हुआ था। 19वीं शताब्दी आते-आते यहां छोटे-छोटे गांव बनने शुरू हो गए। 1895 के बाद मुन्नार में विकाय कार्य भी होने लगा। यहां का खूबसूरत वातावरण और दोस्ताना व्यवहार करने वाले निवासी बाहर से आने वालों का दिल जीत लेते हैं।

जब चाहें जाएं

मुन्नार आप साल में कभी भी जा सकते हैं। वैसे यहां जाने का सही समय है सितंबर से मई के बीच में। जून से लेकर सितंबर तक यहां मानसून रहता है। सर्दी में मुन्नार के लिए आपको भारी भरकम ऊनी कपड़े ले जाने पड़ेंगे ताकि आप वहां की सर्दी से बच सकें।

कैसे जाएं

मुन्नार के लिए आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग या सड़क मार्ग तीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। मुन्नार के लिए सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोच्चि और मदुरै है, जो 142 किलोमीटर की दूरी पर है। नजदीकी रेलवे स्टेशन कोच्यो और कोट्टायम हैं, जहां से मुन्नार के लिए ट्रेन जाती रहती है। मुन्नार जाने के लिए सड़क से पहुंच सकते हैं। लोकल बस और कैब आपको आसानी से शहर में मिल जाएंगे।

अगर आप मुन्नार में थोड़ा और घूमना चाहते हैं, तो आसपास कुछ जगह जैसे मैरायूर, नदूकनी और मीनली भी जा सकते हैं। मुन्नार की खूबसूरती का असली मजा वहां के फलोरा और फायना में है जो मुन्नार शहर की खूबसूरती को और भी देखने लायक और आकर्षक बनाते हैं।

बच्चों में फास्ट फूड खाने की आदत को ऐसे छुड़ाएं

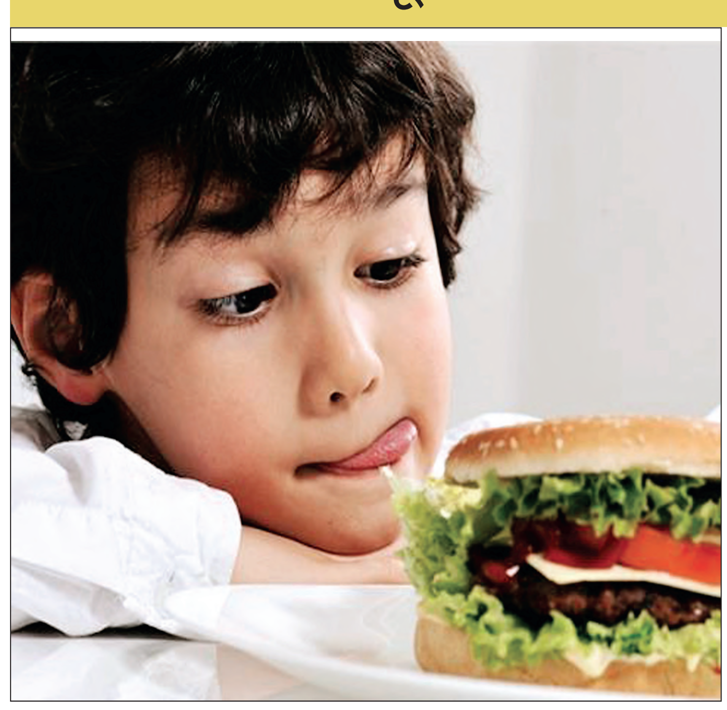

बच्चों को फास्ट फूड खाना बहुत पसंद होता है लेकिन यह सेहत के लिए काफी हानिकारक है। अधिक फास्टफूड का सेवन करने से बच्चों में मोटापे की समस्या बढ़ रही है। गर्मी के मौसम में भी बच्चे फास्ट फूड खाना नहीं छोड़ते। बच्चों की इस आदत को रोकना बहुत जरूरी है। आज हम आपको कुछ टिप्स देंगे, जिससे आप बच्चों की यह आदत छुड़वा सकते है।

» बच्चे को सुबह हैल्दी ब्रेकफास्ट करवाएं ताकि वह दिन में फास्ट फूड न खाएं। ब्रेकफास्ट में बच्चे की पसंद की चीजें बनाएं।

» फ्रिज में ताजे फल जरूर रखें। उन्हें फल खाने की आदत डालें। बच्चों को क्रिएटिव सलाद बना कर दें।

» घर में बच्चों की पसंद के स्नैक्स रखें ताकि उनके मांगने पर आसानी बनाया जा सके।

» अगर बच्चे फास्ट फूड की डिमांड भी करते हैं तो उन्हें डांटे नहीं बल्कि प्यार से समझाएं। बच्चों को फास्ट फूड के दुष्प्रभावों के बारे में बताएं।

» कभी-कभी बच्चों को घर पर ही हैल्दी स्नैक्स बनाकर दें। घर पर बनाए स्नैक्स पौष्टिक भी होगें और इससे बच्चे भी खुश हो जाएंगे।

समर ट्रेंड

सिलेब्रिटीज को भी लुभा रही पोल्का डोट ड्रेस

बेबो यानी करीना कपूर की बोल्डनेस सभी को लुभाती है। बात अगर सिर्फ उनके फैशन सेंस की करें तो उनकी बोल्डनेस उनके फैशन को माइंडब्लोइंग बना देती है। पुरानी सारी बातें छोड़ भी दें तब भी प्रेग्नेंसी में कराया गया उनका ब्राइडल फोटो शूट नहीं भुलाया जा सकता।

खैर, ताज़ा उदाहरण है उनके समर फैशन सेंस का। जब कैजुअल पोल्का मैक्सी ड्रेस को उन्होंने शो-स्टॉपर मोमेंट बना दिया। स्लीपर्स के साथ इस वन-साइडेड स्लिट मैक्सी ड्रेस में करीना सिंपल और गॉरजस लग रही हैं। इस खूबसूरत ड्रेस को डिजाइन खूबसूरत डिजाइनर मसाबा गुप्ता ने। खास बात यह है कि अभी करीना की डिलिवरी लगभग चार महीने ही हुए हैं। ...और इतने कम समय में वेटलूज़ करने को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। करीना की कोशिशें देखकर तो यही लग रहा है कि जल्द उन्हें इनकी पुरानी शेप में आने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही शादी की तरह ही डिलिवरी भी उनके करियर में किसी तरह की दिक्कत नहीं खड़ी कर सकती।

होठों को निखारने के 7 घरेलू उपाय

खूबसूरत गुलाबी होठ की चाहत सभी महिलाओं को होती है, लेकिन कम ही ऐसी होती हैं, जिन्हें ये मिल पाता है. गुलाबी होठ पाने के लिए महिलाएं कई तरह के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट तक खरीद लेती हैं पर फिर भी कोई फर्क नहीं पड़ता है. आगे की स्लाइड में हम आपको कुछ घरेलू उपचार बताएंगे, जिससे आपके होंठ गुलाबी हो सकते हैं।

» नींबू के रस को रोज रात को सोने से पहले अपने होठ में लगाएं. इस उपाय को कम से कम दो महीने करें.

» बीटरूट का रस लगाने से भी होठों का रंग गुलाबी होता है. बीट में लाल रंग प्राकृतिक रूप में मौजूद होता है, जिससे होंठ गुलाबी होते हैं. बीटरूट का रस होठ के कालेपन को भी दूर करता है.

» संतरे को अपने होठ पर रगड़ें. इसका रस होठों को मुलायम और खूबसूरत बनाता है.

» नारियल पानी, खीरे का रस और नींबू के रस को मिलाकर होठ पर लगाने से होठों का कालापन दूर होता है.

» हल्दी पाउडर को मलाई के साथ मिलाकर होठ में लगाने से भी होंठों का कालापन दूर होता है.

» अनार के दानों को मलाई के साथ पीसकर होठों पर लगाएं. इस उपाय को कुछ दिन करें. आपको फर्क दिखने लगेगा. होंठ गुलाबी और खूबसूरत हो जाएंगे.

» सोने से पहले ग्लीसरीन, गुलाब जल और केसर को मिलाकर होठ में लगाने से भी होंठ निखरते हैं.

मंहगे कपड़े ही नही स्टाइलिश दिखने के लिए ये आदतें भी हैं जरूरी

स्टाइलिश दिखने के लिए महिलाएं बहुत कुछ करती हैं। मंहगे कपड़ों से लेकर एक्सैसरीज तक उनकी हर चीज ट्रैंडी होती हैं। अक्सर बाहर आने-जाने वाली महिलाओं को अपने कपड़ों को लेकर काफी चिंता रहता है। स्टाइलिश कपड़े, मैचिंग जूते और मेकअप हर चीज को वे कैरी करती हैं लेकिन सिर्फ मंहगे कपड़ों से ही नहीं, फैशनेबल दिखने के लिए कुछ छोटी-मोटी आदतों को अपनाना भी बहुत जरूरी है। आइए जानिए महिलाओं के लिए कुछ जरूरी बातें

1. वार्डरोब

महिलाओं के पास कई कपड़े होते हैं जिन्हें वे अपनी वार्डरोब में रखती हैं लेकिन कामकाज वाली महिलाओं के पास इतना समय नहीं होता कि वे अपनी अलमारी को सही ढंग से रखें। ऐसे में कुछ समय निकाल कर अपनी वार्डरोब को सही तरीके से अरेंज करें जिससे कपड़े इधर-उधर न हों और ऑफिस जाते समय आराम से कपड़े मिल जाएं।

2. मेकअप

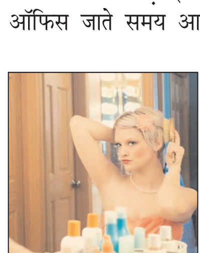

ऑफिस जाने वाली महिलाओं के पास सुबह इतना समय नहीं होता कि अच्छे से तैयार हो सकें। इसके लिए रात को ही कपड़े निकाल कर रख लें और सुबह थोड़ा जल्दी उठ जाएं। इससे तैयार होने के लिए समय भी मिल जाएगा और हड़बड़ी में कुछ भूलेंगी नहीं।

3. स्पा

अक्सर महिलाएं कामकाज में इतना बीजी हो जाती हैं कि वे खुद पर ध्यान नहीं दे पाती। ऐसे में उन्हें स्किन और बालों को लेकर कई समस्याएं हो जाती हैं। इसलिए महीने में एक बार खुद के लिए समय निकाल कर स्पा और फेशियल करवाएं।

4. कपड़े

स्टाइलिश दिखने के लिए महिलाएं महंगे कपड़े और जूते पहनती हैं लेकिन समय न होने की वजह से वे कपड़ों को प्रैस नहीं करती जो देखने में बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। ऐसें में हमेशा कपड़ों को पहनने से पहले उनकी सिलवटें निकालें।

5. हैल्दी डाइट

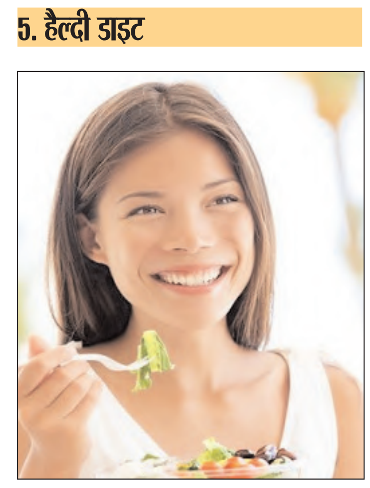

कपड़ों से सिर्फ बाहरी सुंदरता मिलती है लेकिन अपनी अंदरूनी खूबसूरती के लिए एक अच्छी डाइट लेना बहुत जरूरी है। इसके लिए फल और हरी सब्जियां खाएं और खूब पानी पीएं।

मां सिखा देती है जीवन जीने के 4 तरीके

दुनिया का सबसे खूबसूरत रिश्ता मां-बच्चों के बीच का होता है। मां का प्यार बच्चों के लिए सारी दुनिया से बढकर होता है। मां के आदर्शों से ही बच्चे आगे बढते हैं और उसकी दी गई सीख बच्चों को सारी जिंदगी याद रहती है। कुछ बातें ऐसी होती हैं जिनको ना तो स्कूल में पढ़ाया जाता है और ना मां के अलावा कोई और बच्चों को सीखा सकता है।

1. दूसरों की केयर करना : मां अपने बच्चों की खास देखभाल करती हैं। बच्चा चाहे कितना भी शैतान क्यों न हो मां उसको प्यार करना कभी नहीं छोड़ती। इतने कामों के होते हुए भी मां परिवार और बच्चों की हर जरूरत का ख्याल रखती है। उसकी यही बात को बच्चे भी अपनी जिंदगी में ढाल लेते हैं।

2. जिम्मेदारी निभाना : बच्चों के छोटे होने से लेकर बड़े होने तक हर समय मां उनका ख्याल रखती है। समय-समय पर जरूरत से पहले ही उनको चीज लाकर देती है। मां अपने हर बच्चे के लिए पूरी तरह से बराबर की जिम्मेदारी निभाती है। मां की इन्ही बातों को बच्चे अपनी जिंदगी में ढाल लेते हैं।

3.अनुशासन का पालन करना : बच्चों की जिंदगी में कुछ बातें ऐसी होती हैं जिससे मां के गुण भी पहचाने जाते हैं। अपने से बड़ों के साथ कैसी बातचीत करनी है। अपने से छोटे बच्चों के साथ किस तरह से पेश आएं और कैसे उनकी देखभाल करनी है। यह बातें बच्चे के बड़े होने के बाद भी काम आती हैं।

4. गुस्से पर कंट्रोल रखना : गुस्सा इंसान का सबसे बड़े दुश्मन है। बच्चे को चीजों को नजरअंदाज करना सीखाएं। मां गुस्से पर काबू पाकर, बातों को नजरअंदाज करके भी प्यार के साथ रिश्तों को निभाती जाती है। इस बात को बच्चे जरूर फॉलो करते हैं और जो बच्चे इस सीख को जिंदगी में ढाल लेते हैं उनको रिश्ते निभाने में कोई परेशानी नहीं आती।

रेसिपी

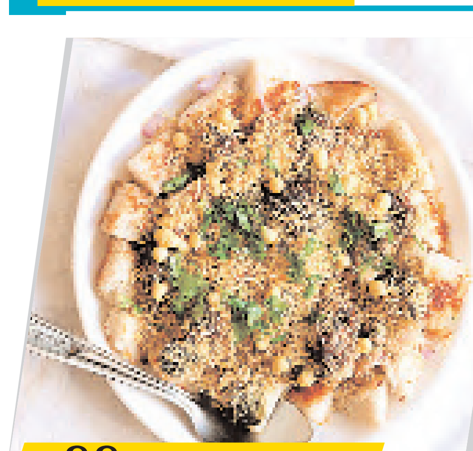

इडली चाट

सामग्री

4 इडली (दालचावल या सूजी की), 1/2 टमाटर (कद्दूकस किया हुआ), 2 बड़े चम्मच टोमैटो सॉस, 1 छोटा चम्मच राई, 7-8 करीपत्ते, 1/2 कप प्याज (कटे हुए), 1 हरीमिर्च (लंबी कटी हुई), नमक स्वादअनुसार, तेल तलने के लिए, 1 छोटा चम्मच सांभर पाऊडर

विधि

सबसे पहले इडली को 2 हिस्सों में काट लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। अब उसमें करीपत्ता, प्याज, टमाटर, हरीमिर्च डालकर अच्छी तरह से भूने। बाद में टमाटर कैचप, सांभर पाऊडर और 1/2 कप पानी और नमक डालें। इसे थोड़ी देर के लिए पकाएं। अब उसमें इडली के टुकड़े डालकर अच्छी तरह से हिलाएं और आंच बंद कर दें। इडली चाट तैयार है। इसे हरी चटनी के साथ सर्व करें।

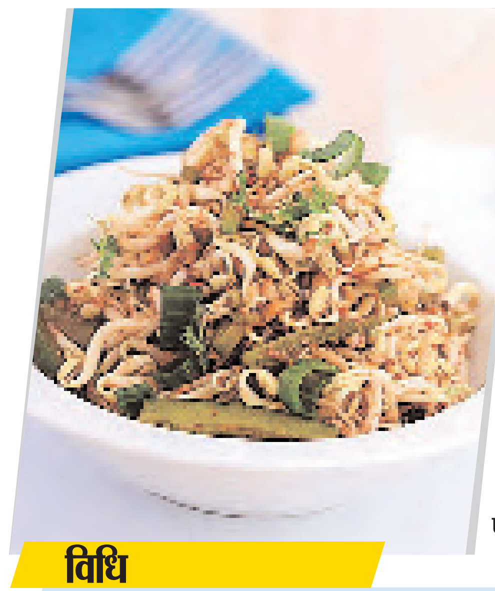

बीन स्प्राउट्स , कॉप्सिकम सलाद

सामग्री

1 1/2 कप बीन स्प्राउट्स, 1/4 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, नमक स्वादअनुसार, तीखे ड्रेसिंग के लिए, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून क्रश किया हुआ लहसुन, 2 टी-स्पून विनेगर, 1 टी-स्पून सोया सॉस, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 1/2 टेबल-स्पून दरदरी क्रश की हुई मूंगफली, नमक स्वादअनुसार,

सजाने के लिए: 1 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते, 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

विधि

तीखे ड्रेसिंग के लिए: छोटे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर 15 सेकेन्ड तक भूनें। आंच से हठाकर ठंडा करने रख दें। विनेगर, सोया सॉस, शक्कर, लाल मिर्च पाउडर, मूंगफली पालकर अच्छी तरह मिलाएं। एक तरफ रख दें।

आगे बढ़ने की विधी: बीन स्प्राउट्स, तीखे ड्रेसिंग और नमक को एक बाउल में डालकर हलके हाथों मिला लें। तुरंत परोसें या 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखकर ठंडा परोसें।

संपादकीय

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य-दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं। कई राज्यों में बीएलओ संगठनों ने प्रदर्शन करके अधिक समय दिए जाने की मांग भी की है। कुछ लोग चुनाव आयोग की जल्दबाजी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि दो-तीन महीने का काम एक माह में पूरा नहीं किया जा सकता। वे समय पर दायित्व न निभा पाने वाले बीएलओ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अनुचित बताते हैं।

पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें।

समाज असुरक्षित हो, लेडीज कोच ही असली उपाय

मुंबई लोकल में लेडीज कोच : क्या यह जेंडर जस्टिस है या जेंडर सेग्रिगेशन?

हर सुबह 7:15 की फास्ट लोकल जब चर्चगेट की ओर दौड़ती है, तो एक अजीब-सी तस्वीर उभरती है। प्लेटफॉर्म पर पुरुषों की भीड़ लहर बनकर सामान्य डिब्बों पर टूटती है—कंधे चिपकते हुए, एक-दूसरे की गर्दन पर टकराती हुईं। ठीक उसी क्षण, लेडीज कोच के दरवाज़े पर कुछ महिलाएँ सहज खड़ी रहती हैं। भीड़ कम, धक्का कम, छेड़खानी का साया लगभग नदारद। कोई बैग टिका कर ठहरी है, कोई फोन पर खोई, कोई किताब में डूबी। बाहर का पुरुष डिब्बा नरक है, अंदर का लेडीज कोच स्वर्ग। और यही दृश्य हर फ़ेमिनिस्ट तर्क को एक साथ सही और गलत साबित कर देता है। यह सुविधा है या तिरस्कार? सुरक्षा है या सीमाबंदी? हम 2025 की दहलीज़ पर खड़े होकर भी तय नहीं कर पा रहे कि औरत को "सुरक्षित" रखने के नाम पर उसे अलग कर देना न्याय है या अन्याय। एक ओर लिबरल बुद्धिजीवी गरजते हैं—"यह जेंडर-सेग्रिगेशन है, मध्ययुगीन मानसिकता है, औरत को मुख्यधारा से काट देना है!" दूसरी ओर लाखों कामकाजी महिलाएँ हैं, जो हर सुबह यही दुआ करती हैं कि लेडीज कोच में सीट मिल जाए, वरना पूरा दिन बिगड़ जाएगा। मुद्दा यह नहीं कि कौन सही है—मुद्दा यह है कि समाज इतना असुरक्षित कैसे हो गया कि औरत के लिए अलग कोच अनिवार्य बन गया? सबसे पहले तथ्य देखिए। मुंबई की लोकल ट्रेनें रोज 70-75 लाख यात्रियों को ढोती हैं। इसमें करीब 35-40 प्रतिशत यात्री महिलाएँ हैं। रेलवे के अपने आंकड़े कहते हैं कि 2015-2023 के बीच लेडीज कोच में छेड़छाड़ की शिकायतें सामान्य डिब्बों की तुलना में 92-93% प्रतिशत कम रही हैं। यानी यह व्यवस्था काम कर रही है। लेकिन क्या काम करना ही काफी है? क्या जो व्यवस्था औरत को सुरक्षित रखने के लिए उसे अलग कर दे, वह वाकई उसे सशक्त बना रही है या बस यह स्वीकार कर रही है कि समाज पुरुषों को सुधारने में निर्णायक तौर पर विफल हो चुका है? जो लोग इसे जेंडर सेग्रिगेशन कहकर कोसते हैं, उनका तर्क साफ है—अलग कोच का मतलब है औरत को "दूसरी श्रेणी" का नागरिक मानना। यानी समाज मान चुका है कि पुरुषों को काबू में नहीं किया जा सकता, इसलिए औरतों को ही किनारे कर दो। यही सोच कभी परदा प्रथा को सही ठहराती थी, और आज भी कई देशों में महिलाओं को अलग बस में बिठाती है। अगर बराबरी सच में चाहिए, तो पुरुषों को सीख देनी होगी कि भीड़ में भी हाथ काबू में रखें—न कि औरतों को अलग डिब्बे में धकेल दें। अलग कोच समाधान नहीं, समाज की हार है। लेकिन यह तर्क जितना सुंदर लगता है, उतना ही किताबों वाला भी है। असली जिंदगी में 22 साल की वह लड़की, जो सुबह 6 बजे विरार से चर्चगेट जाती है, उसे अभी भाषण नहीं, सुरक्षित सफर चाहिए। उसे यह सुनने की जरूरत नहीं कि "तुम अलग क्यों बैठती हो, पुरुष डिब्बे में जाओ और अपनी जगह बनाओ।" क्योंकि वह जानती है कि वहाँ जगह बनाते-बनाते उसका हाथ मुड़ सकता है, कपड़े फट सकते हैं, और बदन पर हाथ फेरने वालों की गिनती ही नहीं होगी। जब अलग कोच मौजूद है, तो वह रोज यह जोखिम क्यों उठाए? उसका यह चुनाव "पितृसत्ता की गुलामी" नहीं, साफ-सुथरी व्यावहारिक समझदारी है। कड़वी हकीकत यह है कि लेडीज कोच न तो पूर्ण न्याय है, न पूर्ण अन्याय। यह एक समझौता है। कड़वा, शर्मनाक, लेकिन इस दौर के लिए जरूरी समझौता। जिस समाज में हर तीसरे दिन कोई न कोई रेप केस सुर्खियों में आता हो, जहाँ निर्भया के बाद भी बसों, ट्रेनों, सड़कों पर औरत सुरक्षित न हो, वहाँ अभी ऐसे अस्थायी बैंडेज ही लगाए जा सकते हैं। असली इलाज तो पुरुषों की सोच बदलना है, स्कूलों में जेंडर सेंसिटाइजेशन लाना है, कानून को सख्ती से लागू करना है, दोषियों को फाँसी तक पहुँचाना है। पर यह सब होने में सालों लगेंगे। तब तक क्या औरतें हर दिन अपना सम्मान दाँव पर लगाएँ? सच यह है कि दुनिया ने अलग रास्ता चुना है। जापान में महिलाओं के लिए कोच हैं, लेकिन वहां छेड़खानी की घटनाएँ भारत से कहीं कम हैं। जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देश ऐसे अलग डिब्बे तक की ज़रूरत महसूस नहीं करते, क्योंकि वहां समाज ने खुद को सुरक्षित बनाया है। बात साफ है—अलग कोच समाज की बीमारी नहीं है, यह उस बीमारी का लक्षण है। और जब तक बीमारी का इलाज नहीं होगा, लक्षण दबाने के लिए यह ज़रूरी दवा लेना ही पड़ेगा। बड़ा सवाल यह है— क्या हम लेडीज कोच को हमेशा के लिए स्वीकार कर लें? बिलकुल नहीं। लेकिन क्या इसे अभी खत्म कर दें? उससे भी बड़ा नहीं। सही राह यही है कि इसे एक संक्रमणकालीन व्यवस्था समझा जाए। अगले दस–पंद्रह साल में अगर हम पुरुषों को सभ्य बना पाए, छेड़खानी करने वाले को तुरंत जेल भेज पाए, और रात दस बजे भी कोई लड़की अकेली लोकल में बिना डर सफर कर सके—तो पहला कोच जो हटेगा, वही लेडीज कोच ही होगा। उसी दिन हम सच में जेंडर जस्टिस कह पाएँगे। सबसे पहले एक हकीकत सामने रखिए— अगर भीड़ भरे डिब्बों में हर दिन आपकी अपनी बहन, आपकी बेटी, या आपके घर की किसी महिला को धक्के, फब्तियाँ और अनचाहे हाथों का सामना करना पड़े, तो क्या आप उसे बेझिझक उसी भीड़ में भेज देंगे? अगर जवाब ना है, तो ज़रा ठहरिए और सोचिए। जो लोग गरज रहे हैं— "लेडीज कोच खत्म करो, यह तो सेग्रिगेशन है"—उनसे बस इतना ही कहना है: कभी-कभी सुरक्षा अलग करने से नहीं, स्वीकार करने से शुरू होती है कि हालात अभी बराबरी लायक नहीं हैं। लेडीज कोच कोई विशेषाधिकार नहीं, मजबूरी का इंतज़ाम है।

प्लेटफॉर्म पर पुरुषों की भीड़ लहर बनकर सामान्य डिब्बों पर टूटती है—कंधे चिपकते हुए, एक-दूसरे की गर्दन पर टकराती हुईं। ठीक उसी क्षण, लेडीज कोच के दरवाज़े पर कुछ महिलाएँ सहज खड़ी रहती हैं। भीड़ कम, धक्का कम, छेड़खानी का साया लगभग नदारद। कोई बैग टिका कर ठहरी है, कोई फोन पर खोई, कोई किताब में डूबी। बाहर का पुरुष डिब्बा नरक है, अंदर का लेडीज कोच स्वर्ग। और यही दृश्य हर फ़ेमिनिस्ट तर्क को एक साथ सही और गलत साबित कर देता है। यह सुविधा है या तिरस्कार? सुरक्षा है या सीमाबंदी? हम 2025 की दहलीज़ पर खड़े होकर भी तय नहीं कर पा रहे कि औरत को "सुरक्षित" रखने के नाम पर उसे अलग कर देना न्याय है या अन्याय। एक ओर लिबरल बुद्धिजीवी गरजते हैं—"यह जेंडर-सेग्रिगेशन है, मध्ययुगीन मानसिकता है, औरत को मुख्यधारा से काट देना है!" दूसरी ओर लाखों कामकाजी महिलाएँ हैं, जो हर सुबह यही दुआ करती हैं कि लेडीज कोच में सीट मिल जाए, वरना पूरा दिन बिगड़ जाएगा।

देश दुनिया से

केंद्र और राज्य तालमेल के साथ काम करें-शशि थरूर

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने विपक्ष शासित राज्यों को केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी है। ये एक ऐसी सलाह है जो कि किसी भी विपक्षी नेता को पसंद आने वाली नहीं है क्योंकि विपक्षी दलों के मुख्यमंत्री केंद्र सरकार से टकराव को प्राथमिकता देते हैं। थरूर का कहना है कि सत्ताधारी दल को देश का जनादेश प्राप्त है और उनके साथ मिलकर काम करने से ही राज्य की जनता की भलाई हो सकती है। ऐसा नहीं लगता कि विपक्षी दल शशि थरूर की सलाह को गंभीरता से लेंगे क्योंकि उनकी अपनी पार्टी ही अब उनकी विरोधी बन चुकी है। जो नेता अपनी ही पार्टी में अलग-थलग पड़ गया हो, उसकी बात कौन सुनने वाला है। देखा जाए तो उन्होंने देश की राजनीति की बहुत बड़ी समस्या की ओर ध्यान दिलाया है। ज्यादातर विपक्ष शासित राज्यों की सरकारें केंद्र सरकार के प्रति दुश्मन जैसा व्यवहार करती हैं। उनका कहना होता है कि जनता ने उन्हें प्रदेश चलाने का जनादेश दिया है, इसलिए वो ही तय करेंगे कि प्रदेश के लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा है। वो केंद्र सरकार के साथ काम करना अपनी राजनीति के लिए सही नहीं मानते हैं। उनकी इस सोच के कारण संबंधित राज्यों की जनता को नुकसान उठाना पड़ता है। अब तो राज्यों में यह चलन बढ़ता जा रहा है कि वो केंद्र सरकार की योजनाओं को अपने राज्यों में लागू नहीं करते हैं । उनको लगता है कि अगर इन योजनाओं से जनता को फायदा होगा तो केंद्र सरकार को उसका राजनीतिक फायदा मिल सकता है। केंद्र की योजनाओं का नाम केंद्र सरकार के द्वारा ही निर्धारित किया जाता है। इन योजनाओं के नाम से ही पता चल जाता है कि यह केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना है । दूसरी तरफ भाजपा की केंद्र सरकार भी इन योजनाओं का प्रचार करती है ताकि उसे प्रदेश की जनता का समर्थन मिल सके । सवाल यह है कि क्या पहले ऐसा नहीं होता था। सच तो यह है कि पहले केंद्र सरकार की ज्यादातर योजनाओं का नाम गांधी परिवार के किसी सदस्य के नाम पर ही होता था। योजना के नाम से ही पता चल जाता था कि ये योजना केंद्र की कांग्रेस सरकार द्वारा चलाई गई है। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद ज्यादातर केंद्र सरकार की योजनाओं का नाम प्रधानमंत्री या राष्ट्रवादी नेताओं के नाम पर रखा है। कुछ योजनाओं के नाम में तो सिर्फ देश का नाम ही लिया गया है। इसकी ओर इशारा करते हुए थरूर कहते हैं कि केरल की वामपंथी सरकार ने कथित रूप से केंद्र सरकार की योजना को खारिज कर दिया है। थरूर ने केरल सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि उसने केंद्र सरकार का फंड लौटा कर सही नहीं किया है। थरूर दुबई में मंगलवार को अमृता न्यूज़ के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे. वो वहां केरल के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केरल दिवालिया हो गया है, स्कूल की छतें टपक रही हैं और डेस्क या ब्लैकबोर्ड के लिए पैसे नहीं हैं। उनका कहना है कि इसके बावजूद हम राजनीतिक रूप से शुद्ध बन रहे हैं और केंद्र सरकार के पैसों को ठुकरा रहे हैं। आगे वो कहते हैं कि ये पागलपन है. ये करदाताओं का पैसा है, हमारा पैसा है। देखा जाए तो वो बिल्कुल सही कह रहे हैं कि ये देश का पैसा है। केंद्र सरकार के पास जो पैसा है, वो पूरे देश की जनता से प्राप्त टैक्स का पैसा है। इस पर पूरे देश का हक होता है इसलिए अपनी क्षुद्र राजनीति के चक्कर में इस पैसे को ठुकराना गलत है। उनका कहना है कि वो अक्सर भाजपा की केंद्र सरकार से असहमत होते हैं लेकिन जनादेश का सम्मान करते हैं। वो कहते हैं कि वो सत्ताधारी दल से असहमत होते हैं, लेकिन वो फिर भी सत्ताधारी दल है । उनका कहना है कि जब देश ने उसे जनादेश दिया है, तो वो उसके साथ मिलकर काम करेंगे । वो कहते हैं कि अगर किसी योजना के साथ केंद्र सरकार की ओर से शर्तें आती हैं तो वो देखेंगे कि वो अपने विश्वास के अनुसार उन्हें कैसे लागू कर सकते हैं। मैं योजना के लिए पैसा लूंगा क्योंकि मेरी जनता को उसकी आवश्यकता है। वो कहते हैं कि राजनीतिक हठ की जगह आपसी सहयोग जरूरी है। उनका कहना है कि लोगों को सिर्फ सोच की शुद्धता में दिलचस्पी है लेकिन हम इस तरह से काम नहीं कर सकते । वो कहते हैं कि किसी ने चुनाव जीता है और केंद्र में सरकार बनाई है, आपने राज्य में चुनाव जीता है और सरकार बनाई है। अगर आपका राज्य केंद्र के लोगों से सहयोग नहीं करेगा तो आप कुछ भी कैसे कर पाएंगे । उनका कहना है कि आपको सच कहना होगा कि सहयोग हमारे हित में है, यह हमारे लोगों के हित में है, भारत और केरल दोनों के नागरिकों के हित में है। प्रधानमंत्री मोदी भी केंद्र और राज्य की सरकारों को एक टीम की तरह मिलकर काम करने को कहते हैं, वो इसे टीम इंडिया का नाम देते हैं। देखा जाए तो देश के हित में यही है कि केंद्र और राज्य मिलकर काम करे ताकि बेहतर परिणाम हासिल हो सके । केंद्र सरकार कितनी भी बढ़िया योजनाएं लेकर आ जाये, अगर राज्य उसे अपने यहां लागू नहीं करते हैं तो प्रदेश विशेष की जनता को फायदा नहीं मिलने वाला है। अगर राज्य सरकार योजना को अपने यहां लागू नहीं करती है तो राज्य की जनता का नुकसान होता है, क्या कोई भी राजनीतिक दल इससे इंकार कर सकता है। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद राजनीतिक दलों में आपसी तालमेल खत्म सा हो गया है। विपक्षी दल मोदी सरकार के साथ मिलकर काम करते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं। अगर केंद्र सरकार विपक्ष शासित राज्यों के साथ भेदभाव करती है तो उसे राज्यों को संसद में उठाना चाहिए और देश को बताना चाहिए कि उनके साथ कैसे भेदभाव किया जा रहा है। उड़ीसा में 2024 में सत्ता परिवर्तन हुआ है और वहां बीजू जनता दल को हराकर भाजपा ने सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ली है। इससे पहले मोदी सरकार और उड़ीसा की बीजू जनता दल की नवीन पटनायक की सरकार मिलकर काम कर रहे थे। दोनों के तालमेल से राज्य का विकास हो रहा था। इसके विपरीत बंगाल, पंजाब और तमिलनाडु की राज्य सरकारों का केंद्र सरकार के साथ जबरदस्त टकराव देखने को मिल रहा है। इससे पहले दिल्ली की केजरीवाल सरकार हर मुद्दे पर मोदी सरकार के सामने खड़ी दिखाई देती थी। 2025 में केजरीवाल की दिल्ली की सत्ता से विदाई हो गयी है। वो अपने 10 साल से ज्यादा के कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार पर लगातार यह आरोप लगाते रहे कि केंद्र सरकार उन्हें दिल्ली में काम नहीं करने दे रही है। केजरीवाल एक तरफ केंद्र सरकार पर काम करने से रोकने का आरोप लगा रहे थे, तो दूसरी तरफ उन्होंने कोरोना के दौरान सारे नियम-कानून ताक पर रखकर अपने लिये शीशमहल तैयार कर लिया। केंद्र सरकार की नाक के नीचे बैठकर उन्होंने यह कारनामा अंजाम दे दिया, तब उन्हें कोई नहीं रोक नहीं पाया । इससे साबित होता है कि वो बेमतलब का शोर मचा रहे थे। भारतीय संविधान में सबके अपने अधिकार हैं और कर्त्तव्य भी हैं। जनता को आप कुछ देर बेवकूफ बना सकते हैं लेकिन वो जल्दी ही नेताओं की नीयत समझ जाती है। केजरीवाल के काम न करने के बहाने जनता को जैसे ही समझ आ गए।

आप का नजरिया

जहरीले कारोबार पर नकेल

आज सिर्फ पंजाब-हरियाणा ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में भी नशीले पदार्थों का बढ़ता घातक कारोबार गंभीर संकट की आहट सुना रहा है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने को अपराध की गलियों से गुजरने में गुरेज नहीं करते। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। इस रणनीतिक महत्व के सेमिनार का आयोजन हरियाणा के खाद्य और औषधि प्रशासन ने किया था, जिसका मकसद सीमावर्ती राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और तेज प्रवर्तन तंत्र विकसित करना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। उल्लेखनीय है कि इस पहल में सीमावर्ती राज्यों पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड व दिल्ली, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के औषधि नियंत्रकों व वरिष्ठ अधिकारियों समेत 70 अधिकारियों ने भाग लिया। इन अधिकारियों ने अनुभव साझा करके भविष्य के लिए कारगर रणनीति को अंजाम देने पर गंभीर मंथन किया। बैठक में स्वीकार किया गया कि नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। इसमें दो राय नहीं कि देश के लिए घातक साबित हो रहे नशे के कारोबार पर अंकुश राज्यों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। इसके लिए जरूरी है कि विभिन्न राज्यों के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर इससे जुड़े डेटा साझा करने, पारदर्शी समन्वय और 'एक टीम, एक रणनीति' पर काम करें। साथ ही जरूरी है कि संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ काम करें। इस दौरान सात राज्यों के अधिकारियों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकने व नकली दवाइयों पर रोक लगाने के लिए सहयोग करने पर सहमति जतायी। इस नई चुनौती के मुकाबले के लिए विशेष प्रशिक्षण और सात राज्यों के ड्रग कंट्रोलरों और पुलिस अधिकारियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान पर सहमति बनी। इसमें दो राय नहीं कि यह जहरीला कारोबार सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं है बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच साझा चुनौती बना हुआ है, जिसका मुकाबल डेटा साझेदारी और पारदर्शी समन्वय से ही संभव है। खासकर सीमावर्ती राज्यों को तो अंतर्राष्ट्रीय व अंतरराज्यीय तस्करों से मुकाबले के लिए मिलकर काम करना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि चंडीगढ़ में आयोजित सेमिनार के निष्कर्ष राज्य व केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया ताकि साझी रणनीति तय की जा सके। दरअसल, हाल के दिनों में पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। संकट का एक पहलू यह भी है कि सीमावर्ती जिलों में किशोरों को नशे की आपूर्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब सरकार के विशेष अभियान के दौरान भी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। अनेक तस्कर व दोहरी भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मियों तक भी कानून के हाथ पहुंचे हैं। लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

छिले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। इस रणनीतिक महत्व के सेमिनार का आयोजन हरियाणा के खाद्य और औषधि प्रशासन ने किया था, जिसका मकसद सीमावर्ती राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और तेज प्रवर्तन तंत्र विकसित करना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। उल्लेखनीय है कि इस पहल में सीमावर्ती राज्यों पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड व दिल्ली, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के औषधि नियंत्रकों व वरिष्ठ अधिकारियों समेत 70 अधिकारियों ने भाग लिया। इन अधिकारियों ने अनुभव साझा करके भविष्य के लिए कारगर रणनीति को अंजाम देने पर गंभीर मंथन किया। बैठक में स्वीकार किया गया कि नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। इसमें दो राय नहीं कि देश के लिए घातक साबित हो रहे नशे के कारोबार पर अंकुश राज्यों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। इसके लिए जरूरी है कि विभिन्न राज्यों के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर इससे जुड़े डेटा साझा करने, पारदर्शी समन्वय और 'एक टीम, एक रणनीति' पर काम करें।

कुछ अलग

समर्पण के अहसास

पार्वती जी का नियम था कि वे नित्य विष्णुसहस्रनाम का पाठ करती थीं, एक दिन किंचित विलम्ब हुआ तो भगवान शंकर ने यह कहा कि मैं तो यह समझता हूं कि आप एक बार राम नाम ले लीजिए, फलतः आपका पाठ पूरा हो जाएगा। पार्वती जी ने ऐसा ही किया एवं 'राम' नाम ले लिया और शंकर जी के साथ भोजन करने बैठ गईं। इससे शिव जी इतने प्रसन्न हुए कि जैसे ही पार्वती जी ने भोजन समाप्त किया, शंकर जी ने पार्वती जी को अपने आलिंगन में ले लिया, उन्हें अपने में मिला करके अर्धनारीश्वर बन गए, एकाकार हो गए। पार्वती जी ने पूछा कि महाराज! विवाह के मंडप में विवाह हो जाने तक आप अर्धनारीश्वर नहीं बने, आज ही आप अर्धनारीश्वर क्यों बने! शंकर जी ने कहा कि हे पार्वती! मुझे विश्वास चाहिए और सच्चे अर्थों में अगर तुममें विश्वास की कमी होती तो तुम प्रतिप्रश्न करके पूछतीं कि हजार नाम और एक नाम बराबर कैसे हो जाएंगे? लेकिन आज सच्चे अर्थों में हम और तुम मिल करके दोनों एक हो गए।

दृष्टि कोण

पौष्टिक आहार के अक्षय पात्र का वृहद् विस्तार

महाभारत की एक कथा के अनुसार जब वनवास के दौरान पांडव सूर्य की उपासना करते हैं। सूर्य देव प्रसन्न होकर युधिष्ठिर को अक्षय पात्र देते हैं, जिसका भोजन कभी खत्म ही नहीं होता। इस्कॉन का अक्षय पात्र भी पांडवों के अक्षय पात्र की तरह हो गया है—भूखे, बेसहारा, गरीब, बेघर बुजुर्ग माताओं, आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों की भूख मिटाने का आज यह बड़ा सहारा बन गया है। साल 2000 में शुरू हुआ यह संकल्प आज चौथाई सदी की यात्रा पूरी कर चुका है। अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 24 लाख बच्चों को नियमित रूप से उनके स्कूलों में भोजन करा रहा है। साल 2001 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन योजना लागू करने का आदेश दिया। देश की सर्वोच्च अदालत में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया था कि खाद्य निगम के गोदामों में काफी मात्रा में अन्न सड़ जाता है। उस अन्न के जरिए मध्याह्न भोजन योजना लागू की जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय को यह तर्क जंचा और उसके ही आदेश पर समूचे देश के स्कूलों में दोपहर में बना हुआ भोजन देना जरूरी कर दिया गया। इसके पहले केंद्र की नरसिंह राव सरकार ने 15 अगस्त, 1995 को राष्ट्रीय पोषण योजना के तहत चुने हुए ब्लॉकों में शुरुआत की थी, जिसके तहत स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन मुहैया कराना शुरू हुआ। बाद में इसके तहत बच्चों को मुफ्त चावल दिया जाने लगा। अक्षय पात्र फाउंडेशन की शुरुआत के पीछे अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ यानी इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद का भी एक संकल्प कार्य कर रहा है। स्वामी प्रभुपाद पश्चिम बंगाल के मायापुर में भगवान कृष्ण के भजन में लीन रहते थे। एक बार उन्होंने अपनी खिड़की से देखा, कूड़े में फेंके गए भोजन को लेकर कुत्ते और कुछ बच्चों में खींचतान चल रही थी। यह कारुणिक दृश्य देखकर प्रभुपाद परेशान हो गए। उन्होंने तब संकल्प लिया कि वे ऐसी व्यवस्था करेंगे, जिसकी वजह से उनके आसपास कोई भूखा रहने को मजबूर न हो सके। इस्कॉन के मंदिरों में यह व्यवस्था अहर्निश अब तक जारी है। बहरहाल, दीन-दुखियों, बच्चों, विधवा और बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरुषों, स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराने के लिए इस्कॉन से जुड़े दो संतों ने अक्षय पात्र की स्थापना 2000 में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में की। इस्कॉन से जुड़े मधु पंडित दास और चंचलापति दास ने मिलकर अक्षय पात्र फाउंडेशन की स्थापना की। पहले साल इस योजना के तहत बेंगलुरू के पांच स्कूलों के 1,500 बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया गया। तब से फाउंडेशन कार्य कर रहा है। अक्षय पात्र योजना का उद्देश्य कुपोषित बच्चों को भोजन मुहैया कराना और उन्हें शिक्षा हासिल करने में सहयोगी बनना है। कालांतर में संस्था का विस्तार तेजी से हुआ। अक्षय पात्र के जरिए अब तक चार अरब से ज्यादा थालियां खिलाई जा चुकी हैं। अक्षय पात्र की पहुंच आज 23,978 से अधिक स्कूलों तक हो गई है। इस साल मार्च में अक्षय पात्र ने अपना 78वां रसोईघर स्थापित किया। अक्षय पात्र फाउंडेशन दान दाताओं से मिले सहयोग पर भी निर्भर है। अक्षय पात्र ने न सिर्फ भोजन की गुणवत्ता बेहतर बनाए रखी है, बल्कि पौष्टिकता और पोषण का भी ध्यान रखा है। उसके पास जो 78 रसोईघर हैं, वे पूरी तरह मशीनीकृत हैं। उनमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। सैकड़ों लोगों द्वारा तैयार भोजन को स्कूलों और आंगनबाड़ियों को पूरी तरह एयर कंडिशंड व्यवस्था में भेजा जाता है। भोजन में तेल, सब्जी, आटा, दाल, चावल, मसाले आदि जिस भी चीज का इस्तेमाल होता है, उनकी गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है।

खालिदा जिया की हालत नहीं सुधरी तो तारिक रहमान लौटेंगे बांग्लादेश, शीर्ष सैन्य अधिकारी हालचाल लेने अस्पताल पहुंचे

ढाका, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं होता और अगर वह उच्च इलाज के लिए विदेश ले जाने की हालत में नहीं हैं तो तारिक रहमान जल्द ही ब्रिटेन से बांग्लादेश लौट सकते हैं। उनके बेटे तारिक लंबे समय से लंदन में निर्वासन में् रह रहे हैं। ब्रिटेन और चीन से डॉक्टर्स ढाका पहुंच रहे हैं। वो खालिदा के स्वास्थ्य की जांच कर मेडिकल बोर्ड को अपनी राय देंगे। इसके बाद बोर्ड तय करेगा कि खालिदा का इलाज विदेश में होगा या बांग्लादेश में।

रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि अगर विदेश जाने की स्थिति में होगी तो सिंगापुर को प्राथमिकता दी जाएगी। सिंगापुर की ढाका से दूरी काफी कम है। अगर उन्हें वहां ले जाया जाता है तो तारिक रहमान अपनी मां के पास रहने के लिए सिंगापुर जाएंगे। अगर हालात खालिदा को विदेश ले जाने की इजाजत नहीं देते हैं, तो तारिक रहमान बहुत जल्द लंदन से बांग्लादेश के लिए रवाना होंगे।

बीएनपी महासचिव मिर्जा फख्रुल इस्लाम आलमगीर ने मंगलवार शाम लगभग छह बजे फेसबुक पोस्ट में लगभग यही इशारा किया है। इस साल की शुरुआत में जनवरी में खालिदा उच्च इलाज के लिए लंदन गई थीं। प्रोथोम अलो की दूसरी रिपोर्ट के अनुसार, देश के शीर्ष तीन सैन्य अफसर मंगलवार रात करीब नौ बजे ढाका के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती खालिदा जिया का हालचाल लेने पहुंचे। उन्होंने मेडिकल बोर्ड के सदस्यों से भी बातचीत की। खालिदा यहां 23 नवंबर से भर्ती हैं। उनकी हालत बेहद नाजुक है।

इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन के मुताबिक, बांग्लादेश के सैन्य प्रमुख जनरल वकर-उज-जमान, नौसेनाध्यक्ष एडमिरल एम नजमुल हसन, वायुसेना प्रमुख मार्शल हसन महमूद खान ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मुलाकात की। इस बीच, ब्रिटेन और चीन से दो विशेषज्ञ चिकित्सा दल ढाका पहुंचने वाले हैं। दोनों दल एयरपोर्ट से सीधे अस्पताल पहुंचेंगे। इसी दल की रिपोर्ट पर निर्भर होगा कि खालिदा का इलाज विदेश में होगा, या स्वदेश में।

न्यूज ब्रीफ

टी-शर्ट में कैमरा और छुपे हुए ईयरपीस से कपल ने कैसीनो को लगा दिया 7 करोड़ का चूना

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कैसीनो में चौंकाने वाली खबर आई है। सिडनी के लग्जरी क्राउन कैसीनो में मिकी माउस टी-शर्ट के अंदर छुपा एक छोटा सा कैमरा और कान में घुसे बारीक ईयरपीस ने 7 करोड़ रुपये की चोरी करवा दी। यहां एक चालाक कपल इतना शातिर निकला कि कुछ ही हफ्तों में कैसीनो को लाखों डॉलर का चूना लगा गया। रिपोर्ट के अनुसार 36 साल की दिलनोजा इसराइलोवा और उनके पति अलीशेरिखोजा इसराइलोव ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। यहां पहुंचते ही उन्होंने क्राउन कैसीनो की सदस्यता ली और फिर शुरू हुआ उनका हाई-टेक खेल। इस शातिर कपल ने मिकी माउस वाली टी-शर्ट में ऐसा बटन लगाया था, जो कैमरा से लाइव फुटेज सीधे मोबाइल पर भेजता था। इसके साथ ही, छुपे हुए ईयरपीस से दोनों एक-दूसरे को कार्ड्स की सटीक जानकारी देकर सही दांव लगाते थे। इसका नतीजा यह हुआ कि कुछ ही हफ्तों में उन्होंने 1.2 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (7 करोड़) की मोटी कमाई की। जब कैसीनो स्टाफ ने महिला की शर्ट टी-शर्ट पर लगे एक छोटे, छुपे कैमरे को देखा। इसके फौरान बाद अधिकारियों को सूचना दी गई और वे कैसीनो पहुंचे, जहां उन्होंने महिला और उसके पति को गिरफ्तार किया। कैमरा और ईयरपीस के अलावा, अधिकारियों को तलाशी के दौरान चुंबकीय डिटेक्टर और फोन के लिए मिरर अटैचमेंट भी मिला।

चीन में ह्यूमनॉइड रोबोट ने बिना इंसानी मदद के पूरी की 106 किलोमीटर की यात्रा

बीजिंग। पड़ोसी देश चीन में रोबोटिक्स के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है और अब इंसानों जैसे दिखने वाले एक ह्यूमनॉइड रोबोट ने ऐसा कुछ कर दिया हैं कि पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस रोबोट ने बिना रुके 106 किलोमीटर की यात्रा पूरी करके सबसे लंबी ऑटोनॉमस वॉक का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। खास बात यह है कि इस लंबे सफर के दौरान किसी भी तरह की इंसानी मदद नहीं लगी। रिकॉर्ड-ब्रेकिंग वॉक को चीन की रिसर्च टीम ने शुरू से आखिर तक अध्ययन किया। रोबोट ने पूरे रास्ते खुद बैलेंस बनाया, नेविगेशन सिस्टम के जरिए दिशा तय की और रास्ते में आने वाली परेशानियों और दिक्कतों से खुद को बचता हुआ आगे बढ़ता रहा। कुल मिलाकर यह अपनी तरह की पहली उपलब्धि है और रोबोट ने सभी को इंप्रेस किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, ह्यूमनॉइड रोबोट को खास तौर पर लंबी दूरी, कठिन सतहों और लगातार चलने की क्षमता को टेस्ट करने के लिए तैयार किया था। 106 किलोमीटर की दूरी तय करने के दौरान रोबोट ने स्टैमिना, स्थिरता और एनर्जी एफिशिएंसी- तीनों का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इससे यह साबित होता है कि रोबोट सिर्फ लैब टेस्ट तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वास्तविक दुनिया में भी लंबे समय तक काम कर सकते हैं। जानकारों का कहना है कि इस तरह की तकनीक आने वाले समय में कई बड़े बदलाव लाएगी।

लॉरेंट ने 15 साल की उम्र में हासिल की क्वांटम फिजिक्स में डॉक्टरेट की उपाधि

ब्रुसेल्स। बेल्जियम के लॉरेंट सिमंस ने सिर्फ 15 साल की उम्र में क्वांटम फिजिक्स में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल कर विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। एंटवर्प विश्वविद्यालय में अपनी डॉक्टरेट थीसिस जमा करने के बाद लॉरेंट दुनिया के सबसे कम उम्र के पीएचडी धारकों में से एक बन गए हैं। उनकी उपलब्धि वैज्ञानिक जगत को हैरान कर रही है। उन्हें लिटिल आइंस्टीन कहा जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लॉरेंट सिमंस 8 साल की उम्र में हाईस्कूल और 12 साल की उम्र में केवल 18 महीने में फिजिक्स में ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी कर ली थी। इस विलक्षण बालक का लक्ष्य एकेडमिक रिकॉर्ड तोड़ना नहीं है। लॉरेंट का लक्ष्य सुपर-ह्यूमन का निर्माण और इंसानों की जीवन प्रत्याशा बढ़ाना है। लॉरेंट अमेरिका-चीन की प्रमुख तकनीकी कंपनियों से मिले प्रस्ताव को भी ठुकरा चुके हैं। लॉरेंट की कहानी प्रतिभा, दृढ़ता और शिक्षा के लिए नए दृष्टिकोण का प्रतीक है। लॉरेंट सिमंस की शैक्षणिक यात्रा अविश्वसनीय स्पीड से आगे बढ़ी है। उन्होंने डिस्टिंक्शन के साथ ग्रेजुएशन की उपाधि प्राप्त की। इससे पहले उन्होंने 9 साल की उम्र में आइंडहोवन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग प्रोग्राम में भी एडमिशन लिया था, जिसे उन्होंने समय-सीमा पर असहमति के कारण छोड़ दिया था। अपनी मास्टर डिग्री की रिसर्च के दौरान लॉरेंट सिमंस ने क्वांटम ऑप्टिक्स में इंटर्नशिप की थी।

इमरान ने बहन से हुई मुलाकात में कहा- मुनीर मानसिक बीमार है और जान भी ले सकता है

इस्लामाबाद, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान ने मंगलवार को अपनी जान को गंभीर खतरा बताया। उनकी बहन डॉ. उज्मा खान से अदियाला जेल में 20 मिनट की मुलाकात के बाद जारी पार्टी के आधिकारिक बयान में इमरान ने दावा किया कि सैन्य प्रतिष्ठान अब उनकी हत्या करवाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा देख रहा है। उन्होंने साफ कहा, अगर मेरे साथ कुछ हुआ तो इसके लिए आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर और डीजी आईएसआई पूरी तरह जिम्मेदार होंगे।

पीटीआई ने आरोप लगाया कि इमरान खान को पूरी तरह एकांत कारावास (सॉलिटरी कन्फाइनमेंट) में रखा गया है, जहाँ बिजली, धूप, साफ पानी, अच्छा खाना और चिकित्सा सुविधाओं तक से वंचित किया जा रहा है। बयान में कहा गया है कि उन्हें मौत की सजा पाए कैदियों से भी बदतर हालात में रखा जा रहा है। इमरान ने बताया कि पाँच दिन तक उनके सेल की बिजली बंद रही और दस दिन तक उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया गया। उन्होंने अपने साथ हो रहे सलूक को जानवरों से भी बदतर और पिंजरे में बंद करना बताया। पूर्व प्रधानमंत्री ने जनरल आसिम मुनीर पर सीधा हमला बोलते हुए कहा, ये पाकिस्तान के इतिहास के सबसे जालिम और मानसिक रूप से अस्थिर तानाशाह हैं। उन्होंने मौजूदा व्यवस्था को पूरी तरह अलोकतांत्रिक करार दिया और कहा कि उनपर लगातार मानसिक यातना दी जा रही है।

हालांकि डॉ. उज्मा खान ने मुलाकात के बाद मीडिया से कहा कि उनका भाई शारीरिक रूप से तंदुरुस्त और मानसिक रूप से बेहद मजबूत है। उन्होंने बताया कि इमरान जेल प्रशासन के कुछ व्यवहार से नाराज जरूर थे, लेकिन उनका हौसला बुलंद है और वे पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए संदेश भेजते रहे। उज्मा ने यह भी कहा कि इमरान उत्साहित नजर आ रहे थे। गौरतलब है कि लंबे समय से इमरान खान को परिवार व वकीलों से मिलने की इजाजत नहीं दी जा रही थी। पिछले हफ्ते पीटीआई के देशव्यापी प्रदर्शनों और दबाव के बाद पहली बार उनकी बहन से मुलाकात की अनुमति मिली। पार्टी इसे अपनी बड़ी जीत मान रही है, वहीं इमरान के ताजा बयान ने पाकिस्तान की सियासत में नया तूफान खड़ा कर दिया है।

मुनीर को सीडीएफ बनाने में हिचक रहे शाहबाज शरीफ........छुटटी मनाने नवाज के पास लंदन पहुंचे

कराची। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को 29 नवंबर 2022 को सेना प्रमुख (सीओएसए) बनाया गया था, और उनका 3 साल का मूल कार्यकाल 29 नवंबर 2025 को समाप्त हो गया है। हालाँकि, पिछले साल पाकिस्तान की संसद ने कानून में संशोधन करके सेना प्रमुख का कार्यकाल 3 से बढ़ाकर 5 साल कर दिया था। इस कानूनी बदलाव के कारण, वह तकनीकी रूप से 2027 तक सीओएसए के पद पर बने रह सकते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया है, जो उन्हें जनरल अय्यूब खान के बाद यह पद प्राप्त करने वाला पाकिस्तान का दूसरा अधिकारी बनाता है। पाकिस्तान के संविधान में 27वां संशोधन किया है, जिसने चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) का नया और बेहद शक्तिशाली पद बनाया है। यह पद उन्हें तीनों सेनाओं (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) का प्रमुख बनाता है और 5 साल के लिए तय कार्यकाल देता है, जिसका अर्थ है कि वह 2030 तक इस पद पर बने रह सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी खींचतान सीडीएफ पद के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी होने को लेकर है। 27 नवंबर को चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी (सीजेसीएससी) के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल साहिर शमशाद मिर्जा रिटायर हो गए, जिसके बाद सीडीएफ का पद प्रभावी होना था। 29 नवंबर की समय सीमा बीतने के बावजूद, सीडीएफ पद पर आसिम मुनीर की नियुक्ति की अधिसूचना अब तक जारी नहीं हुई है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कथित तौर पर मुनीर को सीडीएफ बनाने से हिचक रहे हैं, क्योंकि इससे मुनीर के पास असीमित शक्तियां आ जाएंगी (जिसमें देश के परमाणु कमांड पर नियंत्रण भी शामिल है)। शहबाज शरीफ इस बीच विदेश दौरे (लंदन) पर हैं। लंदन में बैठे नवाज शरीफ का भी इस निर्णय पर प्रभाव हो सकता है, और संभवतः वह अधिसूचना जारी न करने के पक्ष में हैं, जबकि शहबाज शरीफ पर दबाव है कि इसे जारी किया जाए। इस देरी के कारण पाकिस्तान में एक असामान्य सैन्य नेतृत्व की स्थिति पैदा हो गई है।

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप में चक्रवाती तूफान से तबाही, बाढ़-भूस्खलन से 712 लोगों की मौत

जकार्ता, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंडोनेशिया का सुमात्रा द्वीप हाल ही में आए चक्रवाती तूफान से कराह रहा है। भीषण बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है। अब तक कम से कम 712 लोगों की मौत हो चुकी है। 402 से अधिक लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। चक्रवाती तूफान का सबसे अधिक प्रभाव उत्तरी सुमात्रा, पश्चिमी सुमात्रा और आचे प्रांत पर पड़ा है। इस आपदा का मुख्य कारण दो दुर्लभ उष्णकटिबंधीय चक्रवात के प्रभाव से हुई भारी बारिश और उसके बाद हुआ भूस्खलन है।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के नेतृत्व में सेना, पुलिस और स्वयंसेवी संगठन बचाव और राहत कार्यों में लगे हुए हैं। कई जगहों पर पुल और सड़कें टूट जाने से प्रभावित इलाकों तक मदद पहुंचाने में दलों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस आपदा में लाखों लोग बेघर हो गए हैं और भोजन -पानी की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं। यह इंडोनेशिया में हाल के वर्षों की सबसे घातक प्राकृतिक आपदा में से एक है।

प्रभावित प्रांतों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कहा कि वह इस संकट से अकेले नहीं निपट सकते। इन प्रतिनिधियों ने कहा कि आपदा के सात दिन बाद भी कई गांव अभी भी देश- दुनिया से कटे हुए हैं। आचे के गवर्नर मुजाकिर मनाफ तो तबाही का जिक्र करते हुए पत्रकारों के सामने रो पड़े। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के प्रशासन ने माना है कि बाढ़ और भूस्खलन से बड़ा नुकसान हुआ है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा-सोमालियाई कचरा, वह अमेरिका से कहीं और चले जाएं

वाशिंगटन। राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक में कहा कि वह अमेरिका में एक भी सोमालियाई प्रवासी को नहीं देखना चाहते। यह लोग कचरा हैं। यह सच में अमेरिका में रहने लायक नहीं हैं। उन्होंने यह टिप्पणी कैबिनेट बैठक में की। सोमालियों के खिलाफ यह गुस्सा व्हाइट हाउस की तरफ से पूरे समुदाय के खिलाफ माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति को सोमालियों के खिलाफ गुस्सा ऐसे समय पर आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को बाहर निकालने की योजना तैयार कर रहा है। यह बैठक दो घंटे तक चली। ट्रंप इस अभियान से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों से भी चर्चा की। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि रणनीति तैयार की जा रही है। एक संघीय अधिकारी ने कहा कि मिनियापोलिस और सेंट पॉल (मिनेसोटा) में एक नया अभियान शुरू होने वाला है। इस अभियान के दौरान सोमाली प्रवासियों को निशाना बनाया जाएगा। यह अभियान सबसे पहले मिनियापोलिस से शुरू होगा।

अमेरिका की यूक्रेन में ट्रंप के शांति प्रस्ताव पर रूस से नहीं बन सकी बात

मास्को, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलकर स्वदेश लौट रहे हैं। ट्रंप के यूक्रेन में शांति स्थापना का प्रस्ताव लेकर पहुंचे विटकॉफ व अन्य ने पुतिन से करीब पांच घंटे तक चर्चा की। फिलहाल दोनों के बीच युद्ध रुकने के कोई आसार नहीं हैं। प्रतिनिधिमंडल की रूस से बात नहीं बन सकी।

अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत खत्म होने के बाद इस घटनाक्रम पर पहली प्रतिक्रिया पुतिन के शीर्ष सहयोगी यूरी उशाकोव ने दी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन शांति प्रस्ताव पर अभी बहुत काम करना बाकी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बैठक लगभग पांच घंटे तक चली। यह बैठक वीकेंड में फ्लोरिडा में अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के तुरंत बाद हुई।

यूरी उशाकोव ने पत्रकारों से कहा कि बातचीत उपयोगी जरूर रही, लेकिन यूक्रेन में लंबे समय से चल रहे क्षेत्रीय मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं् हुई। क्षेत्रीय मुद्दा रूस के लिए ही नहीं अमेरिकियों के लिए भी सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, लेकिन कुछ अमेरिकी प्रस्ताव कमोबेश ठीक लग रहे हैं, लेकिन उन पर बात करने की जरूरत है।कुछ तरीके जो हमें सुझाए गए, वे हमें ठीक लगते हैं। उशाकोव ने जोर देकर कहा, 'हम यूक्रेन में संकट को सुलझाने के करीब नहीं हैं,और अभी बहुत काम करना बाकी है।' उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने हमें पिछले महीने पेश की गई 28 सूत्री शांति योजना के अलावा चार दस्तावेज और सौंपे हैं। यूरी ने यह नहीं बताया कि चार दस्तावेज में क्या है। उशाकोव ने कहा कि रूस और अमेरिका बातचीत की खास विवरण न बताने पर सहमत हुए हैं। उशाकोव ने कहा कि पुतिन और ट्रंप के बीच अभी कोई सीधी बातचीत की योजना नहीं है। पुतिन ने विटकॉफ और कुशनर से ट्रंप को कुछ जरूरी संदेश भिजवाएं हैं। उशाकोव ने कहा कि विटकॉफ और कुशनर अमेरिका लौटने वाले हैं। वह मास्को वार्ता पर ट्रंप के साथ बैठक करने के बाद रूसी अधिकारियों से फोन पर संपर्क करेंगे।

महिला ने नीली आंखों वाले बच्चे की चाहत में कराई सर्जरी

मॉस्को, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

आजकल एक रशियन महिला का मामला सुर्खियों में है, जिसने अपनी आंखों का रंग केवल सुंदर दिखने के लिए नहीं, बल्कि नीली आंखों वाले बच्चे को जन्म देने की चाह में बदलवा लिया। यह महिला गर्भावस्था के दौरान ही सर्जरी कराकर अपनी पुतलियों का रंग नीला करवा बैठी। एक लोकप्रिय पॉडकास्ट में महिला ने जोर देकर कहा कि प्रसव से पहले आंखों का रंग बदलने से उसके बच्चे का आनुवंशिक पैटर्न अपने आप पुनर्व्यवस्थित हो जाएगा और बच्ची को नई आंखों का रंग मिल जाएगा। हालांकि उसके ये दावे पूरी तरह से मिथक साबित हुए। वैज्ञानिकों ने स्पष्ट कहा कि बच्चे का डीएनए माता-पिता के जीन्स से गर्भाधान के क्षण में ही तय हो जाता है। गर्भावस्था के दौरान मां पर किए गए कोई भी कॉस्मेटिक बदलाव सर्जरी, टैटू या अन्य प्रक्रियाएं बच्चे के डीएनए या उसकी शारीरिक विशेषताओं को प्रभावित नहीं कर सकतीं। आंखों का रंग मेलेनिन

और जीन पूल पर निर्भर करता है, न कि मां द्वारा गर्भावस्था के दौरान करवाए गए कॉस्मेटिक उपचार पर। हालांकि, आंखों का रंग तकनीकी रूप से बदला जा सकता है। इसके लिए कई महंगी और जोखिम भरी प्रक्रियाएं मौजूद हैं, जैसे आर्टिफिशियल आईरिस इम्प्लांट, लेजर उपचार जिसमें आईरिस की सतह से मेलेनिन घटाया जाता है, और केराटोपिग्मेंटेशन जिसे कॉर्नियल टैटूइंग भी कहा जाता है। इन तकनीकों से आंखों का रंग बदला तो जा सकता है, लेकिन इनका बच्चे के गुणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इस मामले पर सोशल मीडिया में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कई लोगों ने महिला के तर्कों का मजाक उड़ाया। एक यूजर ने लिखा, 'मैंने गर्भवती होने से पहले लेजर हेयर रिमूवल करवा लिया था, ताकि मेरा बच्चा बाल रहित पैदा हो।'

वहीं दूसरे ने तंज किया, 'मैंने जर्मन सीख ली है ताकि मेरे बच्चे जन्म से ही जर्मन जानें। मैं कितनी अच्छी मां हूं!' लोगों की प्रतिक्रियाओं से साफ हो गया कि महिला का दावा न वैज्ञानिक रूप से सही है और न ही तार्किक। मालूम हो कि दुनियाभर में कई लोग खूबसूरत दिखने की चाह में बेहद खतरनाक सर्जरी तक करवा लेते हैं। कोई बट इम्प्लांट करवाता है, तो कोई होंठों का आकार बदलवाता है। कई महिलाएं पतली कमर पाने के लिए हड्डियां तक निकलवा देती हैं, जबकि कुछ अपनी आंखों की पुतलियों का रंग बदलवा लेती हैं।

मच्छरों को पालने बना डाली दुनिया की सबसे बड़ी फैक्ट्री

साओ पाउलो। पूरी दुनिया जहां मच्छरों से छुटकारा पाने की कोशिशों में लगी है, वहीं एक देश ऐसा भी है, जिसने मच्छरों को पालने के लिए दुनिया की सबसे बड़ी फैक्ट्री बना डाली है। ब्राजील ने डेंगू जैसी खतरनाक बीमारी से लड़ने के लिए एक अनोखा और वैज्ञानिक रास्ता चुना है। साओ पाउलो राज्य के कैम्पिनास शहर में बनाई गई इस फैक्ट्री में हर सप्ताह 19 करोड़ एडीज एजिप्टी मच्छर तैयार किए जा रहे हैं, जो डेंगू फैलाने वाला मुख्य प्रजाति का मच्छर है। करीब 1,300 वर्ग मीटर में फैली यह फैक्ट्री 'वर्ल्ड मॉस्किटो प्रोग्राम' के तहत संचालित है। इसे बनाने का निर्णय उस समय लिया गया, जब 2024 में ब्राजील को अपने इतिहास के सबसे बड़े डेंगू प्रकोप का सामना करना पड़ा। इस साल ब्राजील में दुनिया के कुल डेंगू मामलों का 80प्रतिशत से अधिक दर्ज हुआ, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए। यही कारण है कि देश ने इस गंभीर संकट से निपटने के लिए मच्छरों की इस विशाल परियोजना की शुरुआत की। फैक्ट्री में तैयार किए जा रहे इन मच्छरों का मकसद बीमारी फैलाना नहीं, बल्कि उसे रोकना है। इसके लिए वैज्ञानिक 'वोल्बाचिया विधि' का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तकनीक के तहत मच्छरों को विकास के दौरान एक प्राकृतिक बैक्टीरिया 'वोल्बाचिया' से संक्रमित किया जाता है। यह बैक्टीरिया मच्छरों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता, लेकिन उनके शरीर में डेंगू वायरस को विकसित होने नहीं देता। ऐसे में ये मच्छर किसी इंसान को काटें, तब भी बीमारी नहीं फैलती।

एमएलसी : सिएटल ऑर्काज़ के नए कोच बने एडम वोगेस

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच एडम वोगेस अगले सीज़न से मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में सिएटल ऑर्काज़ की कमान संभालेंगे। ऑर्काज़ ने लगातार पाँच मैच हारने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कोच मैथ्यू मोट को बर्खास्त किया था, जिसके बाद वोगेस को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वोगेस ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह मौजूदा घरेलू सीज़न के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच पद से हट जाएंगे। ऐसे में उनके एमएलसी की किसी टीम के साथ जुड़ने की संभावना पहले से ही जताई जा रही थी। वोगेस ने फ्रेंजाइजी के हवाले से कहा, 'मैं सिएटल ऑर्काज़ के साथ जुड़कर काफी उत्साहित हूं। एमएलसी लगातार आगे बढ़ रहा है और मैं टीम को मैदान के अंदर और बाहर सफलता दिलाने की कोशिश करूंगा।'

2018 में जस्टिन लैंगर की जगह लेने के बाद से वोगेस ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया को अभूतपूर्व सफलता दिलाई। उनकी कोचिंग में टीम ने कई खिताब अपने नाम किए और उन्हें भविष्य में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। मैकडॉनल्ड का वर्तमान अनुबंध 2027 तक है, लेकिन वह इसके आगे बढ़ाने के इच्छुक नहीं माने जा रहे।

वोगेस ऑस्ट्रेलिया ए और राष्ट्रीय टीम के साथ भी कोचिंग का अनुभव रख चुके हैं। साथ ही, उन्होंने अपनी टी20 फ्रेंचाइज़ी कोचिंग यात्रा की शुरुआत 'द हंड्रेड' में ट्रेंट रॉकेट्स के सहायक कोच के रूप में की है।

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट वोगेस को अपने बीबीएल फ्रेंचाइज़ी पर्थ स्कॉर्चर्स के कोच के रूप में बनाए रखने पर भी बातचीत कर रहा है। उनके नेतृत्व में स्कॉर्चर्स ने बीबीएल 11 और बीबीएल 12 के खिताब जीते थे। एक खिलाड़ी के तौर पर भी वोगेस दो बार टीम को चैंपियन बना चुके हैं।

वोगेस के हटने के बाद ब्यू कैसन और टिम मैकडोनाल्ड वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के नए मुख्य कोच के दावेदार हो सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में 61.87 की औसत से 20 मैच खेलने वाले वोगेस का मुख्य लक्ष्य ऑर्काज़ को फिर से शीर्ष पर पहुंचाना होगा। 2023 में फाइनल खेलने वाली यह टीम 2024–25 में सिर्फ 17 में से 4 मैच जीत सकी थी।

सिएटल ऑर्काज़ के प्रमुख हेमंत दुआ ने कहा, 'हम एडम वोगेस का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। वह जीत का मजबूत रिकॉर्ड, विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को तैयार करने की क्षमता और टी20 फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट की गहरी समझ लेकर आ रहे हैं। हमें विश्वास है कि उनकी शांत स्वभाव और रणनीतिक बुद्धिमत्ता टीम को खिताब तक ले जाने में मदद करेगी।'

सिएटल ऑर्काज़ का सह–स्वामित्व जीएमआर ग्रुप और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के पास भी है, जो आईपीएल और डब्ल्यूपीएल की दिल्ली कैपिटल्स, एसए 20 की प्रिटोरिया कैपिटल्स और आईएलटी 20 की दुबई कैपिटल्स के भी सह–मालिक हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

इंग्लैंड के महान क्रिकेटर 62 वर्षीय रॉबिन स्मिथ का निधन

पर्थ। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज़ रॉबिन स्मिथ का पर्थ में उनके घर पर अचानक निधन हो गया। वे 62 वर्ष के थे। स्मिथ को उनकी घुँघराली बालों के कारण 'द जज' के नाम से जाना जाता था। स्मिथ ने 1988 से 1996 के बीच इंग्लैंड के लिए 62 टेस्ट मैच खेले और 4,236 रन बनाए। उनका औसत 43.67 रहा और उनके नाम 9 टेस्ट शतक दर्ज हैं। उनकी पहचान का प्रमुख शॉट स्क्वेयर कट था। उन्होंने 71 वनडे भी खेले और 1992 विश्व कप फाइनल तक पहुंचने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1993 में एजबेस्टन में खेली गई उनकी नाबाद 167 रन की पारी 2016 तक इंग्लैंड का एकदिनी रिकॉर्ड रही। परिवार ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के माध्यम से बयान जारी किया कि रॉबिन सोमवार, 1 दिसंबर को अपने साउथ पर्थ स्थित अपार्टमेंट में अचानक चल बसे और मौत का कारण अभी अज्ञात है। परिवार ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके शराब और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पुराने मुद्दों के आधार पर मृत्यु पर किसी तरह की अटकलें न लगाई जाएँ। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में ब्रिटिश माता–पिता के घर जन्मे रॉबिन स्मिथ बाद में अपने भाई क्रिस स्मिथ के साथ इंग्लैंड आए। उन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हेडिंग्ले में टेस्ट डेब्यू किया। स्मिथ ने अपने करियर में दो टेस्ट शतक एशेज में और तीन वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाए, जिनमें 1994 में सेंट जॉन्स में बनाया गया 175 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। रिटायरमेंट के बाद वे पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में बस गए थे और पिछले महीने पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में भी मौजूद थे। कोच एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने उन्हें इंग्लैंड लायंस टीम को संबोधित करने के लिए भी आमंत्रित किया था। ईसीबी अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा, 'रॉबिन स्मिथ दुनिया के सबसे तेज़ गेंदबाजों के सामने मुस्कुराते हुए खड़े रहने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने अपने जज़्बे और दृढ़ता से इंग्लैंड क्रिकेट प्रशंसकों को गर्व और भरपूर मनोरंजन दिया।

एंडालूसा कोस्टा ओपन गोल्फ : भारत की अवनी और अदिति शीर्ष दस में जगह नहीं बना पायीं

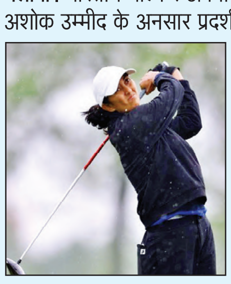

मलागा। भारतीय गोल्फर अवनी प्रशांत और अदिति अशोक उम्मीद के अनसार प्रदर्शन नहीं कर पायीं और सत्रांत एंडालूसा कोस्टा डेल सोल ओपन डी एस्पाना में संयुक्त रुप से 11 वें स्थान पर ही पहुंच पायीं हैं। अदिति और अवनी ने अंतिम दौर में एक–अंडर 71 का समान स्कोर बनाया। वहीं फ्रांस की नस्तासिया नादौद ने अंतिम दौर में शानदार छह–अंडर 66 का कार्ड खेलकर जीत दर्ज की। अवनी ने अंतिम दौर में चार बर्डी लगाईं हालां तीन बोगी करने से उनका स्कोर एक–अंडर पर ही रहा। वहीं दूसरी ओर अदिति ने तीन बर्डी और दो बोगी लगायीं। इन दोनों खिलाड़ियों ने 18वें और अंतिम होल में बोगी बनायी। वहीं भारत की ही हिताषी बख्शी 69 स्थान के साथ ही संयुक्त 43वें स्थान पर रहीं जबकि प्रणवी उर्स 73 वें और संयुक्त 47वें स्थान पर जबकि दीक्षा डागर 75 संयुक्त 71वें स्थान पर रहीं।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (टीटी) : चितकारा का फाइनल में दबदबा; एडमस की स्नेहा ने रोमांचक संघर्ष के बाद दिलाई खिताबी भिड़ंत

जोधपुर। चेनपुरा इंडोर स्टेडियम में चल रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में टेबल टेनिस के सेमीफ़ाइनल और क्वार्टर फ़ाइनल मुकाबले खेले गए, जहाँ चितकारा यूनिवर्सिटी ने दोनों वर्गों में आसानी से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। पुरुषों के सेमीफाइनल में, चितकारा यूनिवर्सिटी ने यशांश मलिक और रेगन अल्बुकर्क के शानदार प्रदर्शन से जैन यूनिवर्सिटी को 3–0 से आसानी से पराजित किया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने एडमस यूनिवर्सिटी को 3–1 से हराया। यह मुकाबला कड़ा रहा, जिसमें चंडीगढ़ ने एक टाई गंवा दिया, लेकिन दिव्यांश श्रीवास्तव और कुशल चोपड़ा ने संयमित खेल दिखाते हुए टीम को फाइनल में पहुँचाया। महिला वर्ग के सेमीफाइनल में चितकारा यूनिवर्सिटी ने पंजाब यूनिवर्सिटी को 3–0 से एकतरफा मात दी। हालांकि, दूसरे सेमीफाइनल में एडमस यूनिवर्सिटी और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के बीच का मुकाबला दिन का सबसे रोमांचक संघर्ष रहा, जिसका फैसला निर्णायक मैच में 3–2 से हुआ। एडमस की स्नेहा भौमिक ने निर्णायक ड्यूस गेम में नेट कॉर्ड से आए भाग्यशाली ड्रॉप पॉइंट के दम पर चंडीगढ़ की हरदीप पटेल को 3–2 से शिकस्त देकर एडमस को जीत दिलाई। क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में भी कड़ा संघर्ष देखने को मिला। चितकारा को एसआरएम यूनिवर्सिटी से शुरुआती चुनौती मिली, जब रैगन पहले मैच में हारे, लेकिन यशांश और वेस्ली की बदौलत टीम 3–1 से जीती।

भारत 359 रन बनाकर भी मैच नहीं बचा सका : दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा वनडे 4 विकेट से जीता, सीरीज 1–1 से बराबर

रायपुर, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में भले ही टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 358 रन बोर्ड पर लगाए, लेकिन इसके बावजूद भी भारतीय गेंदबाज मैच को बचा नहीं पाए और आखिरी ओवर में ही साउथ अफ्रीका की टीम जीत गई। साउथ अफ्रीका की जीत के हीरो एडेन मार्करम रहे, जिन्होंने 110 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। चेज करते हुए विदेश में यह साउथ अफ्रीका की सबसे बड़ी जीत है।

टीम इंडिया ने बोर्ड पर टांगे थे 358 रन

विराट कोहली के लगातार दूसरे शतक और रुतुराज गायकवाड़ के करियर के पहले शतक से भारत ने बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट पर 358 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। कोहली (102 रन, 93 गेंद, सात चौके, दो छक्के) और गायकवाड़ (105 रन, 83 गेंद, 12 चौके, दो छक्के) ने शतक जड़ने के अलावा तीसरे विकेट के लिए 195 रन की सझेदारी भी की जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल में इस विकेट की भारत की सबसे बड़ी साझेदारी है।

कप्तान केएल राहुल ने भी अंतिम ओवरों में 43 गेंद में छह चौकों और दो छक्कों से नाबाद 66 रन की उम्दा पारी खेली। भारत को एक बार फिर टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी का मौका मिला। टीम की शुरुआत खराब रही। रोहित शर्मा (14) ने नांद्रे बर्गर के पांचवें ओवर में लगातार तीन चौके मारे लेकिन इसी ओवर में विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच दे बैठे। यशस्वी जायसवाल (22) ने अच्छी शुरुआत की लेकिन मार्को यानसेन (63 रन पर दो विकेट) की उछाल लेती गेंद को हवा में लहराकर स्क्वायर लेग पर कोर्बिन बॉश के हाथों लपके गए।

कोहली की एक और तगड़ी पारी

पावर प्ले के भीतर भारत का स्कोर दो विकेट पर 62 रन हो गया लेकिन फॉर्म में चल रहे कोहली और गायकवाड़ ने इसके बाद मोर्चा संभाला। रांची में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए असहज नजर आने वाले गायकवाड़ ने यहां कोहली के साथ शानदार साझेदारी की और दोनों ने मैदान के चारों तरफ शॉट खेले। कोहली ने फरवरी 2018 में डरबन में अजिंक्य रहाणे के साथ 189 रन की साझेदरी की थी लेकिन कुछ मायनों में गायकवाड़ के साथ इस साझेदारी का उन्होंने अधिक लुत्फ उठाया होगा क्योंकि महाराष्ट्र के इस बल्लेबाज ने उनकी ही शैली में बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने स्ट्राइक रोटेट करने को तरजीह दी और कुछ मौकों पर आसानी से एक रन को दो रन में बदला। गायकवाड़ शुरुआत में थोड़े असहज नजर आए लेकिन एक बार आत्मविश्वास हासिल करने के बाद उन्होंने कई आकर्षक शॉट खेले। गायकवाड़ ने मारक्रम की गेंद पर एक रन के साथ अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया। कोहली ने भी लुंगी एनगिडी की गेंद पर एक रन के साथ 47 गेंद में अर्धशतक जड़ा।

अर्धशतक पूरा करने के बाद गायकवाड़ ने केशव महाराज पर दो चौके जड़े और फिर इस स्पिनर के 28वें ओवर में भी दो चौके और एक छक्का मारा। उन्होंने 34वें ओवर में कोर्बिन बॉश पर लगातार दो चौकों के साथ 77 गेंद में अपने करियर का पहला शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के तुरंद बाद गायकवाड़ ने यानसेन की गेंद पर टॉनी डिजॉर्जी को कैच थमाया। कोहली ने भी यानसेन की गेंद पर एक रन के साथ रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 53वां शतक पूरा किया लेकिन फिर एनगिडी की गेंद पर एडेन मारक्रम को कैच दे बैठे।

एथलीट संजना और उनके कोच संदीप डोपिंग मामले में अस्थायी रूप से निलंबित

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

हाल ही में रांची में आयोजित दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स सीनियर चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली 18 वर्षीय एथलीट संजना सिंह और उनके कोच संदीप मान को डोपिंग उल्लंघन के चलते अस्थायी निलंबन का सामना करना पड़ा है। यह एक दुर्लभ मामला है, जिसमें एथलीट के साथ उसके कोच को भी सज़ा दी गई है। संजना, जिन्होंने अक्टूबर में हुई प्रतियोगिता में महिलाओं की 1500 मीटर और 5000 मीटर रेस में स्वर्ण पदक जीते थे, उनके सैंपल में दो प्रतिबंधित स्टेरॉयड — मिथैंडीनोन और ऑक्सांड्रोलोन — पाए गए। इसके बाद राष्ट्रीय एंटी–डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। 23 दिसंबर को 19 वर्ष की होने वाली संजना का नाम नाडा की वेबसाइट पर ताज़ा अपडेट में दर्ज किया गया है। नाडा ने एक एथलेटिक्स कोच संदीप के खिलाफ भी कार्रवाई की है, जिन्हें 'प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी या तस्करी के प्रयास' के आरोप में अस्थायी निलंबन दिया गया है। माना जा रहा है कि यह वही संदीप मान हैं, जिनके तहत संजना हरियाणा के रोहतक में प्रशिक्षण लेती हैं। इसके अलावा, मध्य दूरी धावक हिमांशु राठी को भी मेफ़ेंटर्मिन नामक प्रतिबंधित उत्तेजक पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर अस्थायी निलंबित किया गया है। त्रिपल जम्पर शीना वार्की ने लिगैंड्रोल के उल्लंघन के मामले में 'केस रेज़ोल्यूशन एग्रीमेंट' के तहत 3 साल के प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है। केरल की 33 वर्षीय एथलीट ने इस वर्ष उत्तराखंड नेशनल गेम्स में रजत पदक जीता था। एक अन्य एथलीट बसंती कुमारी, जिन्होंने 2025 वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में मैराथन में हिस्सा लिया था, उनके सैंपल में 19–नोरएंड्रोस्टेरोन पाया गया है। वहीं, हाल ही में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले वेटलिफ्टर शंकर लोगेस्वरन को ड्रोस्टेनोलोन स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर अस्थायी निलंबन झेलना पड़ा है।

भाई बोला मंधाना और पलाश की शादी की नई तारीख अभी तय नहीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल की शादी जब से टली है। नये–नये बयान सामने आ रहे हैं। वहीं अब कहा जा रहा है कि इन दोनो की शादी 7 दिसंबर को हो सकती है। वहीं मंधाना के भाई ने इस बात को ही नहीं बताया है। स्मृति की शादी 23 नवंबर को होनी थी पर पिता को दिल का दौरा पड़ने के बाद टाल दी गयी थी। इसके बाद पलाश भी बीमार हुए थे। वहीं मंधाना के भाई का कहना है कि अब पिता की तबियत ठीक है। पलाश भी स्वस्थ हो गये हैं पर दोनो ही परिवारों ने शादी की नई तारीख की घोषणा नहीं की है। सोशल मीडिया पर दोनों की सात दिसंबर को शादी करने की बात को उन्होंने अफवाह बताया है। साथ ही कहा कि शादी अभी तक स्थगित बनी हुई है। श्रवण ने कहा, 'मुझे इन अफवाहों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अभी तक, यह शादी स्थगित है।' उन्होंने शादी की 7 दिसंबर की बात पर कहा और अभी कोई नई तारीख तय नहीं हुई है। हैरानी की बात ये भी है कि मंधाना ने अपनी शादी और पलाश से जुड़े सारे पोस्ट डिलीट कर दिए हैं।

गुलाबी गेंद वाले प्रारुप के नाकाम होने के कारण सामने आये

ऑस्ट्रेलिया तक ही सीमित रह गये हैं ये मुकाबले

ब्रिस्बेन, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को गुलाबी गेंद से दिन रात का टेस्ट मैच शुरु होगा। ये गुलाबी गेंद से 24 वां मैच होगा। गुलाबी गेंद से मैच की शुरुआत साल 2015 से हुई थी और तब लग रहा था कि खेल में एक नयापन आयेगा पर ऐसा नहीं हो पाया। एक दशक के बाद भी अब तक काफी कम मैच हुए है। जो हुए हैं उनमें से अधिकतर ऑस्ट्रेलिया में हुए हैं। अन्य देशों में से सफल नहीं रहे हैं। इसके पीछे कई कारण रहे हैं। इसी को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में इवेंट्स और ऑपरेशंस के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर जोएल मॉरिसन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में दिन–रात का प्रारुप इसलिए सफल रहा क्योंकि गर्मियों में मौसम बहुत अच्छा होता है। वहीं विश्व स्तर के स्टेडियम और सुविधाएं यहां हैं। फ्लड लाइटिंग भी बहुत अच्छी होती है। इसके अलावा इस प्रारुप की सफलता के लिए कई अन्य उपाय भी किये गये हैं जिससे गुलाबी गेंद के मुकाबले हालात के अनुरुप हों।

पिछले कुछ सालों में यह बात सामने आयी है कि दिन–रात मैच के लिए आदर्श स्थल तैयार करना आसान नहीं होता है। इसके लिए आपको कुछ खास तरह के बदलावों की जरुरत होती है। इनमें ओस का कम असर, ऐसी पिच जो गुलाबी गेंद को लंबे समय तक सहायता करें बनानी होती है। ओस को देखते हुए पिच कुछ सख्त बनायी जाती है पर ऐसी भी नहीं कि हालात खेलने लायक न रहें। वहीं इंग्लैंड में मौसम की समस्या है, जबकि भारत में ओस से परेशानी है। दक्षिण अफ्रीका में एक गुलाबी गेंद से मैच खेला गया था पर वहां लाइट्स की समस्या होती है। श्रीलंका में फ्लडलाइट्स नहीं हैं जबकि पाकिस्तान में अभी तक इसका आयोजन नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज भी सही स्थल नहीं साबित हुए हैं।

हालांकि इस प्रारुप की शुरुआत धमाकेदार रही थी। एक दशक पहले 27 नवंबर 2015 को मार्टिन गप्टिल ने एडिलेड में मिचेल स्टार्क की पहली गेंद का सामना किया था। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया, ये मैच काफी मनोरंजक तो था पर इसमें कुछ विवाद भी हुए, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से जीता। बहुत सारे दर्शक मैच देखने के लिए आए। टीवी रेटिंग्स भी दमदार थी पर इसके बाद भी ये प्रारुप अधिक विकास नहीं कर पाया और ऑस्ट्रेलिया का ही होकर रह गया है। गौरतब है कि कि साल 2000 से ही इस प्रकार के टेस्ट शुरू करने की मांग होने लगी थी। साल 2010 में एक बार इंग्लैंड और बांग्लादेश के बीच लॉर्ड्स में अंडर लाइट्स टेस्ट कराने की तैयारी थी पर ये योजना सफल नहीं रही थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सीईओ जेम्स सदरलैंड डे–नाइट टेस्ट को शुरू कराने के पीछे थे। भारतीय टीम ने ने कुल 5 गुलाबी गेंद वाले मैच खेले हैं।

हैप कप : अंतर्राष्ट्रीय सेलिब्रेटी क्रिकेट लीग का सफल आयोजन

दिव्यांगजन दिवस पर समावेशी खेल समागम

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर, जिमखाना ग्राउंड, सिकंदराबाद में 3 दिसंबर को हैप कप टूर्नामेंट – अंतर्राष्ट्रीय सेलिब्रेटी क्रिकेट लीग का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, खेल प्रेमियों, दिव्यांग एथलीटों और तेलंगाना भर के 500 से अधिक छात्रों को एक साथ लाकर इसे वर्ष के सबसे समावेशी और प्रभावशाली खेल आयोजनों में से एक बना दिया।टूर्नामेंट का औपचारिक उद्घाटन तेलंगाना के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र, आईपीएस द्वारा किया गया, जिन्होंने पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित किया। उनकी भागीदारी ने खेल में सशक्तिकरण, समावेशिता और समान अवसर के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक थी। उद्घाटन के दौरान, स्पोर्ट्स विलेज मल्टीस्पोर्ट्स के प्रमोटर मोहम्मद शम्सुद्दीन और आईसीसीएल इंडिया फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष पवन ठाकुर भी डॉ. जितेंद्र के साथ एकता और सामुदायिक भागीदारी की भावना को बनाए रखने के लिए उपस्थित थे।इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण ब्रिटिश उप उच्चायुक्त, महामहिम गैरेथ व्यान ओवेन की उपस्थिति थी। उन्होंने व्हीलचेयर क्रिकेट खिलाड़ियों और स्कूली बच्चों के साथ गर्मजोशी से बातचीत की, उनके उत्साह और उल्लेखनीय खेल भावना को स्वीकार किया। उनके बाईं ओर मोहम्मद शम्सुद्दीन खड़े थे, जिनके समावेशी खेलों को बढ़ावा देने के प्रयासों को व्यापक रूप से सराहा गया है।इस कार्यक्रम की शोभा मीडिया और संचार प्रतिनिधि (कांग्रेस) श्री इरफ़ान अज़ीज़ सहित विभिन्न क्षेत्रों के अन्य आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों ने भी बढ़ाई। उनकी उपस्थिति ने खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देने और दिव्यांग व्यक्तियों और युवाओं के लिए समान भागीदारी को प्रोत्साहित करने के महत्व को रेखांकित किया।संयुक्त राष्ट्र के समावेशिता के वैश्विक दृष्टिकोण के अनुरूप आयोजित, हैप कप टूर्नामेंट ने क्रिकेट, व्हीलचेयर क्रिकेट, शॉट–पुट गतिविधियों और अन्य खेल गतिविधियों को प्रदर्शित किया, जिन्हें क्षमता, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का जश्न मनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। स्पोर्ट्स विलेज मल्टीस्पोर्ट्स टीम, आईसीसीएल इंडिया फाउंडेशन, और सहायक भागीदारों ने सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सहज और प्रेरणादायक अनुभव सुनिश्चित किया।हैप कप का 2025 संस्करण एक समावेशी समाज के निर्माण में खेल की शक्ति का प्रमाण है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को भाग लेने, उत्कृष्टता प्राप्त करने और अपनी ताकत का जश्न मनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

भारत में टेस्ला की शुरुआत धीमी, सितंबर से अब तक 157 वाहन ही हुए डिलीवरी

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के तेजी से बढ़ते लग्जरी इलेक्ट्रिक व्हीकल बाजार में टेस्ला की एंट्री धीमी रही। कंपनी ने इस साल सितंबर में डिलीवरी शुरू करने के बाद से केवल 157 यूनिट की बिक्री की। सरकार के वाहन पोर्टल के मुताबिक टेस्ला का प्रदर्शन नवंबर में पहले से स्थापित लग्जरी प्लेयर्स बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज से खराब रहा। टेस्ला ने नवंबर में कुल 48 यूनिट की ही बिक्री की। टेस्ला की तुलना में बीएमडब्ल्यू इंडिया ने नवंबर में 267 ईवी की बिक्री की जिससे प्रीमियम सेगमेंट में टेस्ला को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। यूएस-बेस्ड ऑटोमेकर ने भारत में अपनी पहली पेशकश के रूप में मॉडल वाई इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च की, इस मॉडल के साथ कंपनी का भारत में संचालन शुरू हो गया। शुरुआती उत्साह के बावजूद कंपनी के बिक्री आंकड़े से पता चलता है कि टेस्ला को अभी लंबा इंतजार करना होगा, जिसके बाद ही कंपनी पहले से स्थापित लग्जरी ब्रांड को चैलेंज कर सकेगी। बिक्री में धीमी गति के बावजूद भी टेस्ला भारत में अपने फुटप्रिंट लगातार बढ़ा रही है। बीते हफ्ते ही कंपनी ने अपने पहले ऑल-इन-वन टेस्ला सेंटर को गुरुग्राम में खोलने का ऐलान किया था। ग्राहकों को संपूर्ण ऑनरशिप एक्सपीरियंस प्रदान करते हुए गुरुग्राम सेक्टर 48 में ऑर्किड बिजनेस पार्क में नई फैसिलिटी को रिटेल, आफ्टर-सेल्स सर्विस, डिलीवरी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं सभी एक ही छत के नीचे उपलब्ध करवाई जाएंगी। टेस्ला इंडिया के जनरल मैनेजर ने कहा कि उत्तर भारत में तेजी से बढ़ती टेस्ला कम्युनिटी को सपोर्ट करने की दिशा में गुरुग्राम सेंटर एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि कंपनी का उद्देश्य लोगों के काम करने, ट्रैवल और डाइन करने की जगहों पर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को सुविधाजनक बनाना है।

टेस्ला की तुलना में बीएमडब्ल्यू इंडिया ने नवंबर में 267 ईवी कारें बेचीं

न्यूज ब्रीफ

भावांतर योजना : सोयाबीन का मॉडल रेट 4235 प्रति क्विंटल जारी

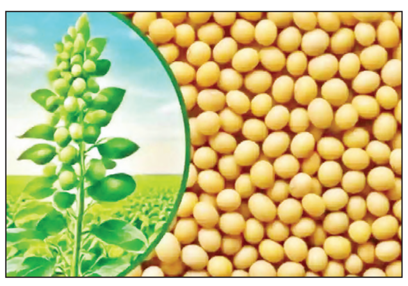

इंदौर। भावांतर योजना 2025 के अंतर्गत, सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए 2 दिसंबर को 4235 प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया है। यह मॉडल रेट उन किसानों पर लागू होगा जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है। इसी मॉडल रेट के आधार पर किसानों को देय भावांतर राशि की गणना की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा मॉडल रेट और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अंतर की राशि किसानों को प्रदान की जा रही है। राज्य सरकार ने यह गारंटी दी है कि किसानों को सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्य 5328 प्रति क्विंटल की राशि हर हाल में मिलेगी। सोयाबीन का पहला मॉडल रेट 7 नवंबर को 4020 प्रति क्विंटल जारी किया गया था। इसके बाद, 8 नवंबर को 4033 रुपए, 9 और 10 नवंबर को 4036 रुपए, 11 नवंबर को 4056 रुपए, 12 नवंबर को 4077 रुपए, 13 नवंबर को 4130 रुपए, 14 नवंबर को 4184 रुपए, 15 नवंबर को 4225 रुपए, 16 नवंबर को 4234 रुपए, 17 नवंबर को 4236 रुपए, 18 नवंबर को 4255 रुपए, 19 नवंबर को 4263 रुपए, 20 नवंबर को 4267 रुपए, 21 नवंबर को 4271 रुपए और 22 नवंबर को 4285 रुपए का मॉडल रेट जारी हुआ था। नवंबर माह के अंत में, 23 और 24 नवंबर को यह रेट 4282 रुपए, 25 नवंबर को 4277 रुपए, 26 नवंबर को 4265 रुपए, 27 नवंबर को 4252 रुपए, 28 नवंबर को 4260 रुपए, 29 नवंबर को 4240 रुपए, 30 नवंबर को 4237 रुपए और 1 दिसंबर को 4239 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त दर्ज की गयी है। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,30,800 रुपये जबकि चांदी के भाव 1,84,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरबरी अनुबंध 791 रुपये की तेजी के साथ 1,30,550 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,29,759 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 1,030 रुपये बढ़कर 1,30,789 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,30,955 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,30,550 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं सोने के वायदा भाव 1,31,699 रुपये के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 2,198 रुपये बढ़कर 1,83,799 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,81,601 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 2,704 रुपये की तेजी के साथ 1,84,305 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,84,727 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,83,000 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव 1,84,727 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

मप्र का दूसरा अनुपूरक बजट है मोहन सरकार के विकास-विजन की नई रूपरेखा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेश किया गया वित्त वर्ष 2025-26 का दूसरा अनुपूरक बजट राज्य की विकास प्राथमिकताओं और राजनीतिक दिशा दोनों का दस्तावेज कहा जा सकता है। कुल 13,476 करोड़ 94 लाख रुपए के इस अनुपूरक प्रावधान में ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, जल संसाधन, बुनियादी ढांचा और उद्योग निवेश को सबसे अधिक महत्व दिया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के अनुसार यह बजट जनकल्याण और राज्य निर्माण की निरंतर यात्रा का विस्तार है। यह अनुपूरक बजट स्पष्ट संकेत देता दिखा है कि सरकार अपनी प्राथमिकताएं तय कर चुकी है जिसमें गांव, गरीब, महिला, युवा और बुनियादी ढांचा विकासक्रम में सबसे ऊपर हैं। यह दिशा चुनावी राजनीति से इतर एक दीर्घकालिक विकास-ढाँचे की ओर बढ़ते मध्य प्रदेश की तस्वीर भी पेश करती है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान यह संकेत देता है कि घर सिर्फ एक सरंचना भर नहीं है, यह ग्रामीण गरीबी उन्मूलन और सामाजिक सुरक्षा का दृढ़ आधार है। यह आवंटन आवासहीन परिवारों को स्थायित्व प्रदान करता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति देता है क्योंकि निर्माण कार्य स्थानीय श्रम और सामग्री को सक्रिय करते हैं। पंचायत विभाग को 1,633 करोड़ रुपये का अनुदान 15वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के अनुरूप दिया गया है।

नए प्रोडक्ट लॉन्च करने की योजना बना रही हुंडई

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। हुंडई के चेन्नई के श्रीपेरंबुदूर प्लांट के पास कंपनी की एक नई टेस्ट कार देखी गई। यह स्पॉटिंग ऐसे समय में हुई है जब हुंडई घरेलू बाजार में फिर से मजबूत वापसी की तैयारी कर रही है। कंपनी अब अपने पूरे लाइनअप को अपडेट करने और नए प्रोडक्ट लॉन्च करने की योजना बना रही है। हुंडई आने वाले समय में लगभग हर सेगमेंट में नए मॉडल और अपडेट लाने वाली है। इसमें छोटी कारों से लेकर बड़ी एसयूवी, ईवी और हाइब्रिड वाहन शामिल हैं। कंपनी कुल 26 नए लॉन्च और अपडेट प्लान कर रही है, जिनमें 7-8 बिल्कुल नए मॉडल होंगे। इनमें सबसे बड़ी खबर है हुंडई की पहली 'पूरी तरह भारत में डेवलप की गई इलेक्ट्रिक एसयूवी', जो 2027 में लॉन्च होगी और खास भारतीय जरूरतों के अनुसार डिजाइन की जा रही है। चेन्नई में देखी गई टेस्ट कार इलेक्ट्रिक एसयूवी नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फ्यूल कैप और एग्जॉस्ट पाइप साफ दिख रहे हैं, जो इसे पेट्रोल मॉडल साबित करते हैं। इसके आधार पर माना जा रहा है कि यह या तो हुंडई एक्सटर फेसलिफ्ट हो सकती है या भारत के लिए तैयार हुंडई बायोन। एक्सटर फेसलिफ्ट में प्रीमियम इंटीरियर, 12.9-इंच टचस्क्रीन, 9.9-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले और नया इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा। अगर यह कार बायोन है, तो यह 2026 के मध्य में भारत में लॉन्च हो सकती है। इसे एक्सटर और वेन्यू के बीच पोजिशन किया जाएगा और इसमें नया 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन मिल सकता है। अगले दो से तीन वर्षों में हुंडई एसयूवी, एमपीवी, हाइब्रिड, ईवीऔर नए इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ अपना पूरा पोर्टफोलियो बदलने वाली है, जिससे भारतीय बाजार में फिर से अपनी पकड़ मजबूत करेगी। मालूम हो कि कभी भारत की नंबर-2 कार ब्रांड रही हुंडई अब टाटा और महिंद्रा के पीछे खिसक गई है।

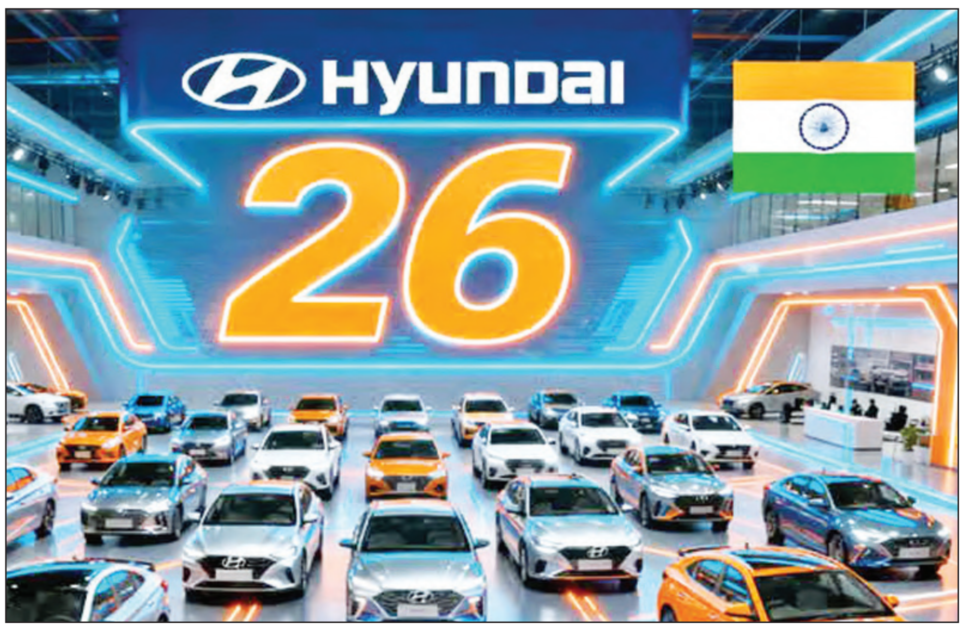

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री दिसंबर महीने में कई नए मॉडल करेगी पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में जल्द ही ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री कई नए मॉडल पेश करने वाली है। दिसंबर महीने एसयूवी सेगमेंट में कई शानदार लॉन्च होने वाले हैं, जिनमें मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और किआ के मॉडल शामिल हैं। मारुति सुजुकी अपनी पहली पैसेंजर इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा के साथ ईवी सेगमेंट में कदम रख रही है। यह नई एसयूवी हार्टेक्ट ई-स्केटबोर्ड प्लेटफॉर्म पर आधारित है और एक चार्ज में 500 किमी से अधिक रेंज देने का दावा करती है। लॉन्च के समय इसमें 49 केडब्ल्यूएच और 61 केडब्ल्यूएच बैटरी ऑप्शन मिलेंगे। केबिन में 12.3-इंच टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट डिस्प्ले, लेवल 2 अडास, ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल और सीट वेंटिलेशन जैसे फीचर्स होंगे। ई-विटारा को चार वेरिएंट में पेश किया जाएगा और इसका लॉन्च 2 दिसंबर को होगा। टाटा मोटर्स हैरियर और सफारी में पेट्रोल वेरिएंट पेश करने जा रही है। दोनों एसयूवी में नया 1.5-लीटर चार-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड डायरेक्ट-इंजेक्शन पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 168 पीएस पावर और 280 एनएम टॉर्क प्रदान करेगा। यह 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आएगी। पेट्रोल वेरिएंट की कीमत डीजल वर्जन की तुलना में कम होने की उम्मीद है और दोनों एसयूवी 9 दिसंबर को लॉन्च होंगी। किआ की सेकंड-जेनरेशन सेल्टोस भी अपने इंटरनेशनल प्रीमियर के करीब है। यह एसयूवी 10 दिसंबर को कोरिया में लॉन्च होगी और 2026 की शुरुआत में भारत में एंट्री करेगी। नई सेल्टोस में नया मेश-पैटर्न ग्रिल, सी-शेप डीआरएलएस, एलईडी हेडलैंप और बेहतर क्वालिटी के मटीरियल के साथ नया डैशबोर्ड मिलेगा।

नया स्मार्टफोन वनप्लस एसीई 6टी जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। अपना नया स्मार्टफोन वनप्लस एसीई 6टी वनप्लस कंपनी जल्द ही लॉन्च करने जा रही है। कंपनी ने पहले ही कन्फर्म कर दिया है कि यह डिवाइस 3 दिसंबर को लॉन्च होगी। फोन हाई-एंड गेमिंग के लिए 165एफपीएस तक का गेमप्ले सपोर्ट करेगा। इसके अलावा, वनप्लस ने जेनशिन इम्पैक्ट के साथ पार्टनरशिप की है, जिससे यूजर्स को फोन पर फास्ट लोडिंग और स्टार्टअप के साथ नए वर्जन के लिए ऑनगोइंग ऑप्टिमाइजेशन मिलेगा।

लिग ऑफ लीजेंडस: विल्ड रिफट, कार्टराइडर रस प्लस और क्लास आफ क्लान्स जैसी पॉपुलर गेम्स इस फोन पर 165एफपीएस पर स्मूद रन होंगी। एसीई 6टी में 165 एचझेड रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले दिया गया है और गेमिंग सॉफ्टवेयर को भी हाई-परफॉर्मेंस के लिए ट्यून किया गया है। यह स्मार्टफोन क्वालकॉम के नए स्नैपड्रैगन 8 जेनरेशन 5 चिपसेट से लैस होगा, जिसमें 3एनएम प्रोसेसर, 3.8जीएचझेड के 2 प्राइम कोर और 3.32जीएचझेड पर 6 परफॉर्मेंस कोर शामिल हैं। फोन में 360 डिग्री सराउंड एंटीना सिस्टम और ड्यूल गोल्ड गेमिंग एंटीना के साथ एंटी-ब्लॉकेज डिजाइन भी मौजूद है, जिससे कमजोर नेटवर्क में भी गेमिंग अनुभव प्रभावित नहीं होगा।

फोन 8300 एमएएच की बड़ी बैटरी के साथ आएगा, जो 100 वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। बायोमेट्रिक सिक्योरिटी के लिए इसमें 3डी अल्ट्रासोनिक फिंगरप्रिंट सेंसर दिया गया है। एसीई 6टी आईपी66/आईपी68/आईपी69/अईपी69के डस्ट और वॉटरप्रूफ रेटिंग के साथ आएगा और इसमें ओप्पो क्रिस्टल शील्ड ग्लास और स्काइ डोम आर्किटेक्चर शामिल है। तीन कलर ऑप्शन शैडो ग्रीन, इलेक्ट्रिक पर्पल और फ्लैश ब्लैक में उपलब्ध यह स्मार्टफोन अपग्रेडेड लिंगक्सी टच चिप के साथ शानदार टच कंट्रोल भी ऑफर करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जीतना है...

अभियान चलाने और प्रत्येक नागरिक तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया है। बिस्ता के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता मुश्किल समय में लोगों के साथ खड़े रहे हैं और यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

भाजपा पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में पूरी तरह जुट चुकी है। बिहार में भाजपा-जदयू गठबंधन की बड़ी जीत के बाद पार्टी का उत्साह बढ़ा है और केंद्र नेतृत्व चाहता है कि उसका असर बंगाल में भी दिखे। बैठक को इसी रणनीतिक तैयारी का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें सांसदों को चुनावी माहौल और टीएमसी सरकार के खिलाफ मजबूत अभियान चलाने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

भारत-रूस 2030...

यह यात्रा इसलिए भी खास है क्योंकि दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। 2000 में इसे मस्ट्रेटेजिक पार्टनरशिपफ घोषित किया गया था, 2010 में इसे स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा मिला।

दोनों नेता इस दौरान 23वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में मिलेंगे। इसके बाद में दोनों भारत-रूस बिजनेस फोरम को संबोधित करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुतिन के सम्मान में राज्य भोज आयोजित करेंगी।

कलकत्ता हाईकोर्ट ...

और कई नियुक्तियां उचित साक्षात्कार के बिना या अप्रशिक्षित उम्मीदवारों की की गई थीं।

साल 2014 में टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट के जरिए 42,500 प्राइमरी टीचर्स की नियुक्ति हुई थी, जिनमें से 32 हजार की नियुक्ति रद्द करने का आदेश हाईकोर्ट ने दिया था. जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने राज्य सरकार को दोबारा भर्ती प्रक्रिया शुरू करने और तीन महीने के अंदर भर्तियां कराने का आदेश दिया था.

सिंगल बेंच के इस आदेश पर जस्टिस सुब्रता तालुकदार और जस्टिस सुप्रतिम भट्टाचार्य ने रोक लगा दी थी और राज्य सरकार को छह महीने के अंदर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया था. हाईकोर्ट के इस आदेश को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

सुप्रीम कोर्ट ने 32 हजार शिक्षकों की नौकरी रद्द करने के फैसले पर स्टे लगा दिया और मामला हाईकोर्ट के पास वापस भेज दिया. 12 नवंबर को जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस रीतब्रतकुमार मित्रा ने मामले की सुनवाई पूरी की।

छत्तीसगढ़ में 12...

मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मौके पर सर्च जारी है। इलाके को सील कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि बैकअप पार्टी भी भेजी गई है। ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए डिटेल्स शेयर नहीं की जा सकतीं। ऑपरेशन पूरा होने के बाद डिटेल्ड अपडेट जारी किया जाएगा।

देश के सबसे खतरनाक नक्सल कमांडरों में शामिल माड़वी हिड़मा छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर 18 नवंबर को मरेडमिल्ली जंगल में एनकाउंटर में मारा गया। जवानों ने हिड़मा की पत्नी राजे उर्फ रजक्का और 4 अन्य नक्सलियों को भी ढेर किया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को हिड़मा को खत्म करने के लिए 30 नवंबर तक की डेडलाइन दी थी। इसके बाद आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित मरेडमिल्ली के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इसी ऑपरेशन में हिड़मा डेडलाइन से 12 दिन पहले ही मारा गया।

हिड़मा पिछले 2 दशक में हुए 26 से ज्यादा बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। इनमें 2010 दंतेवाड़ा हमला भी शामिल है, जिसमें 76 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। इसके अलावा 2013 में झीरम घाटी हमले, 2021 सुकमा-बीजापुर हमले में भी हिड़मा की भूमिका रही है।छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 2010 में 76 जवानों की हत्या हुई थी। यह नक्सल इतिहास का सबसे बड़ा हमला था। उस हमले का मास्टरमाइंड हिड़मा ही था। इसमें बसवाराजू भी शामिल रहा, जो एनकाउंटर में पहले ही मारा जा चुका है। बसवाराजू हमले के लिए बनी रणनीति की मीटिंग में शामिल हुआ था। हमले की साजिश रची थी।

मोबाइल में ...

खिलाफ जनभागीदारी बढ़ाना है।

सरकार ने दावा किया कि ऐप किसी भी प्रकार की निगरानी या जासूसी के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया है।

सरकारी बयान के अनुसार, ऐप की उपयोगिता को देखते हुए सिर्फ एक दिन में 6 लाख नागरिकों ने ऐप डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण कराया, जो इसके उपयोग में 10 गुना वृद्धि को दर्शाता है। बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए सरकार ने अनिवार्यता का आदेश वापस लेने का फैसला किया।

दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को एक आदेश जारी किया था, जिसमें सभी नए स्मार्टफोन्स में संचार साथी ऐप को प्री-इंस्टॉल करने और पुराने फोनों में इसे अपडेट के माध्यम से जोड़ने का निर्देश दिया गया था।

लेकिन गोपनीयता विवाद बढ़ने के बाद सरकार ने इस आदेश को वापस ले लिया।

परियोजनाओं के ...

विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। इस दस्तावेज़ का अनावरण आगामी वैश्विक शिखर सम्मेलन में किया जाना है।

मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास रोडमैप से जुड़ी प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिए केंद्र का समर्थन माँगा। उन्होंने प्रधानमंत्री से 162.5 किलोमीटर को कवर करने वाले हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार के दूसरे चरण को मंजूरी देने का आग्रह किया, जिसकी अनुमानित लागत 43,848 करोड़ रुपये है, और अनुरोध किया कि इसे केंद्र और राज्य के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में लिया जाए।

रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) के उत्तरी भाग के लिए कैबिनेट अनुमोदन और दक्षिणी खंड के लिए वित्तीय मंजूरी की भी अपील की। उन्होंने रिंग रोड के साथ प्रस्तावित रीजनल रिंग रेल परियोजना पर शीघ्र कार्रवाई के लिए जोर दिया।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रमुख एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के लिए विशेष सहायता का अनुरोध किया, जिसमें अमरावती के माध्यम से हैदराबाद को बांदर बंदरगाह से जोड़ने वाला 12-लेन का ग्रीनफील्ड कॉरिडोर और हैदराबाद-बेंगलुरु हाई-स्पीड कॉरिडोर को मजबूत करने के लिए एक और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे शामिल है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने श्रीशैलम मंदिर तक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए टाइगर रिजर्व के माध्यम से मन्ननूर से श्रीशैलम तक चार-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर के अनुमोदन की माँग करते हुए एक ज्ञापन भी प्रस्तुत किया।

उड़ानों में बढ़ती...

परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कई यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा, कुछ उड़ानें अचानक रद्द कर दी गईं ।

डीजीसीए ने कहा कि वह स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर कड़े कदम उठाए जाएंगे, ताकि समय पर उड़ान संचालन सुनिश्चित किया जा सके और यात्रियों का भरोसा बरकरार रखा जा सके।

एयरलाइन ने अपने हालिया परिचालन का सारांश साझा करते हुए बताया कि इस अवधि में कुल 1232 उड़ानें रद्द की गईं।

इन रद्दीकरणों के मुख्य कारणों में शामिल हैं चालक दल की उपलब्धता/एफडीटीएल अनुपालन, हवाई अड्डे, हवाई क्षेत्र और एटीसी से जुड़े कारक । एयरलाइन ने कहा कि इनमें से कई कारण उसके प्रत्यक्ष नियंत्रण से बाहर थे।

वहीं नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, नवंबर में इंडिगो की ओटीपी 67.70% रही, जबकि अक्टूबर में यह 84.1% थीजो प्रदर्शन में एक तेज़ गिरावट को दर्शाती है।

दिसंबर माह में 4 दिन ही शादी के शुभ मूहूर्तदिसंबर माह में 4 दिन ही शादी के शुभ मूहूर्त

6 दिसंबर के बाद मुहूर्त नहीं, फिर सीधे फरवरी में होंगी शादियां

दिसंबर 2025 में 1,4,5,6 दिसंबर ही विवाह के लिए शुभ मुहूर्त हैं। इसके बाद विवाह के मुहूर्त 4 फरवरी 2026 के बाद से शुरू होंगे। कारण कि 11 दिसंबर से शुक्र ग्रह अस्त हो जाएगा व 15 दिसंबर से 14 जनवरी तक मळमास रहेगा। ऐसे में 1 फरवरी को शाम 6:27 बजे तक विवाह व शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं। विवाह के शुभ मुहूर्त अगले साल 2 फरवरी से शुरू होंगे। हालांकि इन दो महीनों में बसंत पंचमी सहित अबूझ मुहूर्त में शादियां होंगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मकर संक्रांति के बाद शुभ कार्य शुरू होते हैं, पर इस बार जनवरी 2026 में बसंत पंचमी पर भी शादी व शुभ कार्य वर्जित रहेंगे। कारण कि जनवरी में शुक्र ग्रह अस्त रहेंगे। शास्त्रों के अनुसार मांगलिक कार्यों में गुरु और शुक्र का तारा उदय होना जरूरी है। जून 2025 में भी गुरु और शुक्र अस्त होने से अक्षय तृतीया पर भी विवाह संयोग नहीं बना था। अबूझ मुहूर्त मानते हुए इस दिन कई लोग शादी समारोह का आयोजन करेंगे।

वर्ष 2026 की शुरुआत खरमास से हो रही है। खरमास के दौरान सगाई, विवाह, जनेऊ संस्कार, गृह प्रवेश या कोई नया कार्य आरंभ जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। खरमास 15 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति के साथ समाप्त होगा, लेकिन शुक्र अस्त होने के कारण खरमास समाप्त होने के बाद भी विवाह वर्जित रहेंगे। 11 दिसंबर 2025 को अस्त होने वाला शुक्र 1 फरवरी 2026 तक अस्त रहेगा। इसके बाद 4 फरवरी 2026 से विवाह पुनः प्रारंभ होंगे। इसके बाद फरवरी के अंत से 4 मार्च तक होलाष्टक काल के कारण विवाहों पर फिर से रोक लग जाएगी।

आने वाला वर्ष 2026 अधिक मास वाला होगा। जिसे पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है।. इसमें 12 की जगह 13 महीने रहेंगे क्योंकि उस वर्ष पंचांग में दो ज्येष्ठ माह पड़ेंगे। यह अवधि दो मई से 29 जून तक लगभग 59 दिनों की रहेगी। मास का अगला भाग 17 मई से पंद्रह जून के बीच रहेगा। इससे पहले वर्ष 2018 में दो ज्येष्ठ और 2023 में दो सावन माह पड़े थे। खास बात यह भी है कि नए साल 2026 के पहले महीने यानी जनवरी में शुक्र ग्रह के अस्त होने से उस पूरे महीने में विवाह के लिए कोई शुभ तिथि नहीं रहेगी। पंचांग के अनुसार साल 2025 में 11 दिसंबर को शुक्र ग्रह अस्त अवस्था

11 दिसंबर से शुक्र ग्रह होंगे अस्त, 14 जनवरी तक रहेगा खरमास

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

में चला जाएगा और फिर 2026 में 1 फरवरी को अस्त ही रहेगा। जिससे विवाह के मुहूर्त नहीं बनेंगे। विवाह मुहूर्त के लिए बृहस्पति और शुक्र दोनों ग्रह को उदित होना चाहिए। ऐसे में शुक्र के उदित होने पर 1 फरवरी 2026 से विवाह मुहूर्त शुरू हो जाएगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग

2, 3, 8, 9, 14, 17, 22, 23, 28, 31 दिसंबर

अमृत योग

2 दिसंबर, 14 दिसंबर

द्वि पुष्कर योग

6 दिसंबर

त्रि पुष्कर योग

16, 21, 27, 30 दिसंबर

रवि योग

3, 4, 9, 22, 26 दिसंबर

विवाह में 7 दिसंबर से रोक, सीधे फरवरी 2026 में होगी शादियां

दिसंबर में 1,4,5,6 दिसंबर ही विवाह के लिए शुभ मुहूर्त हैं। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की देव उठनी एकादशी के दिन श्रीहरि विष्णु के चार माह की निद्रा से जागने के बाद मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। इस बार 16 नवंबर को सूर्य के तुला राशि से निकलकर गोचर के बाद करने के बाद शुद्ध वैवाहिक मुहूर्त शुरू हुए, लेकिन खरमास और शुक्र के अस्त होने से जनवरी में शादियां नहीं होंगी। इस दौरान भी विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण आदि मांगलिक कार्य पर विराम लगता है। इसके बाद विवाह के मुहूर्त 4 फरवरी के बाद से शुरू होंगे।

14 जनवरी 2026 तक रहेगा खरमास

16 दिसंबर को सूर्य देव धनु राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं, जिससे खरमास की शुरुआत हो जाएगी। वहीं खरमास का समापन 14 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। ऐसे माना जाता है कि इस दौरान किए गए शुभ कार्यों में देवगुरु बृहस्पति और सूर्य देव की कृपा प्राप्त नहीं होती, जिससे उस कार्य से शुभ परिणाम नहीं मिलते। ऐसे में इस दौरान विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश आदि जैसे कार्य करने की मनाही होती है। विवाह के लिए ग्रहों की शुभता आवश्यक माना गया है। शुक्र अस्त होने के कारण भी शादियां नहीं होती हैं।

जनवरी में नहीं होंगी शादियां, साल 2026 में 59 शुभ मुहूर्त

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि वर्ष 2025 में शादियों के लिए विवाह के कुल 75 मुहूर्त थे। इनमें से 50 मुहूर्त से अधिक मुहूर्त जनवरी से जून के बीच थे। इसके बाद जुलाई से अक्टूबर से चातुर्मास के चलते कोई विवाह मुहूर्त नहीं थे। बात अगर 2026 की करें तो इसमें 59 विवाह का मुहूर्त हैं। इस अनुसार यह वर्ष भी वैवाहिक आयोजन के लिए अनुकूल माना जा रहा है। जनवरी को छोड़ दिया जाए तो फरवरी में 12 दिन शुभ मुहूर्त पर विवाह होंगे। इसके बाद मार्च में नौ, अप्रैल-मई में आठ-आठ, जून में सात और जुलाई में चार दिन विवाह मुह्रूत रहेंगे। इसके बाद नवंबर में चार और दिसंबर में सात दिन विवाह होंगे।

वर्ष 2026 के शुभ मुहूर्त

फरवरी 2026 – 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25 और 26 फरवरी

मार्च 2026 –1, 3, 4, 7, 8, 9, 11 और 12 मार्च

अप्रैल 2026 – 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28 और 29 अप्रैल

मई 2026 – 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14 मई

जून 2026 – 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29 जून

जुलाई 2026 – 1, 6, 7, 11 जुलाई

नवंबर 2026 – 21, 24, 25 और 26 नवंबर

दिसंबर 2026 –2, 3, 4, 5, 6, 11 और 12 दिसंबर

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

वसुमान योग कई राशियों के लिए शुभ फलदायी होगा साबित

आज यानी 4 दिसंबर 2025, गुरुवार को चंद्रमा, बुध और बृहस्पति के संयोग से वसुमान योग बन रहा है। इस दौरान कर्क राशि में चंद्रमा से तीसरे भाव में गुरु , जबकि छठे भाव में तुला राशि में बुध विराजमान है। इस दौरान चंद्रमा के वृषभ राशि में होने से इस शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति को अत्यधिक धन, सुख-सुविधाएं और लगातार तरक्की मिलती है। चंद्रमा का प्रभाव जातक की मानसिक शक्ति को बढ़ाता है, जबकि कर्क में गुरु तीसरे भाव से पराक्रम, साहस और निर्णय क्षमता को मजबूत बनाते हैं। वसुमान योग कई राशियों के लिए शुभ फलदायी साबित होगा तो कुछ के लिए यह समय परेशानियों को बढ़ाने वाला रहेगा।

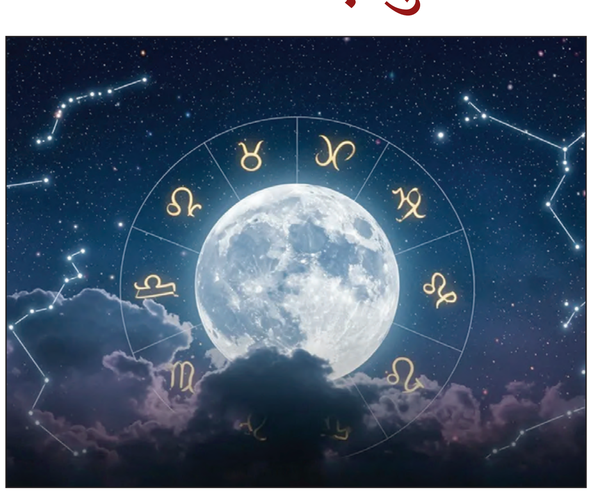

मेष –आज का दिन महत्वाकांक्षी प्रकृति वालों के लिए शुभ फलदायक रहेगा। यात्रा सामान्य लाभप्रद रहेगी। दोपहर बाद उच्च अधिकारी से वाद विवाद होने की संभावना नजर आ रही है। इससे कानूनी पक्ष नया मोड़ ले सकता है। सायंकाल के समय योजना पूर्ति से लाभ होगा। अतिथि आगमन से खर्च बढ़ना संभव है।

वृष –आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी से या व्यवसाय क्षेत्र में व्यापारी से अनबन हो सकती है। अपने कार्य कौशल से आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। घर गृहस्थी के उपयोग की कोई प्रिय वस्तु खरीदी जाएगी। शुभ व्यय होगा। दांपत्य जीवन में सरसता बनाए रखें, समाज में सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन –राशि स्वामी बुध षष्ठम प्रमुख शत्रु लग्न भाव में और तृतीय पराक्रम भाव में केतु परिजन से से मन को दुखित करेगा। राजनीतिक गतिविधियों में भी रुकावट रहेगी। अपराह्न के बाद नवनिर्माण की रूपरेखा बनेगी। अच्छे कर्म और पुण्य से आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी। रात्रि के समय किसी मंगलमय समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं।

कर्क –राशि स्वामी चंद्रमा वृष राशि का होकर एकादश आय केन्द्र भाव में भाग्योदय कारक है। इससे जीवन साथी एवं व्यापार में साझेदारों का सहयोग मिलेगा। दूसरों की भलाई में रुचि बनी रहेगी। नौकरी-पेशा वर्ग को उन्नति मिल सकती है। मन को शांति मिलेगी। अत्यधिक श्रम से थकान हो सकती है, सावधान रहें।

सिंह –आज का दिन मिश्रित फल कारक है, समाज में स्वच्छ छवि का निर्माण होगा। एक साथ कई कार्यों को करते हुए सजगता बरतें। आज के दिन पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। द्वादश घर में कर्क राशि का बृहस्पति उच्च फलकारक है, अवरोध-विरोध के चलते भी संकल्पित कार्य सिद्ध होंगे।

कन्या –द्वादश भाव में केतु योग और सप्तम घर में शनि उत्तम संपत्ति के देने वाले हैं। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ने से कुछ असहज स्थिति उत्पन्न हो सकती है, घबराये नहीं। सायंकाल से लेकर रात्रि तक पुराने मित्रों के मिलन से मन प्रसन्न रहेगा, मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

तुला –आज आपकी राशि का स्वामी शुक्र सांसारिक सुख भोगों की वृद्धि कर रहा है। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। सतर्क रहें।

वृश्चिक –आज आपका आधा दिन परोपकार करने में बीतेगा। दूसरों की सहायता करने से जो आत्म संतुष्टि आपको प्राप्त होती है, उसकी तुलना अन्य किसी सांसारिक सुख से नहीं हो सकती। ऑफिस में आपके अधिकारों में वृद्धि होने के कारण साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। सायंकाल का समय देव दर्शन-प्रसाद-भक्तिकाल में व्यतीत होगा।

धनु– आज मंगल द्वादश पारिवारिक अशांति तथा आस-पास के वातावरण को विपरीत बना सकता है। किन्तु आप अपने धैर्य और मृदु व्यवहार से वातावरण को हल्का करने में कामयाब होंगे। अपने प्रिय व्यक्ति की मदद करने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रात्रि का समय मनोविनोद में बीतेगा।

मकर – आज किसी नई डील से अचानक धन का लाभ होगा। घर में पत्नी या किसी संतान की अचानक तबीयत खराब होने से टेंशन हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करते समय या गाड़ी चलाते समय चिंता को हावी न होने दें। दोस्ती में किसी स्पेशल स्कीम का हिस्सा न बनें, जोखिम के कामों से दूर रहें।

कुंभ – राशि स्वामी शनि पूर्व में उदय हो चुका है। चन्द्रमा चतुर्थ भाव में किसी महान सफलता का हर्ष होगा। बड़ी मात्रा में रुपया हाथ में आने से संतोष होगा। दिन के उत्तरार्ध में पिछले दिनों से चला आ रहा मनमुटाव भी समाप्त हो जाएगा। कहासुनी को बातचीत से सुलझा लें। रात्रि का समय सैर सपाटे में व्यतीत करें।

मीन – राशि का स्वामी बृहस्पति कर्क राशि का होकर पंचम भाव में संतान पक्ष से संतुष्टि व हर्ष दायक है। दिन अच्छा है, जिन युवाओं ने अभी अपने करियर की शुरूआत की है, उन्हें आज अपने ऑफिस में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सायंकाल से रात्रि का समय भी मेल-मिलाप में बीतेगा।

गुरुवार को 1 रुपए के सिक्के और हल्दी से आजमाएं ये उपाय,भाग्य और धन में होगी वृद्धि

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति को समर्पित माना गया है। वहीं, इस दिन का संबंध गुरु ग्रह से भी होता है जिसे शिक्षा, संतान, विवाह, ज्ञान, धन आदि का कारक माना गया है। ऐसे में ज्योतिषशास्त्र में गुरुवार के कई उपाय बताए गए हैं जिन्हें करने से जातक को धन से लेकर परिवार तक की कई समस्याओं से राहत मिल सकती है। वहीं, गुरु ग्रह का संबंध हल्दी से भी माना गया है। ऐसे में गुरुवार के दिन एक रुपये के सिक्के और हल्दी से कुछ उपाय आजमाने से जातक को नौकरी में सफलता मिल सकती है। साथ ही, विष्णुजी की कृपा से भाग्य और धन में भी वृद्धि होती है।

आर्थिक तंगी दूर करने और भाग्य में वृद्धि का उपाय

गुरुवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। साथ ही, पूजा के दौरान 1 रुपये के सिक्के पर हल्दी से श्री लिखकर हल्दी की एक गांठ और शमी का पत्ता भगवान विष्णु को अर्पित करें। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा और आरती करें। फिर, सिक्के को हल्दी की गांठ और शमी के पत्ते के साथ अपनी तिजोरी में रख लें। इस उपाय को करने से जातक को पैसों की तंगी से मुक्ति मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है। साथ ही, इससे परिवार के सदस्यों के भाग्य में भी वृद्धि हो सकती है।

नौकरी और व्यवसाय में सफलता का उपाय

अगर आप अपनी नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में बाधाओं और समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो गुरुवार को एक सरल उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए एक पीले रंग के साफ वस्त्र में हल्दी की गांठ और एक रुपये का सिक्का बांध लें। अब इसे पूजा के वक्त मंदिर में रखें और विधि-विधान से पूजा-आरती करने के बाद पोटली को उठाकर अपने पर्स में रख लें। आप इसे कार्यस्थल के दराज या तिजोरी में भी रख सकते हैं।

ऐसा करने से जातक को करियर में और व्यवसाय में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, नौकरी और कारोबार में सफलता के मार्ग खुलने लगते हैं।

अन्न-धन में वृद्धि के लिए करें यह उपाय

गुरुवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। इस दिन पीले रंग के वस्त्र पहनना सबसे उत्तम माना गया है क्योंकि इससे कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत होता है। अब विष्णुजी-मां लक्ष्मी का ध्यान करते हुए एक अनाज के बर्तन में 1 रुपये का सिक्का और हल्दी की गांठ बांधकर रख दें। इस उपाय को करने से जातक को कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं होती है और घर में बरकत भी बढ़ती है। इस उपाय को करने से परिवार के सदस्यों पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का विशेष आशीर्वाद बना रह सकता है।

जीवन की बाधाओं को दूर करने का उपाय

कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति मजबूत करने और जीवन की बाधाओं को दूर करने के लिए आप गुरुवार को एक उपाय आजमाकर देख सकते हैं। इसके लिए एक पीले वस्त्र में हल्दी की गांठ और 1 रुपये का सिक्का केले की जड़ के साथ लपेटकर दाएं बाजू में बांध लें। साथ ही, नियमित 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करें। इस उपाय को गुरुवार या पूर्णिमा के दिन से शुरू करना सबसे उत्तम माना जाता है। ऐसा करने से जातक के जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है और जरूरी कार्यों में आ रही बाधाओं से भी मुक्ति मिल सकती है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा आज, जानें मुहूर्त और पूजा विधि

हर महीने में आने वाली पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। वहीं, मार्गशीर्ष मास में आने वाली पूर्णिमा का व्रत करने से व्यक्ति के जीवन में सुख समृद्धि आती है। साथ ही भगवान विष्णु की विशेष कृपा भी रहती है। साथ ही इस दिन चंद्र देव की उपासना भी की जाती है। बता दें कि मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा को बत्तीसी पूर्णिमा या बत्तीसी पूनम के नाम भी जाना जाता है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा तिथि का आरंभ 4 दिसंबर को सुबह 8 बजकर 38 मिनट से शुरू होगी और पूर्णिमा तिथि का समापन 5 तारीख को 4 बजकर 44 मिनट पर समाप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार, शाम के समय जब पूर्णिमा तिथि होती है उस दिन पूर्णिमा का व्रत करना उत्तम माना जाता है। ऐसे में मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा का व्रत 4 दिसंबर को ही रखा जाएगा। बता दें कि 4 दिसंबर को पूर्णिमा तिथि लगने के साथ ही भद्रा भी लग रही है और शाम में 6 बजकर 41 मिनट पर भद्रा रहेगी। हालांकि, इस दौरान भद्रा का कोई बंधन नहीं रहेगा। ऐसे में भद्रा के समय आप आसानी से पूजा पाठ कर सकते हैं।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा पूजा विधि

❊ पूर्णिमा तिथि के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें।

❊ इसके बाद पूजा स्थल की अच्छे से साफ सफाई करें और भगवान विष्णु का स्मरण करते हुए ओम नमो: नारायण कहकर भगवान का आह्वान करें।

❊ इसके बाद एक लकड़ी की चौकी पर पीले रंग का वस्त्र बिछाएं और फिर सत्यनारायण भगवान की प्रतिमा स्थापित करें और पूरी श्रद्धा के साथ पूजा करें।

❊ सत्यनारायण की कथा का पाठ करें। अंत में उन्हें कसार और चरणामृत का भोग लगाएं और फिर सभी को प्रसाद वितरित करें।

केतु गोचर 2026: मेष, कुंभ समेत अन्य राशियों पर केतु का प्रतिकूल प्रभाव

केतु गोचर 2026 में पूरे साल सिंह राशि में होगा। साल के अंतिम महीने में केतु राशि परिवर्तन करेंगे। जिससे इस पूरे साल केतु सिंह राशि में विराजमान होकर कई राशियों के जीवन पर व्यापक असर डालेंगे। ज्योतिष शास्त्र में केतु को मंगल के समान रक्तपात और युद्ध का कारक माना गया है। वैसे केतु मोक्षदाता भी है यानी जो भी होगा उसका पूर्ण परिणाम भी देगा। ऐसे में शनि का साथ केतु का पूरे साल षडाष्टक योग बनना भी शुभ फलदायी नहीं माना जा रहा है। ऐसे में मेष और कुंभ समेत 5 राशियों के लिए साल 2026 में केतु का गोचर प्रतिकूल रह सकता है।

मेष – मेष राशि के पंचम भाव में केतु का गोचर संतान, शिक्षा के मामलों पर प्रभाव डालेगा। इस अवधि में मेष राशि के जातकों को घरेलू कलह और मानसिक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान किसी विवाद या कलेश के कारण मन अशांत रहेगा।

इस दौरान आर्थिक लाभ कम होगा और खर्चे अधिक रहेंगे। कामकाज की रफ्तार धीरे रहने से आपको चिंता हो सकती है। वहीं, संतान से जुड़े मामलों को लेकर मन परेशान रहेगा।

वृष –वृष राशि वालों के चतुर्थ भाव में केतु का गोचर हो रहा है। घर-परिवार, वाहन, संपत्ति से जुड़ी परेशानियां सामने आ सकती है। इस अवधी में वृष रासि वालों को आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ सकता है। परिवारिक जीवन में अनचाहे विवाद बढ़ सकते हैं। इसके कारण पारिवार में अशिंति का माहौल रहेगा। आय के भी सीमित साधन दिखाई दे रहे है, जिसकी वजह से गुजारा करना थोड़ा कठिन रह सकता है।

कन्या राशि – कन्या राशि वालों के लिए द्वादश भाव में यह गोचर हो रहा है, जो खर्च, अस्पताल, विदेश और गुप्त शत्रु से संबंधित मामलों पर प्रभाव डालेगा। यह समय कन्या राशि वालों के लिए खर्चे अधिक बढ़ने वाला रहेगा। इस अवधि के दौरान आपके अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। इस समय पने ही लोग परायों जैसा व्यवहार करते देके जाएंगे। अप्रत्याशित खर्चों की वजह से मानसिक दबाव महसूस होगा। गुप्त परेशानियां भी इसदौरान आपके सामने आ सकती हैं।

धनु राशि – केतु का गोचर धनु राशि के नवम भाव में हो रहा है। यह भाव भाग्य, धर्म, यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। धनु राशि के जातकों को इस समय कार्यों में अड़चनों का सामना करना पड़ेगा और इस अवधि में खर्चे भी अधिक रहेंगे। यात्रा को टाल देना ही आपके लिए इस दौरान बेहतर होगा। ऐसे में वाहन चलाते समय अधिक सावधानी रखें। किसी दुर्घटना में चोट लगने की संभावना नजर आ रही है।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के सप्तम भाव में यह गोचर जीवनसाथी के साथ तनाव और विवाह में देरी जैसी परेशानियां खड़ी कर सकता है। इस अवधि में कुंभ राशि वालों के लिए पारिवारिक समस्याएं बढ़ सकती है। किसी रिश्तेदार या परिचित से धोखे मिलने की आशंका बन रही है। ऐसे में मनमुटाव बढ़ सकता है, जिससे मानसिक तनाव होगा। वाहन या यात्रा पर खर्च होने की संभावना भी दिख रही है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हॉलीवुड में कुछ बड़ा करना चाहती हैं प्रियंका चोपड़ा, कहा

अभी तो शुरुआत भी नहीं की

अपनी मेहनत और हौसले के बलबूते पर प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। हिंदी सिनेमा में भी एक्ट्रेस को काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन अब वे ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं और बॉलीवुड-हॉलीवुड दोनों तरह की फिल्मों से फैंस का दिल जीत रही हैं। हालांकि, आज भी प्रियंका का कहना है कि हॉलीवुड में उन्हें बहुत कुछ करना है। प्रियंका चोपड़ा ने साल 2015 में अमेरिकी टीवी सीरीज 'क्वांटिको' से हॉलीवुड में कदम रखा और उसके बाद 'बेवॉच', 'इजंट इट रोमांटिक', 'द व्हाइट टाइगर', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस', 'हेड्स ऑफ स्टेट्स', और एक्शन थ्रिलर सीरीज 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया। अपनी हॉलीवुड जर्नी पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने आईएएनएस से कहा, मैं इन सब के बारे में थोड़ा सोचती हूं, क्योंकि एक कलाकार होने के नाते मुझे अंग्रेजी भाषा में अभी और भी काम करना है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैंने हिंदी सिनेमा में लगभग हर तरह का काम किया है और अब मैं वैसा ही काम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करना चाहती हूं।

प्रियंका ने आगे कहा कि वे ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करना चाहती हैं जिनके किरदार या फिल्म संस्कृति से जुड़े हों और लोगों को उनसे प्रेरणा मिले। अपनी खुद की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा ... कि वे 'बॉर्न हंग्री' जैसी और खूबसूरत कहानियों ... पर काम करना चाहती हैं। एक्ट्रेस निर्देशक बैरी ... एवरिच के साथ मिलकर और प्रोजेक्ट्स भी ... करना चाहती हैं। वे उनके काम करने के तरीके ... से बहुत प्रभावित हैं।

बता दें कि 'बॉर्न हंग्री' डॉक्यूमेंट्री एक्ट्रेस ... के पर्पल पेबल पिक्चर्स के बैनर तले बनी है। ... डॉक्यूमेंट्री बीते साल 2024 में रिलीज हुई ... थी और डॉक्यूमेंट्री को वैश्विक स्तर पर अच्छा ... रिस्पांस मिला था।

... हॉलीवुड में अपनी धाक जमाने के साथ ... प्रियंका उन कलाकारों, निर्माताओं और ... निर्देशकों को भी सपोर्ट करना चाहती हैं, ... जिन्हें अपना हुनर दिखाने के लिए एक मंच ... या मौके की तलाश है। उन्होंने कहा कि हमें उन कलाकारों को आगे लाना पसंद है, चाहे वे फिल्म निर्माता हों, लेखक हों, अभिनेता हों, या कोई भी प्रतिभा हो जो दुनिया भर में अपनी पहचान बनाना चाहती हो। हम उन्हें एक मंच देना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिन फिल्म निर्माताओं, लेखकों और अभिनेताओं को एक वैश्विक मंच की ज़रूरत है, उनको सपोर्ट करना हमारा मेन फोकस रहता है।

बॉर्डर-2: सामने आया दिलजीत दोसांझ का पहला लुक

फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों के किरदार में दिखेंगे

फिल्म 'चमकीला' से दर्शकों पर अपने अभिनय से छाप छोड़ने वाले एक्टर दिलजीत दोसांझ बहुत जल्द फिल्म 'बॉर्डर-2' से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। फिल्म में दिलजीत दोसांझ का पहला लुक सामने आ गया है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ भारतीय वायुसेना के बहादुर फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों का रोल प्ले कर रहे हैं, जिन्होंने अपने अदम्य साहस से 1971 में पाकिस्तानी के लड़ाकू विमानों के परखच्चे उड़ा दिए थे। सिंगर का लुक काफी प्रॉमिसिंग लग रहा है। दिलजीत दोसांझ ने 'बॉर्डर-2' से अपना पहला लुक शेयर किया है, जिसमें वे बड़ी मूछों और चेहरे पर जोश के साथ लड़ाकू विमान के अंदर बैठे दिख रहे हैं। वे खून से लथपथ हैं। लुक को शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, इस देश के आसमान में गुरु के बाज पेहरा देते हैं। फैंस भी सिंगर के लुक को देखकर हैरान हैं।

एक यूजर ने तारीफ करते हुए लिखा, बॉर्डर 2 से आपकी पहली झलक वाकई कमाल की है। 23 जनवरी 2026 को लॉन्च के लिए बिल्कुल सही समय है। भारत माता की जय।

एक ने लिखा, बॉर्डर 2 में दिलजीत कमाल लग रहे हैं। सनी और वरुण ने पहले ही आसमान छू लिया है। अब इस गणतंत्र दिवस धमाके का बेसब्री से इंतजार है।

इससे पहले 'बॉर्डर-2' से वरुण धवन का लुक रिवील किया गया था। वरुण फिल्म में मेजर होशियार सिंह दहिया का रोल प्ले कर रहे हैं। मेजर होशियार सिंह दहिया 1957 में जाट रेजिमेंट का हिस्सा थे और 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बताया जाता है कि पाकिस्तान की एक बटालियन ने मेजर और उनके सिपाहियों पर हमला कर दिया था, लेकिन घायल होने के बाद भी उन्होंने कई शत्रु सैनिकों को अकेले मार गिराया था।

फिल्म में सनी देओल मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी का रोल प्ले करेंगे, जो उन्होंने 'बॉर्डर' के पहले पार्ट में भी निभाया था। इसके अलावा फिल्म में मोना सिंह, अहान शेट्टी और सोनम बाजवा भी शामिल हैं।

बता दें कि फिल्म को प्रोड्यूस भूषण कुमार, जे.पी. दत्ता, निधि दत्ता और कृष्ण कुमार कर रहे हैं, जबकि फिल्म को बॉर्डर ने डायरेक्ट किया है।

फिल्म 'बॉर्डर' 1997 में रिलीज हुई थी, जिसे भारत-पाकिस्तान युद्ध पर बनाया गया था। फिल्म के गाने और कहानी फैंस को बहुत पसंद आई थी और फिल्म ने लगभग 39.6 करोड़ रुपए की कमाई की थी। फिल्म का बजट मात्र 10 करोड़ रुपए था। पहली फिल्म के हिट के बाद ही मेकर्स ने फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने का फैसला किया है।

अनन्या पांडे ने शेयर किया नया लुक कार्तिक आर्यन संग जल्द आएंगी नजर

मशहूर अभिनेत्री अनन्या पांडे जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म में अपने लुक की तस्वीरें पोस्ट कीं। अभिनेत्री अनन्या पांडे ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल ट्रैक की शूटिंग के दौरान अपने कुछ लुक्स की तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में अनन्या अलग-अलग स्टाइलिश ड्रेस में नजर आ रही हैं। उनके बाल, मेकअप और ड्रेस भी परफेक्ट हैं। तस्वीरें पोस्ट कर उन्होंने लिखा, फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के टाइटल ट्रैक के मेरे कुछ पसंदीदा लुक्स। क्या आपने अभी तक टाइटल ट्रैक देखा? मेरी ग्लैम और फैशन टीम को ढेर सारा प्यार। पोस्ट शेयर करने के बाद अनन्या के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए।

अभिनेत्री उर्मिला मंतोडकर, महीप कपूर और नव्या नवेली नंदा ने फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।

बता दें कि अभिनेत्री फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में कार्तिक आर्यन के साथ 6 साल बाद वापसी कर रही हैं। इससे पहले वे साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' में नजर आई थीं। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज की जाएगी। अगस्त्य नंदा की 'इक्कीस' भी 25 दिसंबर को रिलीज होगी। अब देखना होगा कि दर्शक पर्दे पर रोमांस और लव स्टोरी को पसंद करते हैं या देशभक्ति से भरी कहानी को सराहते हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक लव स्टोरी है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है।

ग्लूट्स वर्कआउट कर शिल्पा शेट्टी ने किया फैंस को मोटिवेट, बताए इसके फायदे

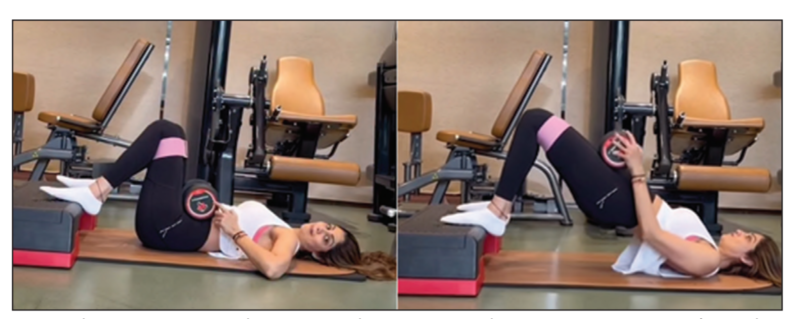

90 के दशक की अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी आज फिटनेस आइकन बन चुकी है। एक्ट्रेस कभी जुम्बा तो कभी योगा से फैंस को अच्छी फिटनेस के लिए मोटिवेट करती रहती हैं। अब एक बार फिर एक्ट्रेस ने ग्लूट्स वर्कआउट की वीडियो पोस्ट की है और इस वर्कआउट को करने के बेहतरीन फायदे भी बताए हैं। फिटनेस क्वीन शिल्पा शेट्टी ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है और एक वीडियो पोस्ट की है। वीडियो में एक्ट्रेस फिट बॉडी पाने के लिए जिम में पसीना बहाती दिख रही हैं। एक्ट्रेस 50 की उम्र में भारी वजन के साथ ग्लूट्स वर्कआउट कर रही हैं। वे ग्लूट्स वर्कआउट में शामिल सिंगल लेग हिप थ्रस्ट कर रही हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में एक्सरसाइज को कैसे करना है और इसके करने के क्या फायदे हो सकते हैं, ये भी शेयर किया है। शिल्पा ने कैप्शन में लिखा, ऐसा करने से कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है, शरीर का पॉश्चर ठीक होता है, पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और पैरों व घुटनों की मजबूती बढ़ती है। इसे 20 के सेट के साथ 3 बार जरूर करें।

बता दें कि ग्लूट्स वर्कआउट शरीर के निचले हिस्से को मजबूत और शेप में लाने के लिए किया जाता है। ग्लूट्स वर्कआउट में कई एक्सरसाइज आती हैं, जिन्हें अगर सावधानी के साथ किया जाए तो पैर और कुल्हों को मजबूत बनाया जा सकता है। ग्लूट्स वर्कआउट में लेग हिप थ्रस्ट के अलावा, बारबेल हिप थ्रस्ट, ग्लूट किकबैक मशीन, हिप थ्रस्ट, सिंगल लेग ग्लूट ब्रिज, केबल हिप एक्सटेंशन और एलिवेटेड हिप ब्रिज शामिल हैं। ये सभी एक्सरसाइज महिलाओं के पूरे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती हैं। जिम एक्सरसाइज के अलावा शिल्पा शेट्टी योग और प्राणायाम से जुड़ी वीडियो भी पोस्ट करती रहती हैं। एक्ट्रेस अपनी डाइट का भी पूरा ध्यान रखती हैं। वे अपनी डाइट में प्रोटीन, फाइबर, और हेल्दी फैट्स भरपूर मात्रा में लेती हैं, हालांकि हफ्ते में एक बार चीट मील भी लेती हैं।

बता दें कि शिल्पा आए दिन फैंस को फिटनेस चैलेंज देती रहती हैं। उन्होंने हाल में फैंस को 10 मिनट 'एब्स' चैलेंज दिया था। एक्ट्रेस वीडियो में शानदार तरीके से एब्स की एक्सरसाइज करती दिखती हैं। एब्स की एक्सरसाइज बाकी एक्सरसाइज से काफी मुश्किल होती है, क्योंकि बिना सहारे के पैरों को हवा में ले जाना आसान नहीं होता।

ऋषभ शेट्टी ने वी. शांताराम बने सिद्धांत चतुर्वेदी के दमदार फर्स्ट लुक को सराहा

दिग्गज फ़िल्मकार वी. शांताराम की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभा रहे सिद्धांत चतुर्वेदी का फर्स्ट लुक लगातार चर्चा बटोर रहा है और अब इंडस्ट्री भी इसकी प्रशंसा करने लगी है। हाल ही में अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने सिद्धांत का पोस्टर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए उनकी मेहनत की प्रशंसा की है। इसके जवाब में सिद्धांत ने भी इंस्टाग्राम पर उनका आभार जताते हुए लिखा है, आपकी तरफ से ये बातें आना मेरे लिए बहुत मायने रखता है सर व=ज. पहले लुक के सामने आते ही सिद्धांत की ज़बरदस्त स्क्रीन प्रेज़ेंस, पीरियड-एक्यूरेट स्टाइलिंग और किरदार में ढलने की उनकी प्रतिबद्धता ने इस फिल्म को उनके करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक बना दिया है। इंडस्ट्री से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाएं और उस पर भी विशेष रूप से ऋषभ शेट्टी के सार्वजनिक समर्थन ने फिल्म से जुड़े उत्साह को और बढ़ा दिया है। इसमें दो राय नहीं है कि जैसे-जैसे सिद्धांत भारतीय सिनेमा के सबसे दूरदर्शी फ़िल्मकारों में से एक, वी. शांताराम की भूमिका में ढलते जा रहे हैं, वैसे - वैसे यह बायोपिक साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनती जा रही है और सबकी नज़रें सिद्धांत चतुर्वेदी पर टिकी हुई हैं।

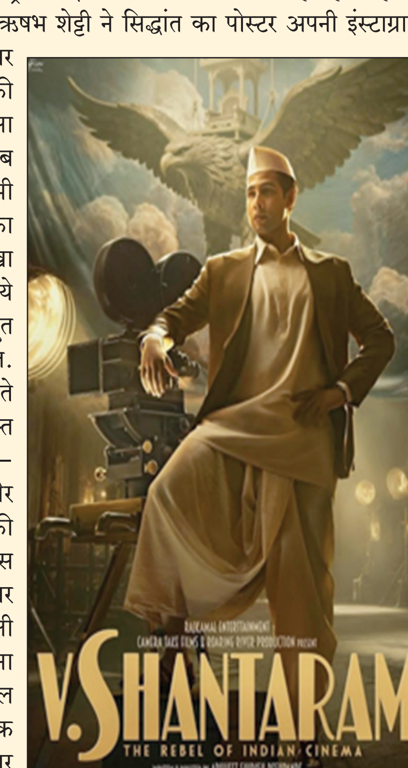

भावनाओं तक पहुँच पाना एक्टर के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं, ज़रूरत है : कुब्रा सैत

कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी कच्ची, सच्ची परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए वे कहती हैं, एक्टर के तौर पर मैंने सीखा कि अगर आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप एक्टर बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुँचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक डायरेक्टर अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूँगी। यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, ताकि भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई। हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें ज़िंदा रखती है।

हालांकि अभिनय के बाहर, असल ज़िंदगी में, दुनिया हमेशा इतनी माइंडफुल नहीं होती इसलिए कभी-कभी खिड़की की बजाय पूरी बाँध खुल जाती है और हमारी भावनाएँ हम पर हावी हो जाती हैं। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम अक्सर अपने ही विचारों और अपने ही एक्सप्रेशंस में उलझ जाते हैं और हर चीज़ को 'ट्रिगर' कहने लगते हैं, जबकि कई बार हम बस चिढ़े हुए या परेशान होते हैं। यही ट्रिगर हमें हमारे अतीत में खींच ले जाता है, लेकिन चिढ़ और परेशानी वर्तमान की होती है। इस फर्क को समझते हुए मैंने अपने भीतर की उस खिड़की को पहचाना और इसीने मुझे एक एक्टर के तौर पर बचाया, एक इंसान के तौर पर मुझे ज़मीन से जोड़े रखा। सच पूछिए तो कुब्रा की यह बात याद दिलाती है कि भावनाओं तक पहुँच पाना सिर्फ एक कलात्मक कौशल नहीं, बल्कि एक मानवीय अनुभव है, जिसमें जिम्मेदारी चाहिए। एक्टर सिर्फ किसी सीन के लिए भावनाएँ उधार नहीं लेते, वे सीखते हैं कि उन्हें वापस कैसे रखा जाए, उस खिड़की को कैसे बंद किया जाए जिसे उन्होंने खोला था। जहाँ भावनाएँ हमें या तो भारी कर दें या इसे एक गलत नाम दे दिया जाए, ऐसी दुनिया में उनका यह विचार एक कोमल-सा मार्गदर्शन बन जाता है, यह समझने के लिए कि क्या हमारे अतीत से आता है और क्या हमारे वर्तमान का हिस्सा है, और कैसे इन दोनों के बीच संतुलन बनाया जाए। यदि आपको लगता है कि यह अभिनय का सबक है, जी नहीं, यह उससे कहीं बढ़कर, ज़िंदगी का सबक है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की कीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस–ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को ख़ुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेंगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 दिसंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 08:39 तक
नक्षत्र : कृतिका दोपहर 02:54 तक
योग : शिव प्रातः 12:34 तक
करण : वणिज प्रातः 08:39 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री दत्त जयंती , मार्गशीर्ष पूर्णिमा ,
भद्रा प्रातः 08:39 से रात्रि 06:41 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नायब सिंह ने 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' की दूसरी किस्त की जारी

चंडीगढ़, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' की दूसरी किस्त जारी की। आज की किश्त जारी होने के साथ ही 7 लाख 1 हजार 965 लाभार्थी बहनों के खातों में लगभग 148 करोड़ रुपये की राशि का लाभ पहुंचा है। मुख्यमंत्री बुधवार को यहां आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सामाजिक न्याय अधिकारिता अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि अब इस योजना का लाभ 3 माह के अंतराल में दिया जाएगा और 3 माह की राशि का एक साथ भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना सिर्फ आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक मजबूत पहल है।

उन्होंने कहा कि गत 25 सितंबर को 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' ऐप का शुभारंभ पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के 109वें जन्मदिवस के अवसर पर किया था। उसके बाद 1 नवंबर को पात्र महिलाओं को पहली किस्त जारी कर उन्हें लाभ प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐप पर गत 30 नवंबर तक 9 लाख 592 महिलाओं ने आवेदन किया है। इनमें से 7 लाख 1 हजार 965 महिलाएं पात्र पाई गई हैं। इनमें से 5 लाख 58 हजार 346 महिलाओं ने अपना आधार घधउ पूरा कर लिया है। जबकि, 1 लाख 43 हजार 619 महिलाओं का वेरिफिकेशन पेंडिंग है।

उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं का आधार केवाईसी का अंतिम चरण अभी भी बकाया है, उनसे निवेदन है कि वे जल्द से जल्द इसे पूरा कर लें। जैसे ही यह प्रोसेस पूरा होगा, उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का लाभ 23 वर्ष या इससे अधिक आयु की वे सभी महिलाएं ले सकती हैं, जिनके परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। इस योजना का विशेष पहलू यह है कि परिवार की सभी पात्र महिलाएं इस योजना का लाभ ले सकती हैं। इस योजना का लाभ पाने के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और ऑनलाइन है। आवेदन 'लाडो लक्ष्मी मोबाइल ऐप' के माध्यम से किसी भी स्थान से किसी भी समय सरलता से किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आवेदन पूरा होते ही 24 से 48 घंटे में सारी वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी कर ली जाती है और पात्र पाई गई महिलाओं को एसएमएस द्वारा सूचित कर दिया जाता है। इस एसएमएस में उनसे निवेदन किया जाता है कि वे आवेदन के अंतिम चरण में इसी ऐप पर दोबारा जाकर अपना लाइव फोटो खींचकर अपलोड करें। जैसे ही आधार डेटाबेस के माध्यम से ई– केवाईसी हो जाती है, उसके बाद सेवा विभाग इस योजना की आईडी जारी कर देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के लिए महिलाओं का बहुत अच्छा रिस्पॉन्स आ रहा है और प्रतिदिन औसतन 3 से 4 हजार महिलाओं की ओर से आवेदन किया जा रहा है। हरियाणा सरकार की यह पहल न सिर्फ सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करती है, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प को भी मजबूती देती है।

नायब सिंह सैनी ने होम डिपार्टमेंट के डैशबोर्ड को किया लॉन्च

चंडीगढ़, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज गृह विभाग के डैशबोर्ड का उद्घाटन किया। यह एक बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो पूरे राज्य में कानून लागू करने, इमरजेंसी में मदद करने और पब्लिक सेफ्टी मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव लाएगा। इस पहल को एक अहम मील का पत्थर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नए सिस्टम से सीनियर अधिकारी एक ही इंटरफ़ेस पर पुलिस, फायर, एम्बुलेंस, जेल और दूसरे ज़रूरी विंग से रियल–टाइम जानकारी पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे गृह विभाग में समन्वय बेहतर होगा, क्षमता बढ़ेगी और तेज़ी से फैसले लेने में मदद मिलेगी। नायब सिंह सैनी ने इस नई पहल के लिए होम सेक्रेटरी और दूसरे सीनियर अधिकारियों और टेक्निकल टीम को बधाई दी।

हरियाणा पुलिस का 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट्स डोमिनेशन'

575 ठिकानों पर छापेमारी, 108 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने प्रदेशभर में अपराध और नशीले पदार्थों पर नकेल कसने के लिए 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट्स डोमिनेशन' के तहत अभूतपूर्व कार्रवाई की है। पुलिस ने राज्य के 575 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी करते हुए 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस दौरान 56 केस दर्ज गिए हए और 43 फरार व वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हरियाणा पुलिस का यह अभियान नशीली दवाओं, अवैध शराब, जुआ व संगठित अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष मिशन का हिस्सा है। हरियाणा पुलिस के पीआरओ के अनुसार, ऑपरेशन के दूसरे दिन पुलिस की टीमें उन स्थानों पर पहुंचीं, जिन्हें ड्रग्स तस्करी, अवैध शराब, जुआ घरों और आपराधिक गिरोहों के ठिकाने के रूप में चिह्नित किया गया था। अधिकारी ने बताया कि इस अभियान से यह स्पष्ट संदेश गया है कि राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन अवैध नेटवर्कों को तोड़ने और कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूर्णतः तैयार है।

छापेमारी में पुलिस को बड़ी मात्रा में अवैध सामान मिला, जो प्रदेश में फैले अवैध व्यापार के पैमाने को दर्शाता है। जब्त की गई वस्तुओं में 1,236 बोतल आंग्रेजी शराब, 111 बोतलें देसी शराब, 99 बोतलें अवैध कच्ची शराब, 250 लीटर लाहन (कच्ची शराब बनाने का सामग्री), 51,712 रुपए नकद, 75.78 ग्राम हेरोइन, 1.045 किलोग्राम चरस, 70 किलोग्राम बीफ, चार देसी कट्टे, चार पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूस और एक कार शामिल हैं।

हरियाणा पुलिस के पीआरओ ने कहा कि यह बरामदगी इस बात का प्रमाण है कि पुलिस ने नशीले पदार्थों, अवैध शराब और आपराधिक नेटवर्कों की सप्लाई चेन पर सीधा और व्यापक प्रहार किया है। इस अभियान में कई जिलों में महत्वपूर्ण गिरफ्तारियाँ हुईं। अभियान के तहत भिवानी में सबसे अधिक 25 गिरफ्तारियां हुई। इसके अलावा, गुरुग्राम से 14, सिरसा से 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, करनाल और हांसी से 8–8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान डबवाली, करनाल और सोनीपत पुलिस टीमों ने विशेष रूप से हेरोइन सप्लाई चैन को निशाना बनाया। इस दौरान नूंह में 70 किलोग्राम बीफ जब्त किया गया। इसके अलावा, जींद पुलिस ने 200 लीटर लाहन बरामद किया। वहीं, कैथल पुलिस ने 1.045 किलोग्राम चरस जब्त कर बड़ी सफलता हासिल की। हरियाणा पुलिस के पीआरओ ने आगे बताया कि यह अभियान अवैध गतिविधियों में लिप्त नेटवर्कों को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है और आगे भी ऐसी कार्रवाइयां लगातार जारी रहेंगी।

नीलामी में बोली लगाना शौक नहीं, जिम्मेदारी है

विज ने आयकर विभाग को आर्थिक क्षमता व आय हेतू जांच के दिए निर्देश

चंडीगढ़, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में हाल ही में एचआर 88 बी 8888 नंबर के लिए ऑनलाइन नीलामी के दौरान किसी व्यक्ति ने 1 करोड़ 17 लाख रूपए की सबसे ऊंची बोली लगाई थी। लेकिन बोली लगाने के बाद उस व्यक्ति ने अपनी सुरक्षा राशि जब्त होने दी, इसलिए इस संबंध में उस व्यक्ति की संपति और आय की जांच करवाई जाएगी और देखा जाएगा कि वास्वत में उस व्यक्ति की आर्थिक क्षमता एक करोड 17 लाख रूपए की बोली लगाने की है या नहीं। मीडिया कर्मियों से आज बातचीत करते हुए मंत्री अनिल विज ने बताया कि राज्य में फैंसी और वीवीआईपी वाहन नंबर नीलामी प्रणाली से आवंटित किए जाते हैं और कई लोग बड़ी–बड़ी बोलियां लगाकर इन नंबरों को खरीदने की कोशिश करते हैं। यह न केवल प्रतिष्ठा का विषय होता है, बल्कि सरकार की राजस्व वृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एचआर 88 बी 8888 नंबर के लिए ऑनलाइन नीलामी के दौरान किसी व्यक्ति ने 1 करोड़ 17 लाख रूपए की सबसे ऊंची बोली लगाई थी। लेकिन बोली लगाने के बाद उस व्यक्ति ने अपनी सुरक्षा राशि जब्त होने दी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि बोली लगाना सिर्फ शौक बनता जा रहा है, न कि जिम्मेदारी।

परिवहन मंत्री ने कहा कि मैंने परिवहन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि जिस व्यक्ति ने यह बोली लगाई, उसकी संपत्ति और आय की पूरी जांच करवाई जाए। यह देखा जाए कि वास्तव में उस व्यक्ति की आर्थिक क्षमता 1 करोड़ 17 लाख रुपये की बोली लगाने की है भी या नहीं। उन्होंने आगे बताया कि इस संबंध में आयकर विभाग को भी पत्र भेजकर विस्तृत जांच के लिए कहा जा रहा है, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति गलत जानकारी या बिना आर्थिक क्षमता के बोली न लगा सके।

सांसद हरीश चन्द्र मीना ने लोकसभा में मंत्रालय के उत्तर को बताया भ्रामक

टोंक, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। टोंक–सवाई माधोपुर के सांसद हरीश चन्द्र मीना ने लोकसभा में द 01 दिसंबर 2025 को पूछे गए अपने प्रश्न संख्या 192 पर वन मंत्रालय द्वारा दिए गए उत्तर पर गहरी आपत्ति जताते हुए इसे तथ्यों से परे,अधूरा एवं भ्रामक बताया है। इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष एवं संसदीय कार्य मंत्री से मिलकर पूरे प्रकरण की पुनः जांच और तथ्यात्मक स्पष्टीकरण की मांग की है। सांसद मीना ने कहा कि उन्होंने रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व में मई 2025 के दौरान हुई गतिविधियों, रात्रिकालीन सफारी, कृत्रिम रोशनी के उपयोग और छढउ दिशा–निर्देश 2012 के संभावित उल्लंघन के संबंध में अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया था। लेकिन मंत्रालय द्वारा दिए गए उत्तर में न तो वास्तविक घटनाओं का उल्लेख किया गया और न ही उन तथ्यों का, जिनकी पुष्टि स्वयं मीडिया रिपोर्ट्स, वीडियो फुटेज और स्थानीय वन्यजीव विशेषज्ञों द्वारा की गई है।

मंत्रालय ने उत्तर में कहा है कि सफारी समय नहीं बढ़ाया गया, जबकि मीडिया में प्रकाशित वीडियो, सोशल मीडिया फुटेज, स्थानीय गाइडों और पर्यटकों के बयान स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि रात्रि में वाहनों की आवाजाही हुई और टाइगर िळसहींळपस के दौरान तेज रोशनी का उपयोग किया गया, जो सीधे–सीधे दिशा–निर्देशों का उल्लंघन है। सांसद ने कहा कि निर्धारित समय के बाद भी वाहनों की मूवमेंट, प्रकाश का उपयोग, और टाइगर िळसहींळपस के लिए भीड़ जुटाने जैसी गतिविधियाँ लंबे समय से हो रही हैं, लेकिन मंत्रालय ने अपने उत्तर में इन गंभीर शिकायतों को नज़रअंदाज़ कर दिया। छढउ दिशा–निर्देश 2012 के उल्लंघन पर मंत्रालय का मौन चिंताजनक

सांसद मीना ने विशेष रूप से पूछा था कि क्या इन दिशा–निर्देशों का उल्लंघन हुआ है और क्या इसके लिए कोई कार्रवाई की गई है।लेकिन मंत्रालय द्वारा इस महत्वपूर्ण बिंदु पर कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया गया, जो वन्यजीव संरक्षण के प्रति गंभीरता पर सवाल खड़ा करता है।

सांसद हरीश चन्द्र मीना ने लोकसभा अध्यक्ष म से अनुरोध किया है कि प्रश्न संख्या 192 के उत्तर की पुनः समीक्षा की जाए ताकि सदन के समक्ष सही तथ्य आ सकें।संबंधित मंत्रालय को निर्देशित किया जाए कि वह सटीक, प्रमाणित और पूर्ण जानकारी सदन में पेश करे। रणथम्भौर में रात्रिकालीन गतिविधियों, मीडिया में आए वीडियो, छढउ गाइडलाइनों के उल्लंघन तथा वन विभाग की कार्यप्रणाली पर निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच कराकर सदन को अवगत कराया जाए।

फिट राजस्थान कार्यक्रम अब पहुँचेगा घर–घर : डॉ. नीरज कुमार पवन

जयपुर, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद डा. नीरज कुमार पवन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट का उद्देश्य पूरे भारत के लोगो को फिट रखना है। इसी तर्ज पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी इस अभियान को फिट राजस्थान के माध्यम से घर–घर पंहुचाना चाहते है, जिससे प्रदेशवासी स्वस्थ व फिट रहे। डा. नीरज कुमार पवन ने संवादाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि फिटनेस की डोज आधे घंटे रोज़ का संदेश समाज के हर वर्ग तक पंहुचाने की घोषणा की है। उन्होने कहा कि तीन स्तर पर इसके तहत कार्य किये जा रहे है। इस संबंध में शिक्षा विभाग के साथ एमओयू किया जा रहा है कि सभी स्कूलों में स्पोट्र्स का कालांश अनिवार्य रूप से लागू किया जाये, जिसमें शत प्रतिशत छात्र–छात्राओं को इससे जोडा जाए। शिक्षा विभाग सप्ताह में एक दिन नो बैग डे का अनिवार्य रूप से पालन करें जिसमें स्पोट्र्स को भी शामिल किया जाये। इसका उद्देश्य केवल फिट इंडिया से जुडना और माननीय प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के अभियान को आगे बढाना है।

उन्होने कहा कि खेलों इंडिया के दौरान जो खेल सुविधाए विकसित की गई है, उसमें हमने बैडमिंटन, फुटबाल, इंडोर स्टेडियम और एथलेटिक ट्रैक सहित कई खेल मैदानों की काया पलट करने का प्रयास किया है और इन खेलों के बाद भी इनकी सूरत वैसी ही बनी रहे, इसका पूरा प्रयास रहेगा।

पेंशनर्स 20 तक प्रस्तुत कर सकेंगे जीवित प्रमाण पत्र

जयपुर, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम के तहत प्रत्येक वर्ष नवंबर महीने में राज्य के पेंशनर और पारिवारिक पेंशनर को अपना जीवन जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना जरूरी है। इस वर्ष पेंशनर्स अपना जीवित प्रमाण पत्र 20 दिसंबर तक प्रस्तुत कर सकते हैं। निदेशालय पेंशन एवं पेंशनर्स वैलफेयर विभाग के निदेशक महेंद्र सिंह भूकर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पेंशनर्स का जीवन प्रमाण पत्र बनना बेहद सरल किया गया है। सभी पेंशनर्स राज्य सरकार में कार्यरत राजपत्रित व अराजपत्रित कर्मचारियों (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को छोड़कर) द्वारा उनके एसएसओ आईडी पर आईएफएमएस 3.0 के माध्यम से अपना जीवन प्रमाण पत्र आसानी से बनवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त पेंशनर्स संबंधित कोषालय, उपकोषालय, पेंशन निदेशालय, संभागीय पेंशन कार्यालय में व्यक्तिशः उपस्थित होकर अपना जीवन प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं या पूर्व में निर्धारित तरीकों के अनुसार भी जीवन प्रमाण पत्र बनवाया जा सकता है।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कैनोइँग और कयाकिंग में अपना दबदबा बनाया

जयपुर, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने बुधवार को कैनोइंग और कयाकिंग में 10 में से 9 गोल्ड मेडल जीतकर खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 के 10वें दिन अंक तालिका के में टॉप पर पहुंच गई। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने टेबल टेनिस में पुरुष टीम का गोल्ड मेडल भी जीता और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 33 गोल्ड, 13 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ ओवरऑल स्टैंडिंग में दूसरे नंबर पर खिसका दिया।

बहरहाल, सवाई मानसिंह स्टेडियम परिसर में स्थित एथलेटिक्स ट्रैक पर बुधवार को चार और मीट रिकार्ड टूटे। अब एथलेटिक्स में मीट रिकार्ड्स की संख्या 9 हो गई है। केआईयूजी 2025 का पांचवां एडिशन राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल वाले खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अंडर राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इसे होस्ट कर रही है।

पंजाब यूनिवर्सिटी (पुरुषों की 4400मी), महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के शिंटोमोन सीबी (पुरुषों की 110मी हर्डल्स), गुरु काशी यूनिवर्सिटी की सान्या यादव (महिलाओं की डिस्कस थ्रो) और महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी की अलीना टी साजी (महिलाओं की हाई जंप) ने बुधवार को मीट रिकॉर्ड बेहतर किए।

गुरु काशी यूनिवर्सिटी के टोंगब्रम रोशन सिंह ने उदयपुर में कैनो सिंगल 500ा रेस जीतकर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को क्लीन स्वीप से बचा लिया। दूसरी तरफ, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कैनोइंग और कयाकिंग में अपनी बादशाहत दिखाई। इन दोनो खेलों को इस साल खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में शामिल किया गया था। इसने बुधवार को 10 में से नौ गोल्ड मेडल जीते।कॉम्पिटिशन में दो दिन बाकी हैं, पिछले एडिशन की चैंपियन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मेडल्स टैली में टॉप स्पॉट के लिए ज़ोर लगा रही है, जो पिछले कुछ दिनों से गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के पास है।

सरकार एक करोड़ नौकरी-रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है: राज्यपाल

पटना/एजेंसियां।

18वीं विधानसभा के शीतकालीन सत्र का बुधवार को तीसरा दिन रहा। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अभिभाषण दिया। उन्होंने बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित किया। हालांकि, अभिभाषण की शुरुआत होते ही कुछ देर के लिए साउंड सिस्टम में खराबी आ गई थी। इस कारण किसी को उनकी आवाज ठीक से सुनाई नहीं रही थी। इसके बाद तकनीकी टीम ने इसे ठीक किया। राज्यपाल ने नई सरकार की आगामी योजना और नीतियों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में आप सभी का स्वागत करता हूं तथा हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं राज्य की खुशहाली एवं बहुआयामी विकास की कामना करता हूँ। साथ ही मैं विधानसभा के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई भी देता हूं। मुझे विश्वास है कि नव गठित बिहार विधान सभा का कार्यकाल बिहार को विकसित बनाने एवं जन जन तक खुशहाली लाने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभायेगा। राज्यपाल ने आगे कहा कि अभी हमारे यहां शांतिपूर्ण, स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव हुए है। राज्य की जनता ने विकास के एजेंडे को स्वीकार करते हुए सरकार को व्यापक समर्थन दिया है। इस चुनाव में बिहार के लोगों ने विशेषकर महिलाओं ने अभूतपूर्व मतदान किया है। मैं सभी मतदाताओं को इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए बधाई देता हूं एवं इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग तथा निर्वाचन में संलग्न सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को भी धन्यवाद देता हूं। विकास के प्रति राज्य के सभी वर्गों में विशेषकर महिलाओं एवं युवाओं में विशेष जागरूकता दिखाई दे रही है। सरकार द्वारा राज्य के विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों के लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। राज्य सरकार आगामी पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है। इधर, राज्यपाल के अभिभाषण से पहले सरकार वित्तीय वर्ष 2025 26 का द्वितीय अनुपूरक बजट भी पेश किया गया। वित्त मंत्री विजेंद्र यादव ने कहा कि इस अनुपूरक बजट में कुल 91,717.1135 करोड़ रुपये के अतिरिक्त व्यय का प्रावधान किया गया है। कुल 91,717.11 करोड़ रुपये के इस अनुपूरक बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला रोज-गार, पेयजल, सड़क, ऊर्जा, पेंशन, सिंचाई, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मेट्रो रेल और अन्य सामाजिक कल्याण योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह प्रावधान राज्य की विकास परियोजनाओं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को गति देने के उद्देश्य से किया गया है। इधर, दूसरे दिन भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रेम कुमार ने विधानसभा अध्यक्ष के आसान पर बैठ गए। पहले दिन अनुपस्थित रहे चार विधायकों ने भी शपथ ले लिया। बाहुबली अनंत सिंह और अमरेंद्र पांडेय शपथ लेने के लिए नहीं पहुंच पाएं। अनंत सिंह जेल में हैं और अमरेंद्र पांडेय अपने भतीजे का इलाज करवा रहे हैं। इधर, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष का पद भाजपा के पास जाने के बाद उपाध्यक्ष पद जदयू के पास चला गया है। आज जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता और प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने उपाध्यक्ष पद पर नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके अलावा किसी और ने इस पद के लिए नामांकन नहीं किया है इसीलिए उनका निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना जाना तय है। हालांकि नरेंद्र नारायण यादव पहले भी उपाध्यक्ष थे।

मुजफ्फरपुर में जैन मुनि से बदसलूकी, मुनिराज ने सड़क किनारे मौन साधना की

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले में एक धार्मिक गुरु के साथ बदसलूकी की घटना सामने आई है। मामला सरैया थाना क्षेत्र के गोपीनाथपुर दोकड़ा का है। दिगंबर जैन मुनि उपसर्गजयी श्रमण श्री विशल्यसागर जी के साथ कुछ शरारती युवकों ने रोका और गाली गलौज के बाद धमकाया। घटना के बाद मुनिराज सड़क किनारे मौन ध्यान में बैठ गए। स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने मुनिराज को समझाया और सुरक्षा में उनकी आगे यात्रा सुनिश्चित की। मुनिराज वैशाली में आयोजित स्वर्ण कलश और स्वर्ण ध्वज स्थापना समारोह में शामिल हुए थे। वह सरैया क्षेत्र के बास-ोकुंड स्थित महावीर मंदिर में ठहरे थे। मंगलवार को मड़वन प्रखंड की ओर जाते समय गोपीनाथपुर दोकड़ा के पास बाइक सवार युवकों ने उन्हें रोककर धमकाया। युवकों ने मुनिराज को वस्त्र पहनने की धमकी दी और गोली मारने की बात कही। अफरा तफरी के बाद मुनिराज सड़क किनारे बैठकर मौन साधना में लीन हो गए। पुलिस ने मुनिराज को समझाकर करजा थाना क्षेत्र के अख्तियारपुर मड़वन तक सुरक्षा में पहुंचाया। सरैया थानाध्यक्ष सुभाष मुखिया ने कहा कि युवकों की तलाश जारी है। लिखित शिकायत नहीं मिली है, लेकिन मामले की जांच चल रही है। घटना के बाद स्थानीय लोग और जैन समाज में संतों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।

भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत

पटना/एजेंसियां।

छपरा-सीवान एनएच-531 पर माने मठिया गांव के पास एक तेज रफ्तार हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मालवाहक सीएनजी ऑटो द्वारा ओवरटेक करने के दौरान वह आगे चल रहे ट्रेलर ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा कर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ऑटो सवार 30 वर्षीय राजेश महतो की मौके पर ही मौत हो गई। वह एकमा थाना क्षेत्र के भुईली गांव के रहने वाले थे। दूसरा युवक, 35 वर्षीय विजय कुमार गुप्ता, गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों युवक छपरा के मौना चौक से भतुआ पाग मिठाई थोक में खरीदकर फुटकर बिक्री के लिए एकमा बाजार लौट रहे थे, तभी रास्ते में हादसा हो गया। हादसे के बाद ट्रक चालक और सीएनजी ऑटो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। सूचना पर पहुंची एकमा, रसूलपुर और दा-उदपुर थाना पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और यातायात सामान्य कराया। घायल विजय कुमार को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से एकमा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एकमा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिसंबर में सामान्य से अधिक बारिश के आसार, अगले 72 घंटे में तीन डिग्री तक गिरेगा पारा

पटना/एजेंसियां।

बिहार में दिसंबर माह में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। बारिश होने के कारण कनकनी बढ़ेगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने बिहार के कई जिलों में दिसंबर माह में बारिश के आसार जताया है। कहा कि इस माह सामान्य से अधिक बारिश के आसार हैं। इस कारण ठंड और बढ़ेगी। सामान्य परिस्थितियों में दिसंबर महीने में बिहार की औसत वर्षा 5.1 मिमी रहती है, लेकिन इस बार बारिश के आंकड़े सामान्य से ऊपर रह सकते हैं।

रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जाएगी। इतना ही नहीं कोहरा भी बढ़ने लगा है। इस बार दिसंबर में बरसात सामान्य से अधिक हो सकती है, जिससे सर्दी के मिजाज पर भी असर पड़ेगा। दिसंबर के तीसरे सप्ताह में पारा सात डिग्री के नीचे जा सकता है। अंतिम सप्ताह में शीतलहर चलेगी, जो जनवरी मध्य तक जारी रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, दिसंबर माह में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। आम तौर पर बिहार में दिसंबर महीने का अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जाता है, लेकिन इस बार पारा इससे ऊपर जा सकता है। न्यूनतम तापमान को लेकर पूर्वानुमान है कि राज्य के उत्तर-पूर्व और दक्षिण पूर्व हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है, जबकि अन्य भागों में यह लगभग सामान्य रहेगा।

सामान्यत: दिसंबर में बिहार का न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कहीं भी वर्षा रिकॉर्ड नहीं की गई। इस दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान शेखपुरा का 27.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। वहीं रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस समस्तीपुर में रहा। राज्य का न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस से 18.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। कई स्थानों पर पारा एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिरा, जिससे सुबह शाम की ठंड में बढ़ोतरी महसूस की गई। कोहरे ने भी कुछ इलाकों में दस्तक दी। पूर्णिया में न्यूनतम दृश्यता 500 मीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं आज सुबह पटना, बेतिया, गोपालगंज, समस्तीपुर, किशनगंज, पूर्णिया, अररिया के कुछ इलाके में कोहरा देखने को मिला। इस कारण राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक राज्य के कुछ हिस्सों में सुबह हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना है, जिससे दृश्यता प्रभावित हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान में अगले चार से पांच दिनों में कोई बदलाव नहीं होगा। लेकिन, अगले 72 घंटों में न्यूनतम तापमन तीन डिग्री तक नीचे जा सकता है। इसलिए राज्यवासियों को आने वाले दिनों में ठंड और कोहरे दोनों के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है।

सड़क किनारे एक अज्ञात किशोर का गोली लगा शव मिला

सीतामढ़ी/एजेंसियां।

जिले में मंगलवार रात करीब 10 बजे एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जब डुमरा रोड स्थित भांवरेंट स्कूल के पास सड़क किनारे एक अज्ञात किशोर का गोली लगा शव मिला। नाहर चौक से मेहसौल गांव की ओर जाने वाले सुनसान रास्ते पर शव मिलने के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर मेहसौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को सील कर दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर गोली के निशान पाए गए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उसकी हत्या नजदीक से गोली मारकर की गई है।

पुलिस का मानना है कि वारदात देर शाम या रात के समय किसी सुनसान स्थान पर अंजाम दी गई होगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या के पीछे आपसी विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी कोणों से मामले की पड़ताल कर रही है। गंभीरता को देखते हुए एसपी ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया है। टीम आसपास के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और क्षेत्र में आने जाने वाले संदिग्धों की गतिविधियों की जांच कर रही है। मृतक की पहचान रिपु कुमार के रूप में हुई है, जो डुमरा थाना क्षेत्र के भीषा गांव का रहने वाला था और आठवीं कक्षा का छात्र था। देर रात नाहर चौक के पास उसका शव लावारिस हालत में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

सीवान में ज्वैलरी दुकान में बदमाशों ने हथियार के बल पर की लूट

सीवान/एजेंसियां।

सीवान में इन दिनों अपराधियों का मनोबल चरम पर है और पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ताजा मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र के खोड़ीपाकड़ गांव का है, जहां मंगलवार को हथियारबंद छह नकाबपोश अपराधियों ने मनमोहित ज्वेलर्स की दुकान पर धावा बोल दिया। लुटेरों ने करीब 18 लाख रुपये के सोने चांदी के गहने लूटे और मौके पर पांच राउंड तक हवाई फायरिंग कर बाइक से फरार हो गए। दुकानदार सुमित कुमार के अनुसार, वह रोज की तरह दुकान पर बैठे एक ग्राहक से बात कर रहे थे, तभी छह नकाबपोश अचानक दुकान के बाहर और भीतर फैल गए। दो अपराधी सड़क पर निगरानी में, दो मुख्य गेट पर और दो अंदर घुसकर हथियार तान दिए। उन्होंने गहने सौंपने की धमकी दी और मना करने पर गोली मारने की चेतावनी दी।

भय के माहौल में अपराधी लाखों के जेवर समेटकर फायरिंग करते हुए चंपत हो गए। घटना की जानकारी के बाद सारण रेंज के डीआईजी नीलेश कुमार, सीवान के प्रभारी एसपी विक्रम सिहाग और महाराजगंज एसडीपीओ अमन कुमार समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है, लेकिन स्थानीय व्यवसायियों और आम लोगों में दहशत और नाराज़गी साफ झलक रही है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के टारी बाजार में भी ज्वेलर्स की दुकान पर दिनदहाड़े बड़ी लूट हुई थी। पुलिस ने दावा किया था कि उसने 24 घंटे में कांड का उद्भेदन कर लिया, लेकिन व्यवसायियों ने इसे संदेहास्पद बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। लगातार हो रही घटनाओं ने पुलिस की तत्काल कार्रवाई और कड़ी निगरानी के दावों की पोल खोलकर रख दी है। उधर, बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने पदभार संभालते समय कहा था कि अब अपराधी अपराध करने की हिम्मत नहीं कर पाएंगे, लेकिन सीवान में बढ़ती घटनाएं उनके इस दावे को खुली चुनौती देती नजर आ रही हैं। हाल की घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि अपराधी न केवल बेखौफ हैं, बल्कि पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं, कहां है पुलिस गश्त।

कहां है सुरक्षा। आखिर कब तक व्यापारी और आम लोग ऐसे ही लूट और फायरिंग का सामना करते रहेंगे।

रोहतास में नकली नमक का भंडाफोड़, दो कारोबारी गिरफ्तार

रोहतास/एजेंसियां।

जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र के घनकी जामुन के समीप पुलिस ने छापेमारी कर नकली नमक के एक बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया है। दरिगांव थाने की पुलिस ने मंगलवार को घनकी जामुन स्थित एक मकान में छापेमारी के दौरान लगभग 7 क्विंटल नकली नमक जब्त किया। इस दौरान पुलिस को नमक की पैकिंग मशीन सहित अन्य सामान भी मिला। पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े सभी लोगों की पहचान करने में जुटी हुई है। इस कार्रवाई के बाद जिले में हड़कंप मच गया है और खाद्य सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दरिगांव थाने के प्रभारी थानाध्यक्ष रोहित कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के घनकी जामुन के समीप एक मकान में नकली नमक का बड़ा कारोबार तेजी से चल रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर टीम का गठन कर छापेमारी की गई। इस दौरान 650 क्विंटल नकली नमक के साथ पैकिंग मशीन, ब्रांडेड कंपनियों के रैपर और अन्य सामान बरामद हुआ। इस क्रम में सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मुसाहेपुर गांव निवासी शिवलोचन शाह के पुत्र बबलू कुमार और सासाराम नगर थाना क्षेत्र के आलमगंज मोहल्ला निवासी जगदीश प्रसाद के पुत्र संजय साव को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों कारोबारी लंबे समय से नकली नमक के कारोबार में शामिल थे। घटनास्थल से कई ब्रांडेड कंपनियों के नकली रैपर भी बरामद हुए, जिससे स्पष्ट होता है कि पैकिंग मशीन के माध्यम से इन पैकेटों में नकली नमक भरकर आसपास के बाजारों में सप्लाई की जाती थी। फिलहाल पुलिस दोनों गिरफ्तार कारोबारियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और पहले से बेचे जा चुके नकली नमक के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com